हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

10 मार्च, 1997

खण्ड 1, अंक 3

अधिकृत विवरण

विशय सूची

सोमवार, 10 मार्च, 1997

पृश्ठ संख्या

भाोक प्रस्ताव	(3)1
तारांकित प्र न एवं उत्तर	(3)3
नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्र नों के लिखित उत्तर	(3)20
अतारांकित प्र न एवं उत्तर	(3)23
ध्यानाकर्शण प्रस्ताव– पीलिया बीमारी से हुई मौतों तथा जिला सिरसा में इस बीमारी के फैलने संबंधी	(3)27
वक्तव्य– उपरोक्त ध्यानाकर्शण प्रस्ताव संबंधी	(3)27
वर्श 1996–97 के अनुपूरक अनुमान प्रस्तुत करना	(3)32
प्राक्कलन समिति को रिपोर्ट प्रस्तुत करना	(3)33
राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा	(3)33

वैयक्तिक स्पश्टीकरण– कृशि मंत्री, श्री कर्ण सिंह दलाल द्वारा	(3)43
राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(3)45
वैयक्तिक स्पश्टीकरण– खाद्य मंत्री, श्री गणे ाी लाल द्वारा	(3)46
राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(3)47
वैयक्तिक स्पश्टीकरण– मुख्य मंत्री, श्री बंसी लाल द्वारा	(3)52
राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(3)53
बैठक का समय बढ़ाना	(3)70
राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(3)70

हरियाणा विधान सभा

सोमवार, 10 मार्च, 1997

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर–1, चण्डीगढ़ में 14.00 बजे हुई। अध्यक्ष प्रो0 छत्तर सिंह चौहान, ने अध्यक्षता की।

भाोक प्रस्ताव

मुख्य मंत्री (श्री बंसी लाल): अध्यक्ष महोदय, सै ान की इन तीन दिन की छुट्टियों में हमारे बडे नेता श्री बी0 गोपाल रेड्डी, उत्तर प्रदे ा के भूतपूर्व राज्यपाल हमारे बीच से चले गए। यह सदन उनके 8 मार्च, 1997 को हुए दु:खद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है। उनका जन्म 5 अगस्त, 1907 को हुआ। वह अपने जीवन के प्रारम्भिक दिनों में स्वतंत्रता संघर्श में कूद पड़े तथा उन्होंने "असययोग आन्दोलन""नमक सत्याग्रह" तथा "भारत छोड़ो आन्दोलन" मैं भाग लिया। वह 1937 से 1946 तक मद्रास विधान सभा के सदस्य रहे। वह 1955–56 के दौरान आंध्र प्रदे ा के मुख्य मंत्री रहे। वह 1958–60 तक राज्य सभा के सदस्य रहे और 1962 में लोकसभा के सदस्य चुने गए तथा वह 1958 से 1963 तक केन्द्रीय मंत्री रहे। उन्हौंने 1967 से 1973 तक उत्तर प्रदे ा के राज्यपाल के पद को सु ाोभित किया। उनके निधन से दे ा एक प्रख्यात स्वतंत्रता सेनानी, योग्य प्र ाासक तथा अनुभवी सांसद की सेवाओं से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत नेता

के भाोक–संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

श्री धीरपाल सिंह (बादली): स्पीकर सर, हाऊस के नेता ने जो भाोक प्रस्ताव रखा है, मैं भी अपनी पार्टी की तरफ से उसका समर्थन करता हूं। स्पीकर सर, होनी का विधान यह है कि जो इस धरती पर आया है, वह अव य जाएगा लेकिन आज हिन्दुस्तान से आहिस्ता–आहिस्ता ऐसी महान हस्तियां जुदा हो रही हैं जिन्होंने इस दे ा के लिए बहुत कुछ किया। उन महान हस्तियों में उत्तर प्रदे ा के भूतपूर्व राज्यपाल श्री बी0 गोपाल रेड्डी भी हैं। ये एक ऐसे महान सपूत थे जिन्होंने आजादी की लड़ाई में भरपूर सहयोग दिया। वे एक फ्रीडम फाईटर तथा समाज सेवी थे। इसके इलावा राजनीति में पदापर्ण करने के बाद उन्होंने राजनीति के द्वारा सेवा भावना को महत्व देते हुए ईमानदारी व सादगी से सारा जीवन राजनीति में सुधार के लिए लगा दिया। चाहे वे विधान सभा में हों या पार्लियामैंट में, दोनों जगहों पर उन्होंने दे ा और प्रदे ा के हितों का ध्यान रखा। उसके बाद उन्होंने बडे बेहतरीन तरीके से उत्तर प्रदे ा के गवर्नर के पद को सु ाोभित किया। अभी 8 मार्च, 1997 को उनका निधन हुआ है। सारा दे ा इस महान सपूत के जुदा होने पर चिंतित है। आहिस्ता–आहिस्ता अगर इस प्रकार से ऐसे–ऐसे समाज सेवी तथा दे ा भक्त हमसे जुदा होते रहेंगे तो हमें कौन दि ाा निर्दे ा देगा ? किससे हमें प्रेरणा लेंगे ? अगर आजादी के रखवाले हम में

नहीं होंगे तो आजादी का प्रभाव भी कम हो जाएगा। इसलिए इस दुःखी परिवार के प्रति हमारी हमदर्दी है और मैं मालिक से प्रार्थना करता हूं कि वे ऐसे महान सपूत को अपने चरणौं में स्थान दें तथा उनकी आत्मा को भाांति प्रदान करें। धन्यवाद।

श्रीमती करतार देवी (कलानौर, एस0सी0): अध्यक्ष महोदय, सदन के नेता ने जो भाोक प्रस्ताव पे ा किया है मैं अपनी तरफ से और अपने दल की तरफ से उसका समर्थन करती हूं। श्री बी0 गोपाल रेड्डी के निधन से हम सभी को बहुत गहरा धक्का पहुंचा है। उनके निधन का भाोक समाचार टी0वी0 और सभी अखबारों में आया। उसको पढकर और सुनकर हमें बहुत दुःख हुआ। श्री रेड्डी प्रारम्भिक जीवन से ही स्वतंत्रता संग्राम में कुद पडे थे। श्री रेड्डी ने महात्मा गांधी जी के विचारों के अनुसार उस समय कई पदों पर कार्य किया। वे विधान सभा के सदस्य भी रहे, केन्द्रीय मंत्री मे रूप में भी उन्होंने अपना कार्य किया और गवर्नर के पद पर उन्होंने लोगों की सेवा की। वे जिस जिस पद पर भी रहे वहां पर बहुत योग्य प्र ाासक ही नहीं बल्कि एक समाज सेवी के हिसाब से जन कल्याण की नीतियों को इम्पलीमैंट करवाने में उन्होंने बहुत रूचि ली। उन्होंने औरों के लिए अपना एक आद र्ा रखा। एक योग्य प्र ाासक, एक अनुभवी सांसद और एक महान समाजसेवी हमारे बीच में चले गए। मैं अपनी तरफ से और अपने दल की तरफ से उनके प्रति अपनी हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित करती हूं और परम पिता परमात्मा से

प्रार्थना करता हूं कि परमात्मा उनको अपने चरणों में स्थान दे। उनके भाोक संतप्त परिवार के प्रति भी मैं सहानुभूति प्रकट करती हूं।

ि ाक्षा मंत्री (श्री राम बिलास भार्मा): अध्यक्ष महादेय, श्री बी0 गोपाल रेड्डी उत्तर प्रदे ा के भूतपूर्व राज्यपाल के निधन से दे ा ने एक बहुत बडा राजनेता और एक वरिश्ठ प्र ाासक खो दिया है। मैं अपनी तरफ से और अपने दल की तरफ से दिवंगत आत्मा की भार्ांति के लिए परम पिता परमात्मा से प्रार्थना करता हूं कि परमे वर उनको अपने चरणों में स्थान दे। मैं अपनी तरफ से और अपने दल की तरफ से उनके भाोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना प्रकट करता हूं।

Mr. Speaker: Hon'ble Members, the leaders of the different parties have expressed their about the daparted personality. I also associate myself witht their feelings. श्री बी0 गोपाल रेड्डी का 8 मार्च, 1997 को यानि दो या तीन दिन पहले ही दु:खद निधन हुआ है। प्रकृति का नियम है कि जो इस संसार में आता है उसको एक दिन जाना ही है। श्री रेड्डी उन महान व्यक्तियों की श्रृंखला में से थे जिन्होंने अपना सारा जीवन दे ा को आजाद कराने के लिए लगाया। श्री रेड्डी प्रारम्भिक दिनों से ही स्वतंत्रता संग्राम से जुडे रहे चाहे वह नान कोआप्रे ान मूवमैंट थी, चाहे नमक सत्याग्रह था और चाहे भारत छोडो आन्दोलन था। उन्होंने सभी में बढ चढ कर भाग लिया। वे विधान सभा के सदस्य

रहे, राज्य सभा के सदस्य रहे और 1962 में वे लोक सभा के सदस्य भी रहे और उन्होंने केन्द्रीय मंत्री के पद को भी सु ाोभित किया। वे उत्तर प्रदे ा के राज्यपाल भी रहे। उन्होंने प्रत्येक पद पर रहते हुए उस पद की गरिमा के अनुसार दे ा और दे ा के लोगों की सेवा की। ऐसे महान पुरूश की सेवाओं से दे ा ऋणि है जिनकी वजह से आज हमें स्वतंत्र भारत में जीने का अवसर मिला। उनके निधन से दे ा एक स्वतंत्रता सेनानी, योग्य प्र ाासक और अनुभवी सांसद की सेवाओं से वंचित हो गया है। मैं अपनी तरफ से दिवंगत आत्मा के प्रति अपनी हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं और भाोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी संवेदना प्रकट करता हूं। मैं परम पिता परमात्मा से प्रार्थना करता हूं कि परमे वर ऐसे महान पुरूश को अपने चरणों में स्थान दे।

I will convey the sympathies of this House to the bereaved family. Now, I will request the Hon'ble Members, to observe two minutes silence.

(At this stage The House stood in silence for two minutes as a mark of respect to the memory of the departed soul.)

तारांकित प्र न एवं उत्तर

Draiage System in Uledpur Village

***197. Sh. Dev Raj Diwan:** Will the Chief Minister be pleased to state-

(a) whether it is a fact that the rainy water of Mahra drain falls in the pond of Uledpur village, District Sonepat, due to which water accumulated every year in the rainy season in the said village in the absence of proper drainage system. and

(b) if so, the steps taken or proposed to be taken to provide the proper drainage system so that water may not accumulate in the above said village in future ?

Chief Minister (Sh. Bansi Lal):

(a) Yes, Sir.

(b) There is a proposal to extend Mahra drain to drain out the flood water from the abadi of village Uledpur, this scheme costing Rs. 13.46 lac has already been approved for execution by Haryana State Flood Control Board subject to availability of funds.

श्री देवराज दीवानः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से जानना चाहूंगा कि यह काम कब तक पूरा हो जाएगा ?

श्री बंसी लालः उम्मीद है कि अगली मौनसून से पहले यह काम पूरा हो जाएगा।

Sewerage System of Charkhi Dadri

***218. Sh. Sat Pal Sangwan:** Will the Minister for Public Health be pleased to state-

(a) whether it is fact that the Sewerage system of Charkhi Dadri has been damaged due to floods in the years 1995; and

(b) if so, the time by which it is likely to be repaired ?

जन स्वास्थ्य मंत्री (श्री जगन्नाथ):

(क) सीवरेज को कोई क्षति नहीं हुई थी लेकिन डिस्पोजल वर्कस के पानी में डूब जाने की वजह से पम्पिंग म ाीनरी का कुछ भाग क्षति ग्रस्त हो गया था।

(ख) क्षति हुए काम की मरम्मत का कार्य पूरा किया जा चुका है।

श्री सतपाल सांगवान: अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से जानना चाहूंगा कि चरखी दादरी का सीवरेज बन्द पडा है वह कब तक बनकर पूरा हो जाएगा ?

श्री जगन्नाथ: सर, यह कुल 2400 मीटर डैमेज हुआ था। 2100 मीटर पर हम काम पूरा कर चुके हैं, बाकी 300 मीटर पर काम पूरा होना रहता है। यह भी 23 जून तक पूरा हो जाएगा। दूसरे मैं इनकी जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि रोहतक रोड की तरफ जो ड्रेन है उसका काम भी जून तक हो जाएगा और इसको भी मेन सिस्टम में डाल दिया जाएगा। उसके अलावा जितनी दूसरी स्कीमों पर काम चल रहा है उन सबको मेन सिस्टम

के साथ मिला दिया जाएगा। बाकी जो ये कोई वि ोश बताएंगे तो उनको भी भाामिल कर लिया जायेगा।

श्री अध्यक्षः दादरी में 1995 में काफी बाढ आई थी जिस कारण सारा सिस्टम सीवरेज का रूक गया था। वहां पर 1993 से 1995 तक कोई कार्यवाही नहीं हुई। क्या आप बता पाएंगे कि कौन कौन अधिकारी थे जिनके कारण यह तबाही हुई जिस कारण सारा इलाका बाढ के चपेट में आ गया था ? मैं जानना चाहूंगा कि क्या उन अधिकारियों के प्रति कोई कार्यवाही करने की आप सोच रहे हैं ?

श्री जगन्नाथः 1995 में जब वहां पर बाढ आई थी तो उस वक्त वहां पर काम करने के लिए 1 करोड 86 लाख 50 हजार रूपये अलाट किए गये थे। जहां तक यह बात है कि कौन कौन वहां पर ठेकेदार थे, उसके लिए अलग से नोटिस आएगा तो उसका जवाब दिया जाएगा। कोई वि ोश बात हो तो लिख कर विधायक महोदय बताएं, उनके खिलाफ इन्क्वायरी कर सकते हैं। इस सरकार ने आने के बाद इस दि ाा में युद्ध स्तर पर कार्य भाुरू किया हुआ है और जून तक सारा काम पूरा हो जायेगा।

Science & Technology Park at Ambala Cantt.

***271. Sh. Anil Vij:** Will the Minister for Science & Technology be pleased to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Govt. to set up a Science & Technology Park at Ambala Cantt; and

(b) if so, the time by which the aforesaid Park is likely to be set up ?

आवास मंत्री (श्री नारायण सिंह):

(क) जी नहीं।

(ख) प्र न उत्पन्न नहीं होता।

श्री अनिल विज: अध्यक्ष महोदय, 15 मार्च 1991 को इसी महान सदन में मेरे इसी प्र न के उत्तर में उस वक्त के माननीय मुख्य मंत्री जी ने इस प्र न का उत्तर हां में दिया था। उन्होंने यह भी बताया था कि इस परियोजना पर 1 करोड 62 लाख 50 हजार रूपया खर्च किया जाएगा और लगभग 10 एकड क्षेत्र में अम्बाला छावनी में यह योजना बनाई जाएगी। स्पीकर सर, मैं मानता हूं कि इस साल से पीछे 5 साल जो राज रहा उसके बारे में सभी को स्थिति का पता है कि किस प्रकार का राज रहा है। मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री महोदय से जानना चाहूंगा कि यह केन्द्रीय सपोन्सर्ड योजना 1991 की हां आज की न में कैसे बदल गई ? क्या अधिकारियों ने समय पर योजना बना कर प्रस्तुत नहीं की और प्रौजैक्ट रिपोर्ट ठीक समय पर नहीं आई, अथवा राजनीतिक कारणों से इस क्षेत्र को इस योजना से महरूम

रखा गया है ? क्या ये सभी बातें जानने के लिए मंत्री महोदय इस सारे मामले की जांच करवाएंगे ? (विघ्न एवं भाोर)

श्री मनी राम: कन्संर्ड मंत्री रिप्लाइ देने के लिए खडे हुए हैं, उन्हें जवाब देने दें। (विघ्न)

कृशि मंत्री (श्री कर्ण सिंह दलाल): अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय साथी को बताना चाहूंगा कि पार्लियामैंट्री अफेयर्ज मंत्री किसी भी सवाल का जवाब दे सकता है। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष: मनी राम जी, आप तो मंत्री कभी रहे नहीं हैं भाायद इसी कारण आपको जानकारी नहीं है कि कोई भी मंत्री रिप्लाई दे सकता है। (विघ्न)

श्री कर्ण सिंह दलाल: अध्यक्ष महोदय, माननीय साथी श्री अनिल विज जी ने सवाल पूछा है उसका जवाब पूरे तथ्यों के साथ मंत्री जी ने सदन के पटल पर रखा है। अध्यक्ष महोदय, उन्होंने सवाल किया है कि जब पहली बार उन्होंने यह सवाल किया था तो इसका जवाब हां में था यानी उस वक्त की सरकार ने इनके सवाल के जवाब में "हां" कहा था। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय साथी को बताना चाहता हूं कि यह सवाल ऐ योरैंसिज कमेटी में गया था जहां पर उस कमेटी ने सारे तथ्यों का अवलोकन किया। इस स्कीम के तहत एक करोड रूपये के पार्क की जो स्थापना होनी चाहिए वह इंजीनियरिंग

कॉलिज में ही हो सकती है। यह 8वीं पंच वर्शीय योजना का विशय था और राज्य सरकार ने बार बार केन्द्र सरकार को लिखा कि केन्द्र सरकार इस स्कीम के लिए पैसा दे। केन्द्र सरकार ने जो पैसा देना था वह उसने बार बार लिखने के बावजूद भी नहीं दिया और ए योरैंसिज़ कमेटी ने इस ऐ योरैंस को ड्रॉप कर दिया। अध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही मैं माननीय साथी को बताना चाहूंगा कि इस समय इस प्रकार की कोई योजना सरकार के विचाराधीन नहीं है।

Allotment of Bus Route Permits by Rajasthan

***281. Sh. Dhir Pal Singh:** Will the Minister for Transport be pleased to state-

(a) whether the State Transport Authority Rajasthan has issued any permit to Private Bus Owners for plying buses from Pilani to Chandigar; and

(b) if so, the details thereof ?

परिवहन मंत्री (श्री कृश्ण पाल गुर्जर):

(क) जी हां।

(ख) अनुबन्ध "क" में दी गई विस्तृत विवरणी सदन के पटल पर प्रस्तुत है।

अनुबन्ध "क"

निजि बस मालिकों को पिलानी से चण्डीगढ तक के रूट राज्य परिवहन प्राधीकरण, जयपुर (राजस्थान) द्वारा जारी किए गए परमिटों का विवरण :–

क्र0	परमिट धारक का नाम	परमिट क्रमांक	परमिट की अवधि	वाहन क्रमांक
	सर्व श्री			
1	रविन्द्र सिंह सुपुत्र जय पाल	3005	26.2. 2001	आर0जे0–14पी–4350
2	रघुबीर सिंह सुपुत्र सुखदेव सिंह	3004	26.2. 2001	आर0जे0–11पी–4831
3	सतबीर सिंह सुपुत्र हरदयाल	3020	28.2. 2001	आर0जे0–14पी–3707
4	अर्जुन सिंह सुपुत्र हरदेवा	3098	1.4. 2001	आर0जे0–02पी–0399
5	बलबीर सिंह सुपुत्र बैनी प्रसाद	3028	7.3. 2001	आर0जे0–10पी–0427
6	मै0 कृश्णा मोटरर्ज	3081	28.3.	आर0जे0–14पी–0740

	सर्विसर्ज, जैनपुर		2001	
7	यथोपरि	3082	28.3. 2001	आर0जे0–18पी–0535
8	राम कुमार सुपुत्र भी ाराम	3209	31.5. 2001	डी0एल0–1पी0–0136
9	यथोपरी	3301	1.8. 2001	डी0एल0–1पी0–6063
10	बलदेव सिंह सुपुत्र श्री मांगे राम	3361	9.7. 2001	आर0जे0–14पी–5408
11	राजेन्द्र सिंह सुपुत्र क मीर सिंह	3697	6.8. 2001	डी0एल0–1पी0–1970
12	सुभाश चन्द सुपुत्र पंजाब सिंह	3698	6.8. 2001	डी0एल0–1पी0–6688
13	जीतेन्द्र सिंह सुपुत्र रिछपाल सिंह	3321	7.7. 2001	डी0एल0–1पी0–3328
14	रमे ा कुमार सुपुत्र दया सिंह	3365	9.7. 2001	डी0एल0–1पी0–1613
15	जय सिंह सुपुत्र इन्द्र	3728	22.8.	डी0एल0–1पी0–5938

	सिंह		2001	
16	धर्मपाल सुपुत्र दरया सिंह	3503	17.7. 2001	डी0पी0पी0—0382
17	कुलजीत सिंह सुपुत्र सूरत सिंह	3320	7.7. 2001	डी0एल0—1पी0—4162
18	गुरमीत सिंह सुपुत्र उजागर सिंह	3651	29.7. 2001	पी0बी0—13—1040
19	रितेन्द्र सिंह सुपुत्र भांकर सिंह	3117	14.4. 2001	आर0जे0—14पी—5167
20	राम कुमार सुपुत्र हरि सिंह	3270	24.6. 2001	डी0एल0—1पी0—2706
21	श्रीमति संतोश देसवी पत्नी राम कुमार	3269	24.6. 2001	डी0एल0—1पी0—5585
22	महेन्द्र सिंह सुपुत्र भी ा राम	3295	30.6. 2001	डी0एल0—1पी0—0821
23	राम कुमार सुपुत्र दरिया सिंह		14.7. 2001	डी0एल0—1पी0—0551

24	दीपक दहिया सुपुत्र धर्मपाल	3068	25.3. 2001	आर0जे0–14पी–5031
25	सती ा यादव सुपुत्र होि ायार सिंह	3650	29.7. 2001	आर0जे0–14पी–5358
26	श्रीमती सुनीता देवी पत्नी राजेन्द्र	3632	2.7. 2001	डी0एल0–1पी0–6366
27	श्रीमति संगीता देवी पत्नी राजकुमार	3282	28.6. 2001	डी0एल0–1पी0–7069
28	रमे ा कुमार सुपुत्र हंसराज	3874	25.9. 2001	पी0ए0बी0–7075
29	हरमिन्द्र सिंह सुपुत्र करनैल सिंह, जयपुर	3875	25.9. 2001	पी0बी0–10–9711

श्री धीरपाल सिंहः स्पीकर सर, मेरे प्र न का जो लिखित उत्तर आया है उसको देखने के बाद मुझे यह अहसास हुआ है कि सरकारें जाती हैं तो यह रूटों का सिलसिला भी उधर से इधर या इधर से उधर चला जाता है। माननीय मुख्य मंत्री जी जब विरोधी पक्ष में थे तो चौधरी भजन लाल जी ने चौधरी ओम प्रका ा चौटाला साहब पर इसी सदन में लाखों की टैक्स चोरी के आरोप लगाए थे। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः धीरपाल जी, आप प्र न पूछें, स्पीच मत दें।

श्री धीरपाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैं प्र न ही पूछ रहा हूं। मेरे प्र न के उत्तर में इन्होंने 29 परमिट देने की बात कही है। यह जो गाडियां हैं जिनको परमिट दिए गये हैं इनमें से काफी गाडियां दिल्ली की हैं और कुछ राजस्थान की हैं। ये जो दिल्ली के नम्बर वाली गाडियां हैं यह उन्होंने कांट्रैक्ट बेसिज पर ली होंगी। इन गाडियों का जो दिल्ली की हैं, कितना टैक्स बनता है ? इसके साथ मंत्री जी यह बताएं कि इन 29 गाडियों में से कितनी गाडियां चण्डीगढ आ रही हैं ? ये आ भी रही हैं या इनमें से कुछ ने रूट ड्राप कर लिए हैं। अध्यक्ष महोदय, कुछ परमिट धारक रोहतक से पानीपत तक चलते हैं और कुछ भिवानी तक जाते हैं। वे वहीं पर चलते हैं जहां पर उनको ज्यादा सवारियां मिल जाती हैं। अब तो उनहोंने नया रास्ता बना लिया है और वे दिल्ली जाने लगे हैं। मंत्री जी मेरी इस बात का जवाब दे दें। इसके बाद अध्यक्ष महोदय, अगर आपकी इजाजत होगी तो मैं दूसरी सप्लीमैंटरी भी पूछ लूंगा।

श्री कृश्ण पाल गुर्जरः अध्यक्ष महोदय, धीरपाल सिंह जी ने सवाल किया है उसके जवाब में मैं यह कहना चाहूंगा कि 1968 में राजस्थान और हरियाणा के बीच में एक इकरारनामा हुआ था। उसके अनुसार हरियाणा की 15 हजार 908 किलोमीटर और राजस्थान की 15 हजार 979 किलोमीटर तक बसें चलती थीं और

उसको लागू कर दिया गया। इसके बाद एक और इकरारनाम 1988 में किया गया लेकिन वह लागू नहीं हुआ। इसके अलावा 1986 में एक एग्रीमैंट हुआ था जिसको राजस्थान न्यायालय ने रदद कर दिया था। समय समय पर इसको लागू करने के प्रयत्न किए गए लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। इस मामले में उनसे बातचीत भी की गई। इसके अलावा जो 29 परमिट चालू किए गए हैं वे हमने सदन के पटल पर रख दिए हैं। लेकिन इसके बाद हमारे रिकार्ड के हिसाब से 29 परमिट धारकों ने काउंटर साइन के लिए अपील की जिसको हमने नामंजूर कर दिया और नामंजूर करने के बाद वे पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय में चले गए। कोर्ट ने आदे ा दिया कि इनकी सुनवाई करके इनका फैसला किया जाए। उसके बाद विभिन्न मामलों में से सीरियल नं0 1 से लेकर 5 तक धारकों ने अपना नाम वापिस ले लिया जिस वजह से उनका केस खारिज हो गया। उसके बाद सीरियल नं0 6 से 14 तक धारकों ने काउंटर साईन करने की प्रार्थना की और स्पीकिंग आर्डर करके रद्द कर दिया। सीरियल नं0 15 से लेकर 18 तक जो चार धारक हैं, उनके लिए पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने आदे ा दिया कि जो काउंटर साईन किए जाएं उनको रूट दिए जाएं। इसके लिए हमारा सुप्रीम कोर्ट में रिव्यू पैटी ान करने का मामला विचाराधीन है। इसके अलावा 19 नं0 से लेकर 23 नं0 तक परमिट धारक आर0टी0ए0 रोहतक के यहां सुनवाई के दौरान हाजिर नहीं हुए। अभी उनका मामला सुनवाई के लिए ट्रांसपोर्ट कमि नर के सामने विचाराधीन है। इसी तरह से 24 नं0 वाले

परमिट धारक ने अभी तक सचिव, आर0टी0ओ0 के यहां काउंटर साईन के लिए प्रार्थना नहीं की है। इसके अलावा 25 नं0 से 29 नं0 तक के परमिट धारकों के बारे में निजी सुनवाई के बाद कोई निर्णय लिया जाएगा। जहां तक इन बसों के चलने की बात है तो हमने इनके परमिट रदद कर दिए हैं और समय समय पर अगर कोई भी इस तरह की गाडी पकडी जाती है तो उसका चालान कर दिया जाता है।

श्री बीरेन्द्र सिंहः स्पीकर सर, मंत्री जी ने कहा कि इन्होंने इनके परमिट रदद कर दिए हैं लेकिन उनको तो परमिट राजस्थान सरकार ने दिए थे। मैं मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि अगर इन्होंने उनके परमिट रदद कर भी दिए जैसा इन्हौंने कहा जो गाडी आती है हम उनका चालान भी कर देते हैं इसका मतलब गाडियां इधर आ रही हैं और उन्हीं परमिट पर आ रही हैं।

जन स्वास्थ्य मंत्री (श्री जगन्नाथ): स्पीकर सर, ऐसा है कि एक स्टेट से दूसरी स्टेट में बसिज चलाने के लिए जो परमिट दिए जाते हैं। वह 1988 के मोटर व्हीकल्ज ऐक्ट के ऐग्रीमैंट के मुताबिक ही दिए जाते हैं। इस एग्रीमैंट में यह है कि जब तक इस प्रकार के परमिट पर दोनों स्टेटस के काउंटर साइन न हों तब तक उनको वैद्य नहीं माना जाता। राजस्थान सरकार ने तो 19 परमिट दे दिए लेकिन हरियाणा सरकार ने एक भी परमिट पर काउंटर साइन नहीं किए और जब तक हरियाणा सरकार उन पर

काउंटर साईन नहीं कर देती तब तक उनको वैद्य नहीं माना जा सकता।

श्री धीरपाल सिंहः स्पीकर सर, मैं आपके द्वारा यह जानना चाह रहा था जैसा हमारे परिवहन मंत्री जी ने बताया और उनके सहयोगी दूसरे मंत्री जी ने उनको सपोर्ट करने की कोि ा ा की है। मंत्री जी ने अपने उत्तर में बताया है कि 1968 और 1986 में हरियाणा पथ परिवहन और राजस्थान पथ परिवहन में कोई ऐग्रीमैंट हुआ था और उसमें कोई अवधि निर्धारित की गयी थी। सर, ये जो परमिट जारी हुए थे तो इनके लिए हरियाणा पथ परिवहन ने अपनी कोई सहमति व्यक्त नहीं की थी। लेकिन उसके बावजूद श्री जगन्नाथ जी ने, जो मेरे से बहुत ही सीनियर हैं, उन्होंने मंत्री जी का पक्ष लिया। अब मैं उन्हीं से जानना चाहूंगा कि अगर हरियाणा सरकार ने इन परमिटस पर काउंटर साईन नहीं किए तो जो हरियाणा में पानीपत, रोहतक और भिवानी के डिपोज हैं और जो वहां पर काउंटर साईन सैंटर बने हुए हैं तो उनको प्रयोग किस अथोरिटी के तहत किया गया ?

श्री जगन्नाथः स्पीकर सर, हमारी तरफ से ऐसे कोई भी परमिटस जारी नहीं हुए हैं। अगर कोई चोरी छिपे गाडी अधर आती हो तो दूसरी बात है लेकिन कोई कम्पलेंट इस बारे में होती है तो समय समय पर ट्रांसपोर्ट विभाग के इंसपैक्टर्ज या दूसरे ओफिसर्ज द्वारा इनकी चैकिंग की जाती है। हमने इनको परमिटस नहीं दे रखे हैं।

श्री धीरपाल सिंहः स्पीकर सर, अगर आपकी इजाजत हो तो मैं मंत्री जी से केवल इतना ही पूछ लेता हूं कि इन्होंने ऐसी गाडियों के कितने चालान अब तक किए हैं जो बिना परमिटस के हरियाणा में आती हैं ?

श्री अध्यक्षः अब अगला सवाल होगा।

श्री धीरपाल सिंहः स्पीकर सर, मंत्री जी मेरे सवाल का रिप्लाई देने लग रहे हैं बाकी आपकी मर्जी।

श्री अध्यक्षः अब मैंने अगला सवाल पूछने के लिए कह दिया है। इसलिए आप बैठें।

Repair of Roads

***253. Sh. Nafe Singh Jundla:** Will the Minister for P.W.D. (B&R) be pleased to state-whether there is any proposal under consideration of the Govt. to repair the following roads in district Karnal:-

(i) Nissing to Sambhli;

(ii) Nissing to Gondar;

(iii) Nissing to Racher;

(iv) Karnal to Kheri-Naru; and

(v) Jundla to Jani ?

लोक निर्माण मंत्री (श्री धर्मबीर यादव): हां, श्रीमान जी, जरूरी मरम्मत जैसे गडडो को भरना, पैच लगाने का कार्य कर

दिया है। मरम्मत का भोश काम 30.6.97 तक धन की उपलब्धि के अनुसार पूरा कर दिया जाएगा।

श्री नफे सिंह जुंडला: अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से जानना चाहूंगा कि मेरे हल्के की सडकें निसिंग से सांभली, निसिंग से गोंदर, निसिंग से डाचर, करनाल से खेडी नरू व जुण्डला से जाणी हैं। इनके बारे में मेरे पास लिखित रूप में जवाब आया है कि इन गडडों को भरने व पैच लगाने का काम कर दिया गया है। मैं माननीय मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि इनमें से कौन कौन सी सडकों के गडडे भर दिए गए हैं व पैंच लगा दिए गए हैं। इन्होंने जवाब में यह भी कहा है कि मरम्मत का भोश काम 30.6.97 तक धन की उपलब्धता के आधार पर पूरा कर दिया जाएगा। अध्यक्ष महोदय, मेरे हल्के की इन सडकों से मैं हर रोज गुजरता हूं। ये सडकें बुरी तरह से टूटी फूटी पडी हैं। उन पर से आदमी गुजर नहीं सकता है जो गुजरता है उसे फैसला करने में दिक्कत आती है कि कौन से गडडे में गिरूं। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: आप सवाल पूछिए।

श्री नफे सिंह जुंडला: अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी को बताना चाहूंगा कि इन सडकों पर जो गडडे पडे हैं वे भरे नहीं गए हैं और जानना चाहूंगा कि ये कब तक भर दिए जाएंगे ?

श्री धर्मबीर यादवः अध्यक्ष महोदय, पैच वर्क करीब करीब हो चुका है। सडकों पर जो कारपैटिंग का काम होता है, वह गर्मियौं के मौसम में किया जाता है और 30 जून तक यह काम पूरा हो जाएगा।

श्री रामपाल माजराः अध्यक्ष महोदय, जैसा कि अभी भी मंत्री जी ने जवाब दिया है कि पैच वर्क का काम पूरा कर दिया गया है तो जो सडकें इसमें मैं ान की गई हैं, उन पर कितना खर्च किया गया है ?

श्री धर्मबीर यादवः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य से अनुरोध करूंगा कि वे इस बारे में सैपरेट क्वै चन पूछ लें।

श्री मनी रामः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से पूछना चाहूंगा कि मंडी डबवाली से दूसे जोधां वाया कालांवाली, मंडी तक सडक की हालत बहुत खस्ता है। उसकी कोई रिपेयर नहीं हुई है मैं मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि क्या ऊपर वर्णित सडक की मरम्मत कराने का कोई प्रस्ताव विचाराधीन है ? (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः इस क्वै चन से इस सप्लीमैंट्री का कोई ताल्लुक नहीं है, आप इसके लिए अलग से क्वै ाचन दें। (ाोर एवं व्यवधान)

Widening of the Ladwa-Shahabad Road

***286. Sh. Banta Ram Balmiki:** Will the Minister for P.W.D. (B&R) be pleased to state-whether it is a fact that the work of widening the road from Ladwa to Shahabad via Babain has been stopped; if so, the reasons thereof, togetherwith the time by which the said work is likely to be started/completed ?

लोक निर्माण मंत्री (श्री धर्मबीर यादव): अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय साथी को बताना चाहता हूं कि इस रोड की वाईडनिंग का काम और पैच वर्क पूरा हो चुका है। इसकी कारपैंटिग का काम गर्मियों में होता है वह अगले महीने से भुरू हो जाएगा तथा 30 जून तक काम हर हालत में पूरा हो जायेगा।

श्री बन्ता राम बाल्मिकी: अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि उमरी से इन्द्री और भााहबाद से लाडवा की सडक कब तक बन जायेगी क्योंकि यहां पर एक भूगर मिल है जिसमें किसानों का आना जाना लगा रहता है। सडक तंग होने के कारण किसानों की आपस में लडाई हो जाती है, लटठ तक चल जाते हैं। स्पीकर सर, जैसा कि मंत्री जी ने बताया कि काम पूरा हो चुका है। वहां पर काम बिल्कुल नहीं हुआ है। चुनावों के दौरान मुख्य मंत्री जी जब वहां गये थे तो लोगों ने मुख्य मंत्री जी से यह प्रार्थना की थी कि इस सडक को बनाया जाये। तो मुख्य मंत्री जी ने किसानों को पूरा आ वासन दिया था कि यह सडक जरूर बनाएंगे। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, मैं

आपके माध्यम से मंत्री महोदय से यह कलीयर पूछना चाहता हूं कि यह काम कब तक कम्पलीट हो जाएगा ?

मुख्य मंत्री (श्री बंसी लाल): अध्यक्ष महोदय, जहां तक मेरे कहने का सवाल है वहां पर सडक जो बनी हुई है वह मेरे द्वारा ही बनवाई गई थी। दूसरी बात यह है कि यह सडक एक महत्वपूर्ण सडक है लेकिन चुनावों के दौरान मेरे सामने इस सडक का कोई मामला नहीं आया। वैसे जैसे ही हमारे पास फण्डज अवेलेबल होंगे, हम वहां पर सडकी की वाईडनिंग जरूर करवाएंगें क्योंकि वहां पर एक भाूगर मिल है। लाडवा, भााहबाद और बबैन के बीच यह एक महत्वपूर्ण सडक है।

Primary Health Centres at Mokhra and Behlamba

***295. Sh. Balbir Singh:** Will the Minister for Health be pleased to state-the time by which the primary Health Centre, Mokhra and Behlamba village of Meham Constituency will start functioning ?

स्वास्थ्य मंत्री (श्री ओम प्रका ा महाजन): मोखरा तथा बलम्बा में पहले ही प्राथमिक स्वास्थय केन्द्र कार्यरत हैं।

श्री बलबीर सिंह: अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि ये इस बारे में पहले भी तीन बार कह चुके हैं लेकिन वहां पर बिल्डिंग अभी तक नहीं बन पाई है। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः आप सवाल पूछिए।

श्री बलबीर सिंहः अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी यह बताएं कि वहां पर स्टाफ कब तक पूरा कर दिया जाएगा ?

श्री ओम प्रका ा महाजनः अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय सदस्य को बताना चाहता हूं कि वहां पर जल्दी ही बिल्डिंग बन कर तैयार हो जाएगी और 5.3.97 से वहां पर काम भाुरू हो गया है। जहा ंतक स्टाफ का सवाल है 14 का स्टाफ है और 14 में से दो की कमी है वह जल्दी ही पूरी कर दी जाएगी।

श्री बलबीर सिंहः अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी कह रहे हैं कि काम चालू हो जाएगा लेकिन वहां पर तो एक नर्स तक भी नहीं है।

श्री ओम प्रका ा महाजनः अध्यक्ष महोदय, यह जो आरोप हैं, यह बिल्कुल बेबुनियाद हैं। वहां पर 14 के स्टाफ में सिर्फ दो की एक डाक्टर की ओर एक लैबोरेटरी टैक्नीि ायन की कमी है, बाकी का सारा स्टाफ वहां पर मौजूद है।

श्री नफे सिंह जुंडलाः अध्यक्ष महोदय, मेरे हल्का जुंडला के गांव जलमाना में आज से लगभग डेढ साल पहले पी0एच0सी0 की बिल्डिंग बनकर तैयार हो गयी थी।

श्री अध्यक्षः इस सवाल का इससे कोई संबंध नहीं है।

श्री नरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, मेरे हलका अटेली में जितनी भी पी0एच0सीज0 हैं उनमें कोई भी लेडी डाक्टर नियुक्त नहीं है। इसलिए गांव के लोगों की सुविधाओं के लिए मेरे हल्के में जितनी भी पी0एच0सीज0 हैं वहां पर लेडी डाक्टरों को लगाया जाने का मेरा अनुरोध है।

श्री अध्यक्षः मेरी माननीय सदस्य से प्रार्थना है कि इसके लिए वे अलग से प्र न दे दें।

श्री धीरपाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से लायक मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि उन्होंने अभी हाउस में यह कहा है कि 5.3.97 से पी0एच0सी0 मोखरा में कार्य भुरू हो गया है। मंत्री जी कृपया बताएं कि क्या वहां पर एक्स रे म ाीन है, वहां पर कितनी दवाईयों का प्रबन्ध किया गया है और कितने बिस्तरों का प्रबन्ध किया गया है ?

श्री ओम प्रका ा महाजनः अध्यक्ष महोदय, जो प्र न लगा है, उसमें यह बात नहीं पूछी गई है। वैसे तो पी0एच0सी0 मोखरा में कार्य भुरू हो गया है। लेकिन जैसे कि इन्होंनै एक्स रे म ाीन व दवाईयों तथा बिस्तरों के बारे में बात पूछी है, इसके बारे में मैं पता करके इनको बता दूंगा।

श्री जसविन्द्र सिंह संधुः अध्यक्ष महोदय, मैं यह जानना चाहता हूं कि पी0एच0सी0 स्थापित करने का क्या क्राइटेरिया है अर्थात किन किन गांवों में पी0एच0सी0 लग सकती है ?

श्री ओम प्रका ा महाजनः अध्यक्ष महोदय, जहां पर 30 हजार की जनसंख्या हो तथा 17 गांव उसके साथ लगते हों, वहां पर पी0एच0सी0 खोली जा सकती है।

श्री बीरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य श्री बलबीर सिंह जी का मंत्री जी से पूछने का यह मतलब था कि जो स्टाफ या डाक्टर वहां पर हैं, वे कहीं रोहतक तो नहीं रहते हैं, वहां जाकर तो नहीं सोते हैं ? (हंसी)

Incidents of Bomb Blasts in the State

***307. Sh. Mani Ram:** Will the Minister for Home be pleased to state-

(a) the number of incidents of bomb blasts that occurred in trains, buses and other places in the State during the period April, 1996 to February, 1997;

(b) the total number of persons who died in the aforesaid incidents;

(c) the amount of compensation, if any, given by the Govt. in each case to the families of the deceased persons; and

(d) whether the persons involved in the incidents as referred to in part (a) above have been arrested; if so, the details thereof ?

Home Minister (Sh. Mani Ram Godara):

(a) Six incidents of explosions took place during the period from April, 1996 to February, 1997 out of which one

occured in Jhelum Express train on 2-12-96 at Ambala Cantt. Railway Station, two at Sonepat on 28-12-96, two at Rohtak on 22-1-97 and one at Panipat Bus Stand in a Bus on 1-2-1997.

(b) Eleven persons have died 10 in explosion in Jhelum Express train and one in explosion at Panipat Bus Stand.

(c) State Govt. have announced an aid of Rs. 50000 each to next kin of all the ten deceased in Jhelum Express train blast. Rs. 50000 has also been paid to the family of deceased boy in Panipat Bus Stand explosion.

(d) One accused Umar Mohmad has been arrested on 27-2-1997 in Jhelum Express blast case. He is being interrogated and vital clues relating to the other persons involved in this case are also expected. Efforts are also being made to arrest the culprits in other cases of explosions.

श्री मनी रामः स्पीकर साहब, माननीय मंत्री जी ने अपने जवाब में बताया है कि अप्रैल 1996 से फरवरी 1997 के दौरान बम विस्फोट की 6 जगह घटनाएं हुई हैं। मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि ये जो 6 घटनाएं घटीं इनके बारे में आपकी ऐजेंसी क्या करती रही क्या ऐजेंसी ने इन घटनाओं के बारे में सरकार को कोई सूचना दी ? मंत्री जी ने सवाल के जवाब में बताया है कि जेहलम एक्सप्रैस बम विस्फोट से संबंधित एक अपराधी उमर मोहम्मद को गिरफ्तार किया है। उस व्यक्ति के बारे में यह क्या पता कि वह असली अपराधी है भी या नहीं। गवर्नर

एड्रैस में भी कानून व्यवस्था के बारे में जिक्र किया गया है लेकिन इन घटनाओं से सरकार की इनएफि ाएंसी का पता लगता है।

श्री अध्यक्षः मनी राम जी आप अपना सवाल पूछिए स्पीच न दें।

श्री मनी रामः स्पीकर साहब, मैं सवाल ही पूछ रहा हूं। स्पीकर साहब, अम्बाला छावनी रेलवे स्टे ान पर जेहलम एक्सप्रैस रेलगाडी में 2.12.96 को बम विस्फोट हुआ और 28.12.96 को सोनीपत में बम विस्फोट हुआ और आज चार महीने हो गये इन घटनाओं के किसी अपराधी को नहीं पकडा गया है।

श्री अध्यक्षः मनी राम जी आप अपनी सप्लीमैंटरी पूछें इस तरह से स्पीच न दें।

श्री मनी रामः स्पीकर साहब, मैं मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि इन घटनाओं में संलिप्त सभी अपराधियों को पकडने में सरकार कब तक सफल हो जाएगी ?

श्री मनीराम गोदाराः स्पीकर साहब, माननीय सदस्य श्री मनीराम जी ने एक बात तो यह पूछी है कि अब तक उन घटनाओं में संलिप्त कितने अपराधी पकडे गये। इस बात का उन्होंने खुद ही जवाब दे दिया कि अब तक जेहलम एक्सप्रैस रेलगाडी के बम विस्फोट में जो अपराधी संलिप्त था, वह पकडा गया है। स्पीकर साहब, तपती ा के दौरान यह जाहिर हुआ है कि वह अपराधी आई0एस0आई0 का ऐजेन्ट है। उसकी तपती ा के बारे में ऐसी

बहुत सी बातें हैं जिनकी बाबत आज आपकेक सामने नहीं बताया जा सकता कि कौन सी कितनी और किस ढंग की इन्क्वायरी चल रही है। पानीपत बस स्टैंड पर जो बम फटा उसके बारे में तपती ा की गई। उसमें यह मिला कि इन घटनाओं में जो आदमी इन्वाल्व हो सकते हैं उस बारे में पुलिस ने खास तौर से तपती ा की और यह पाया कि जिन आदमियों की पहचान हुई उन आदमियों की बाबत भी भाक किया जा सकता है। वे लोग इस तरह से एक सैनसे ान क्रिएट करने के मामले के अन्दर कई जगह इन्वाल्व हैं। उनकी गिरफ्तारी की बाबत पुलिस ने यू0पी0 के अन्दर छापा मारा। छापे के दौरान पुलिस को यह पता लगा कि इस टाईप के बम वहां पर फटे हैं और वहां पर बम फटने का मिलाप सा इन दोनों बमों के साथ हुआ है। इसलिये उसका अन्दाजा लगा करके पुलिस तपती ा में लगी हुई है। सोनीपत और रोहतक में जो बम फटे हैं उनके बारे में अभी तक कोई खास पता नहीं लगा है क्योंकि वे हाईली एक्सपलोसिव बम नहीं थे। हो सकता है कि छोटे छोटे क्रिमिनल्ज ने सैनसे ान क्रिएट करने के लिये वहां पर वे बम छोड दिए हों और उनसे कोई खास नुक्सान नहीं हुआ।

श्री मनीरामः स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि भविश्य में ऐसी घटनाएं न घटें इस बारे में सरकार ने क्या कारगर कदम उठाए हैं। पानीपत में उस घटना में जो एक व्यक्ति की मृत्यु हुई उसके परिवार वालों को 50

हजार रूपये दे दिये। दूसरी जगहों पर बम विस्फोटों में जो लोग मारे गये उनको यह रा ि ा दी गई है या नहीं, अगर नहीं दी गई है तो कब तक दे दी जायेगी ?

श्री मनी राम गोदाराः स्पीकर साहब, माननीय सदस्य मनी राम जी ने रा ि ा देने के बारे में सवाल पूछा है। मैं उनको बताना चाहूंगा कि सरकार ने यह अनाउंस किया हुआ है कि ऐसी घटनाओं में करने वाले हर व्यक्ति को 50 हजार रूपये दिये जाएंगे। जेहलम ट्रेन में मरने वाले 10 आदमियों के परिवार वालों को 50–50हजार रूपया देना अनाउंस किया गया है। जो ज्यादा जख्मी हुए हैं उनको 25 हजार रूपया और जो कम जख्मी हुये उनको 10 हजार रूपया देना है। रेलवे की तरफ से भी मरने वालों के परिवार को 15 हजार रूपया, जो ज्यादा सीरियस जख्मी हुये उनको 5 हजार रूपया और जो कम जख्मी हुए उनको 2 हजार रूपया दिया गया है।
इसी प्रकार से जो थोडे बहुत जख्मी हुए हैं उनको 1–1 हजार रूपया दिया गया है।

Setting up of Statue of Ch. Charan Singh

***330. Sh. Sri Krishan Hooda:** Will the Minister for Local Government be pleased to state-

(a) whether any memorandum for setting up of a statue of Ch. Charan Singh at Rohtak has been received; and

(b) if so, the action taken thereon ?

स्थानीय भाासन मंत्री (डॉ0 कमला वर्मा):

(क) जी नहीं।

(ख) प्र न नहीं उठता।

श्री सिरी कृश्ण हुड्डा: स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदया से जानना चाहता हूं कि चौधरी चरण सिंह जी की प्रतिमा लगाने के लिए ज्ञापन दिया गया है जबकि मंत्री महोदया ने इसका जवाब "न" में दिया है। एक डैपुटे ान इस बारे में रोहतक में मुख्य मंत्री महोदय से भी मिला था और मुख्य मंत्री महोदय ने उनकी प्रतिमा लगाये जाने का आ वासन भी दिया था। मैं जानना चाहूंगा कि क्या चौधरी चरण सिंह जी की प्रतिमा को रोहतक में लगाया जायेगा ?

डॉ0 कमला वर्मा: अध्यक्ष महोदय, चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा लगाये जाने बारे कोई ज्ञापन विभाग को नहीं मिला। 1991–93 में जब सत्यप्रका ा मालवीय थे तो उन्होंने एक चौधरी चरण सिंह समिति बनाई हुई थी। जोगिन्द्र सिंह दहिया के पास उनकी एक प्रतिमा रखी हुई थी। (विघ्न)

मुख्य मंत्री (श्री बंसी लाल): अध्यक्ष महोदय, इसका जवाब मैं दे देता हूं। चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुडडा के नेतृत्व में एक डैपुटे ान मुझे रोहतक में मिला था, उनके साथ कई गांवों के आदमी भी मिले थे। उन्होंने चौधरी चरण सिंह का स्टैच्यू लगाने के लिये मैमोरैंडम दिया था। मैंने उनको कहा था कि आप जगह

बता दें, वहां लगा देंगे। इसके अलावा मैंने डी0सी0 को भी कहा था कि चौधरी चरण सिंह जी का स्टैच्यू वहीं लगा दें जहां पर हुडडा साहब कहें।

Canal based water supply scheme, Nagal Dargu

***338. Sh. Kailash Chander Sharma:** Will the Minister for Public Health be pleased to state-the time which the construction of a canal based water supply scheme for Nagal Dargu, Tehsil Narnaul is likely to be started ?

जन स्वास्थ्य मंत्री (श्री जगन्नाथ): योजना के निर्माण का कार्य लगभग अप्रैल 1997 में भुरू किया जाएगा।

श्री कैला ा चन्द्र भार्मा: अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री महोदय की जानकारी में लाना चाहूंगा कि नांगल दर्गू में जो पीने के पानी की परियोजना है उसमें जिन एरियाज में पानी जमा है वहां पर 14 पहाडियां पडती हैं। वहां पर नीचे का पानी काफी गहरा है। इस स्कीम को सैंक ान हुये 8 मास हो चुके हैं और 15 लाख रूपये एडवांस में भी तीन कि तों में जा चुके हैं। लेकिन अभी तक वहां पर इस स्कीम के लिये टैंडर भी इन्वाइट नहीं किये गय हैं मैं जानना चाहूंगा कि पैसा जाने के बाद भी टैंडर काल ने किये जाने के क्या कारण है ? क्या संबंधित अधिकारियों के खिलाफ एक ान लिया जायेगा कि उन्होंने इस स्कीम पर अब तक कार्यवाही क्यों नहीं की ?

श्री जगन्नाथ: अध्यक्ष महोदय, जिस परियोजना के बारे में भार्मा जी कह रहे हैं वहां पर 6 गांव और 16 ढाणियां इस स्कीम के अंतर्गत आती हैं। वहां एक नोलान्दा गांव है जिसमें दो टयूबवैल्ज लगा कर प्रति व्यक्ति प्रति दिन 25 लीटर पानी दिया गया था और यह 7 किलोमीटर से पानी आता था। जून 1995 के अन्दर सैनेटरी बोर्ड से एस्टीमैट पास हुआ था लेकिन पानी दूर से आता था इसलिये यह सोचा गया कि गांव नागल दर्गू में एक वाटर वर्क्स बना दिया जाए। इसके लिये पैसा कैलकुलेट किया गया और सैंक ांड भी हो गया लेकिन पानी देने के लिये नहर का महकमा तैयार नहीं हो पाया। नहर के महकमें ने कहा कि हम पानी नहीं देंगे। उनके इन्कार करने पर वहां पर टयूबवैल से पानी लेने के लिये एकसपैरिमैंट किया गया। एक गांव में टयूबवैल लगाया भी गया लेकिन वहां पर केवल 3 हजार गैलन पानी ही उपलबध हो पाया। उस इलाके में पानी कहीं मिलता नहीं है और जहां मिलता भी है वहां उस पर खर्च बहुत ज्यादा आता है क्योंकि वह पत्थरीला इलाका है। पानी जमीन में बहुत अधिक गहराई पर है इसलिये कॉस्टली पडता है। बाद में नहर के महकमें से समझौता किया गया तथा उन्होंने पानी देने के लिये मान लिया है। 28 मार्च 1997 को टैंडर हो जाएंगे और अप्रैल में उस वाटर वर्क्स पर काम भुरू हो जाएगा।

Vehicles challaned under motor vehicles Act

***344. Sh. Birender Singh:** Will the Minister for Home be pleased to state-

(a) the number of vehicles challaned in the State under Indian Motor Vehicles Act from 1st June, 1996 to 31st January, 1997; and

(b) the number of vehicles booked/challaned for using 'Red and Blue' lights unauthorisedly in the State during the period the period as referred to in part (a) above ?

गृह मंत्री (श्री मनी राम गोदारा):

(क) भारतीय मोटर वाहन अधिनियम के अन्तर्गत चालान हुये वाहनों की संख्या– 42093

(ख) लाल और चीनी बत्ती का प्रयोग करने पर बुक/चालान हुये वाहनों की संख्या– भून्य

श्री बीरेन्द्र सिंह: स्पीकर सर, मैंने माननीय मंत्री महोदयसे यह सवाल पूछा था कि न्यू मोटर व्हीकल्ज एक्ट के तहत 1 जून 1996 से 31 जनवरी 1997 तक कितने चालाने किये गये ? दूसरा मेरा सवाल "बी" यह था कि जो लोग अपनी गाडियों पर रैड लाईट का या ब्लू लाईट का इस्तेमाल करते हैं उनमें से अनअथोराइज्ड लाईट इस्तेमाल करने के कितने चालान किये गय हैं जो 42 हजार चालान न्यू मोटर व्हीकल्ज एक्ट के अन्तर्गत किये गये हैं उनमें एक भी ऐसा चालान नहीं किया गया है। स्पीकर सर, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि क्या मंत्रियों के परिवार के लोग, एम0पीज0 के परिवार के लोग,

मुख्य मंत्री जी के परिवार के लोग या कोई रि तेदार इस प्रकार की लाईटों का इस्तेमाल कर सकते हैं ? (विघ्न एवं भाोर)

मुख्य मंत्री (श्री बंसी लाल): मेरी अपनी गाडी पर या मेरे कुटुम्ब के किसी सदस्य की गाडी पर इस प्रकार की कोई लाईट नहीं है। मैं खुद भी अपनी गाडी पर लाईट का इस्तेमाल नहीं करता हूं। (विघ्न)

श्री धीरपाल सिंह: अध्यक्ष महोदय, मेरी अपनी गाडी पर भी इस प्रकार की कोई लाईट नहीं है, मंत्री जी को चाहिए कि वे इसकी जांच करवा लें कि किस किस की गाडी पर यह लाईट लगी हुई है। (विघ्न)

श्री बीरेन्द्र सिंह: अध्यक्ष महोदय, मुख्य मंत्री, मंत्री तथा एम0एल0एज0 तो लाईट लगा ही सकते हैं क्योंकि वे इस प्रकार की लाईटस के लिए अथोराईज्ड हैं। मैं मंत्री महोदय से स्पैसिफिकली यह जानकारी चाहूंगा कि कितनी कैटेगरीज के अधिकारियों को इस प्रकार की लाईटस गाडी पर लगाने के लिए अधिकृत किया गया है, उसका क्राइटीरिया क्या है ? आज जिसे देखो वही गाडी पर लाईट लगाए घूम रहा है। जो लोग चैकिंग करते हैं वे इस प्रकार की अनअथोराईज्ड गाडियों की चैकिंग करके उनके चालाना नहीं काटते हैं। सरकार ने जिनको परमिट किया है केवल उन्हीं गाडियों पर लाईट लगनी चाहिए। इसके साथ ही 9 नम्बर तक जिनके पास नम्बर हैं उनके लिये तीन जीरो

यानि अगर 9 नम्बर है तो 0009 लिखना अनिवार्य है लेकिन कुछ लोग केवल एक ही नम्बर लगाकर गाडियां चला रहे हैं। 9 नम्बर तक जो नम्बर अलॉट होते हैं वे इन्फलूएं ाल लोग, पोलिटीकल लोग और बिजनैसमैन अपनी गाडियों पर लगाए घमते रहते हैं और कुछ ब्यूरोक्रेटस भी ऐसा ही कर रहे हैं जो कि ठीक नहीं है लेकिन उनको कोई चालान नहीं काटा जाता है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से यह जानकारी चाहता हूं कि ऐसा क्यों हो रहा है ?

श्री मनी राम गोदाराः अध्यक्ष महोदय, आनरेबल मैम्बर ने जब यह बात कही तो तुरन्त माननीय मुख्य मंत्री जी ने कहा कि मेरी किसी गाडी पर ऐसी कोई लाईट नहीं है और चौधरी धीरपाल सिंह जी ने भी यही कहा कि हमारे यहां भी इस प्रकार की लाईट का इस्तेमाल नहीं होता। (विघ्न) मेरे पास जो रिपोर्ट आई है वह निल आई है इसका मतलब यही है कि किसी ने भी इस प्रकार की अनअथोराईज्ड लाईट नहीं लगाई हुई है। ऐसा लगता है कि इनको इस प्रकार का कोई बहम हो गया है क्योंकि इस मामले में मेरे पास जो रिपोर्ट है वह निल है। न्यू मोटर व्हीकल्ज एक्ट के अन्दर जो जीरो लगाने का प्रोविजन है उस मामले में जो लोग चालान करने के लिए अथोराइज्ड है। उनको भली प्रकार से मालूम ही होगा। वे जिम्मेदारी से अपने काम में लगे हुये हैं। न्यू मोटर व्हीकल्ज एक्ट में जो चालान किये गये हैं उनकी संख्या 42093 है

और रैड लाईट की चालान संख्या मैंने पहले ही बता दी है कि निल है।

15.00 बजे।

श्री बीरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, नम्बर प्लेट के कितने चालान किये हैं ? मंत्री जी इस बारे में मुझे कल बता दें जिन्होंने 000 इस्तेमाल नहीं किया। इसके साथ ये यह भी बताएं कि आपने कौन सी कैटेगरी को रैड लाईट लगाने की इजाजत दी है ?

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, बीरेन्द्र सिंह जी ने बिल्कुल सही बात कही है कि बत्तियों का सही इस्तेमाल हो सके।

Arbitrary fee charged by private schools

***272. Sh. Ram Bhaj:** Will the Minister for Education be pleased to state-

(a) whether government is aware of the fact that the admission fee and monthly fee are being charged by Private Schools arbitrarily and

(b) if so, the steps, if any taken or proposed to be taken to check the said practice ?

ि ाक्षा मंत्री (श्री राम बिलास भार्मा):

(क) प्रवे ा प्रवे ा तथा टयू ान फीस की दरें केवल मान्यता प्राप्त तथा सहायता प्राप्त अराजकीय विद्यालयों के लिये नि ि चत की गई हैं। सहायता रहित अराजकीय विद्यालय इन

निर्दे ाों के अन्तर्गत नहीं आते और इस कोटि के स्कूल अपनी ही दरों पर फीस वसूल कर रहे हैं।

(ख) राज्य सरकार मान्यता प्राप्त अराजकीय सहायता रहित विद्यालयों की कार्य प्रणाली पर नियन्त्रण करने के लिये प्रयास कर रही है। इस उददे य हेतु हरियाणा विधान सभा बिल पास कर चुकी है तथा भारत के राश्ट्रपति द्वारा बिल के अनुमोदन उपरान्त ऐसा सम्भव हो पाएगा।

श्री राम भजः अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी ने अपने जवाब में बताया कि प्रवे ा तथा टयू ान फीस की दरें केवल मान्यता प्राप्त तथा सहायकता प्राप्त अराजकीय विद्यालयों के लिये नि चत की गई हैं। क्या मंत्री जी बताने का कश्ट करेंगे कि इनके अन्दर जो वर्गीकरण है जैसा कि सरकारी स्कूलों में होता है क्या इन नीतियों को प्राईवेट स्कूलों में भी अपनाएंगे ?

श्री राम बिलास भार्माः अध्यक्ष महोदय, राश्ट्रपति महोदय के पास जो बिल गया था वहां से उस पर दो क्यूरीज लाकर आई हैं। उनमें से एक क्यूरी इसी सम्बंध में है जो इन्होंने सवाल किया है। अध्यक्ष महोदय, हरियाणा में कन्याओं की ि ाक्षा बी0ए0 तक मुफ्त है उनसे कोई फीस नहीं ली जाती है। यह जो वर्गीकरण की बात इन्होंने कही है यह सही है। कुछ लोग विद्यालय अपने तौर पर बिना रजिस्ट्रे ान के चला रहे हैं इस बारे में हमारे पास ि ाकायतें भी आई हैं। हमने दोबारा से उन क्यूरीज को ठीक

करके भेजा है। अध्यक्ष महोदय, राजकीय विद्यालय में कन्याओं से किसी तरह की कोई फीस नहीं ली जाती है हां आठवीं कक्षा के बाद नाममात्र 5 रूपये फीस है। अध्यक्ष महोदय, कुछ हमारे स्कूल हैं जिनको 95 प्रति ात हम ग्रांट देते हैं वहां पर हमारा कंट्रोल है। हमारे पास प्राइवेट मैनेजमैंटस की ि ाकायतें थीं। हमने जो क्यूरीज आई थीं उनमें इस बात का समाधान करके यह बात द र्ाई है कि हरियाणा में कोई भी स्कूल हो उसमें भी जो फैसिलिटी हरियाणा के गवर्नमैंट स्कूलों में दी जाती हैं वही फैसिलिटी होगी।

श्री अध्यक्षः मंत्री जी, पिछले कई सालों से ि ाक्षा का बडी तीव्र गति के साथ व्यवसायिकरण बढता जा रहा है जो देहात के लोगों के लिये बहुत ही बडा प्र न चिन्ह है। क्या हरियाणा सरकार ि ाक्षा के व्यावसायिकरण को रोकने के लिए कोई कारगर कदम उठाने की सोच रही है ?

श्री राम बिलास भार्माः स्पीकर सर, आपने बहुत ही उचित चिन्ता जाहिर की है। इस बारे में जो बिल पहले विधानसभा में लाया गया था, वह इसी आधार पर लाया गया था। कुछ संस्थाएं तो अच्छा काम कर रही हैं लेकिन यह बात भी सही है कि पिछले आठ दस सालों मैं ि ाक्षा के व्यावसायिकरण का एक प्रयास हुआ है। छोटे छोटे विद्यालयों में, गांवों में या भाहर के मुहल्लों में हमने उनको नियंत्रण देने से पहले इस तरह की काफी

बातों का निर्धारण उस बिल में किया है और वह बिल इन्हीं सब बातों का आव यकताओं को देखते हुए लाया गया था।

Amount spent on the repair of sewerage/water works of Bhiwani City

***303. Sh. Ram Bhajan Aggarwal:** Will the Minister for Public Health be pleased to state-

(a) the details of the amount spent on the repair of sewerage and water supply system of Bhiwani city during the period from September, 1995 to April 1996; and

(b) whether the repair work as referred to in part (a) above has been completed; if not, the reasons thereof, togetherwith the time by which the above said sewerage and water supply system is likely to start functioning ?

जन स्वास्थ्य मंत्री (श्री जगन्नाथ):

(क) (1) भिवानी भाहर के जल वितरण सिस्टम की मरम्मत पर सितम्बर, 1995 से अप्रैल 1996 तक 72.77 लाख रूपये खर्च किये गये।

(2) भिवानी भाहर के सीवरेज सिस्टम की मरम्मत पर सितम्बर, 1995 से अप्रैल 1996 तक 44.59 लाख रूपये खर्च किये गये।

(ख)(1) जल वितरण सिस्टम की मरम्मत का कार्य पूर्ण हो गया है और यह सामान्य रूप से चल रही है।

(2) मुख्य सीवरेज डिस्पोजल वकर्स से पुननिर्माण, मरम्मत तथा म ीनरी बदलने का कार्य पूर्ण हो गया है और यह संतोशजनक रूप से चल रही है।

(3) भाहर के कुल 1635 मीटर क्षतिग्रस्त सीवर के स्थान पर 1600 मीटर सीवर का काम किया जा चुका है और भोश 35 मीटर का कार्य दिनांक 15.3.1997 तक पूर्ण हो जाएगा।

(4) भाहर के विभिन्न 19 स्थानों पर क्षतिग्रस्त सीवर तथा मेन होल्ज की मरम्मत करके चालू कर दिया गया है। एक अन्तिम स्थान पर नेकीराम लाईब्रेरी के समीप कार्य चल रहा है और यह दिनांक 7.3.97 तक पूर्ण हो जाएगा।

श्री राम भजन अग्रवालः अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी ने बताया कि पिछले साल महीनों में भिवानी मैं सिवरेज की एवं पानी की व्यवस्था को ठीक करने के लिए 1.17 करोड रूपये का खर्चा हुआ है और यह काम संतोशजनक है। सर, आज भी भिवानी भाहर के अंदर सिवरेज की व्यवस्था एवं पानी की व्यवस्था ठीक नहीं है। मैं इनसे यह जानना चाहूंगा कि यह जो खर्चा इन्होंने दिखाया है तो क्या यह खर्चा कागजों पर ही हुआ है या ऐक्चुअल में हुआ है ? क्या मंत्री जी इस बात की इंक्वायरी करवाएंगे कि 1. 17 करोड रूपया कहीं मिसयूज तो नहीं हुआ है क्योंकि अगर वहां पर ठीक तरह से काम हुआ होता तो भाहर की सिवरेज एवं पानी की व्यवस्था ठीक होती। यह बात सही है कि आदरणीय चौधरी

बंसी लाल जी की सरकार ने वहां पर काफी काम करके उसे कुछ ठीक करने की कोि ा ा की है लेकिन मंत्री जी यह बता दें कि कहीं इस पैसे का वहां पर दुरूपयोग तो नहीं हुआ है। यह काम किस ठेकेदार से करवाया एवं यह पैसा वहां डिपार्टमैंट के माध्यम से खर्च हुआ या किसी और माध्यम से खर्च हुआ अगर खाली कागजों में ही यह पैसा लगा है तो क्या ये इसकी तहकीकात करवाएंगे ? मंत्री जी यह भी बता दें कि भिवानी भाहर की जल आपूर्ति एवं सिवरेज सिस्टम को ठीक करने में अभी कितना समय और लगेगा ? इन्हौंने जो जवाब देते हुए कहा है कि पिछले सात महीनों में काम संतोशजनक हुआ है, उससे मैं सहमत नहीं हूं।

श्री जगन्नाथः अध्यक्ष महोदय, हम इस बारे में लाला जी से मिलते रहते हैं और सलाह म ाविरा भी लेते रहते हैं। हम यह सारे का सारा सिस्टम जून तक ठीक करवा देंगे। (विघ्न) जहां तक इनका यह कहना है कि सितम्बर 95 से लेकर अप्रैल 96 तक वहां पर अनियमितताएं हुई हैं और पैसा ठेकेदार खा गया तो मैं इनको बताना चाहूंगा कि ऐसी अगर कोई बात इनके नोटिस में हो तो ये हमें बता दें। हम इनके बताए हुए आफिसर से इनकी इंक्वायरी करवा लेंगे। जिस आफिसर से आप कहेंगे उसी से इंक्वायरी कराएंगे। आप यदि चाहते हैं कि हमारा महकमा इंकवायरी न करे तो बाहर के किसी आफिसर से भी हम इंक्वायरी कराने को तैयार हैं।

श्री निर्मल सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदरय से जानना चाहता हूं कि अम्बाला कैंट की एक कैनाल बेस्ड स्कीम है जिसके तहत पूरे अम्बाला कैंट को नहरी पानी देने की स्कीम मंजूर है। उसके बारे में कोई जानकारी देंगे कि कब उस पर काम भुरू होगा ?

श्री जगन्नाथः इस क्वै चन के लिए अलग से नोटिस दें।

श्री निर्मल सिंहः अध्यक्ष महोदय, यह बहुत इम्पौर्टैंट स्कीम है इसके बारे में मंत्री महोदय को पता होना चाहिए।

श्री अध्यक्षः अब प्र न काल समाप्त होता है।

नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्र नों के

लिखित उत्तर

Pollution caused by Centuary Products Ltd., Sampla

***257. Sh. Balwant Singh:** Will the Minister for Environment be pleased to state-

(a) whether it is a fact that pollution is being caused by the Centuary Products Ltd., in Sampla City, District Rohtak due to releasing of effluent water; and

(b) if so, the steps taken or proposed to be taken in this regard ?

पर्यावरण राज्य मंत्री (श्री सुभाश चौधरी):

(क) जी, हां।

(ख) यह स्पश्ट किया जाता है कि ईकाई का नाम मैं0 सैन्वरी प्रोटीन लिमिटेड है न कि सैन्चरी प्रॉडक्ट लिमिटेड सांपला है। हरियाणा राज्य प्रदू ाण रोकथाम बोर्ड ने इस इकाई को जल (प्रदूशण रोकथाम एवं नियंत्रण) अधिनियम, 1974 की धारा 25 और 26 के अन्तर्गत वर्श 1996–97 की सहमति नहीं दी है। जल (प्रदूशण एवं नियंत्रण) अधिनियम, 1974 की धारा 33 क के अन्तर्गत ईकाई को बोर्ड द्वारा निर्धारित मापदण्डों की पालना न करने और ड्रेन में अपने बहिस्त्राव मल का निस्सरण करने हेतु बन्द करने के लिए नोटिस दिया गया है। इस संबंध में आगामी कार्यवाही नोटिस की अवधि समाप्त होने पर की जायेगी।

Plying of Buses from Giwana to Gohana

***314. Sh. Jagbir Singh Malik:** Will the Minister for Transport be pleased to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to introduce a direct bus service from villages Giwana and Jasrana to Gohana; and

(b) whether there is any proposal under consideration of the Government to issue long route permits (100 Km.) to the Co-operative Societies in the State; if so, the details thereof ?

परिवहन मंत्री (श्री कृश्ण पाल गुर्जर):

(क) जी हां। रोडवेज सोनीपत ने गोहाना से गिवाना तक बस सेवा चालू कर दी है। परन्तु गिवाना से जसराना की सडक क्षतिग्रस्त है। जब भी सडक बस चलाने योग्य हो जाएगी, गिवाना से जसराना के लिए भी बस सेवा चालू कर दी जाएगी।

(ख) जी हां। लम्बे रूट परमिट देने का प्रस्ताव अभी सरकार के विचाराधीन है और इस संबंध में विवरणी को अन्तिम रूप दिया जाना है।

Repair of Damaged Transformers

***321. Sh. Om Prakash Chautala:** Will the Chief Minister be pleased to state-

(a) the total number of damaged transformers lying in the State at present; and

(b) the number of transformers that have been repaired during the last six months ?

मुख्य मंत्री (श्री बंसी लाल):

(क) जनवरी, 1997 के अन्त तक राज्य में कुल 28067 क्षतिग्रस्त ट्रांसफार्मर पडे थे।

(ख) वर्तमान वित्तीय वर्श की अवधि में अगस्त जनवरी के दौरान 14175 ट्रांसफार्मरों की मरम्मत कर दी गई है।

Loss incurred by the Haryana Roadways

***326. Sh. Suraj Mal:** Will the Minister for Transport be pleased to state-

(a) whether it is a fact that Haryana Roadways is incurring losses due to the plying of un-authorised buses on truck routes; and

(b) if so, the steps taken by the government in this regard ?

परिवहन मंत्री (श्री कृश्ण पाल गुर्जर):

(क) जी हां।

(ख) अनाधिकृत प्रचलन को प्रभावी ढंग से रोकने के लिए हाल ही में 45 उप मंडल अधिकारियों (नागरिक) को क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकरण को निरीक्षण करेन की भाक्तियां दी गई हैं और उनकी कार्यवाही पर निगरानी नियमित रूप से रखी जा रही है। इसके अतिरिक्त मुख्यालय के अधिकारियों द्वारा भी अधिक से अधिक निरन्तर निरीक्षण किया जा रहा है।

Production of Sugarcane in the State

***311. Sh. Ram Phal Kundu:** Will the Minister for Agriculture be pleased to state-

(a) whether the estimated production of sugercane crop in the State during the current year;

(b) the total quantity of sugarcane crop in the State during the current year;

(c) the total quantity of sugarcane purchased by the Sugar Mills upto 28th February, 1997;

(d) whether it is a fact that the sugarcane originally bonded by the Sugar Mills is being reduced; if so, the details thereof; and

(e) whether there is any proposal under consideration of the Government to pay the minimum support price to the cane growers for the sugarcane which the Sugar Mills failed to crush ?

कृशि मंत्री (श्री कर्ण सिंह दलाल):

(क) चालू वर्श के दौरान गन्ने की अनुमानित पैदावार लगभग 950 लाख क्विंटल है।

(ख एवं ग) तालिका सदन के पटल पर रखी जाती है।

(घ) नहीं, प्रत्येक चीनी मिल द्वारा बांड किए गए गन्ने की मात्रा घटाई नहीं जा रही है।

(ड.) चीनी मिलें बांड किए गए सारे गन्ने की पिराई करेंगी जिसके लिए वे भारत सरकार द्वारा निर्धारित किए गए न्यूनतम संविदा मूल्य से अधिक मूल्य देने के लिए सहमत हो गई हैं।

तालिका

(मात्रा लाख क्विंटल में)

क्र0 सं0	चीनी मिल का नाम	बांड किए गए गन्ने की मात्रा	28.2.97 तक खरीदे गए गन्ने की मात्रा
सहकारी क्षेत्र			
1	भााहबाद सहकारी चीन मिल लि0, भााहबाद	63.00	34.10
2	करनाल सहकारी चीन मिल लि0, करनाल	42.00	27.67
3	पानीपत सहकारी चीन मिल लि0, पानीपत	22.00	14.98
4	सोनीपत सहकारी चीन मिल लि0, सोनीपत	30.00	19.35
5	रोहतक सहकारी चीन मिल लि0, रोहतक	30.00	20.21
6	पलवल सहकारी चीन मिल लि0,	32.00	18.40

	पलवल		
7	जींद सहकारी चीन मिल लि0, जींद	33.00	21.36
8	महम सहकारी चीन मिल लि0, महम	40.00	18.50
9	कैथल सहकारी चीन मिल लि0, कैथल	40.00	22.58
10	भूना सहकारी चीन मिल लि0, भूना	30.00	15.90
	उप जोड़	362.00	213.02
निजी क्षेत्र			
11	सरस्वती चीनी मिल यमुनानगर	147.04	85.64
12	पिकाडली एग्रो इण्डस्ट्रीज लि0, गांव भादसों, जिला करनाल	40.00	17.02
13	नारायणगढ़ चीनी मिल लि0, गांव भनौदी, जिला अम्बाला	18.00	12.27
	उप जोड़	205.04	114.93
	कुल जोड़	567.04	327.95

Amount spent on water works

***362. Sh. Bhagi Ram:** Will the Minister for Public Health be pleased to state-the dates on which the foundation stones of second water supply scheme at Kashikawas, Dhani Lakju and Balasar villages in District Sirsa was laid togetherwith the amount spent so far on each scheme separately ?

जन स्वास्थ्य मंत्री (श्री जगन्नाथ): का ीकावास तथा ढाणी लाखजी की पेयजल योजनाओं का ि ालान्यास 9.2.1991 को किया गया था तथा यह योजनाएं पहले ही चालू की जा चुकी हैं। इन दो योजनाओं पर क्रम ाः 5.59 लाख तथा 3.27 लाख रूपये खर्च किये गये हैं।

बलासर पेयजल योजना का ि ालान्यास 6.1.1991 को रखा गया था। इस गांव में जांच के लिए एक नलकूप लगाया गया परन्तु इसका जल पीने के योग्य न होने के कारण इसका परित्याग कर दिया गया। इस जांच नलकूप पर 0.80 लाख रूपये खर्च हुए। 1.89 लाख रूपये की धन रा ि ा गांव में जल वितरण प्रणाली को सुदृढ करने के लिए खर्च किये गये। इस कार्य पर कुल 2.69 लाख रूपये खर्च किये गये। बलासर गांव को पेयजल सुविधा नहरी पानी पर आधारित फतेहपुरिया जलघर से दिया जा रहा है तथा इसका वर्तमान पेयजल स्तर 45 लीटर प्रति व्यक्ति है।

Sanitary Condition

***312. Sh. Ashok Kumar:** Will the Minister for Local Government be pleased to state-whether it is a fact that the

sanitary condition of the Cities/Towns of the State has worsened due to the strike of the Municipal employees; if so, the steps taken so far or proposed to be taken to improve the sanitary conditions ?

स्थानीय भाासन मंत्री (डॉ0 कमला वर्मा): नगरपालिका के कर्मचारियों ने अपनी हडताल वापिस ले ली है। भाहरों/कस्बों में सफाई व्यवस्था पूर्णतया संतोशजनक है।

अतारांकित प्र न एवं उत्तर

Discontinuation of Financial aid to Maharaja Agarsain Institute of Medical Reserch and Education, Agroha

***21. Sh. Dev Raj Dewan:** Will the Minister of State for Medical Education be pleased to state-

(a) whether it is a fact that the financial aid/grant to the Maharaja Agarsain Institute of Medical Research & Education, Agroha, Hisar, has been discontined with effect from July, 1996, by the State Government; if so, the reasons thereof;

(b) whether it is also a fact that the required facilities are not being provided to the M.B.B.S. Students by the Institution due to discontinuation of the said aid as referred to in part (a) above; and

(c) if the reply in part (b) is in affirmative, whether there is any proposal under consideration of the Government to transfer the M.B.B.S. Students to the Medical College,

Rohtak for completion of their course as was done in the previous years i.e. 1991, 1992 and 1993 ?

चिकित्सा ि ाक्षा राज्य मंत्री (श्री विनोद कुमार मढ़िया):

(क) जी हां। ऐसा खर्चे में बचत करने हेतु किया गया था।

(ख) महाराजा अग्रसैन चिकित्सा आर्यविज्ञान एवं ि ाक्षा संस्थान अग्रोहा का निरीक्षण महर्शि दयानन्द वि वविद्यालय, रोहतक द्वारा गठित पांच सदसीय समिति, जिसके अध्यक्ष डॉ0 एस0एस0 यादव, निदे ाक, पंडिज भगवत दयाल भार्मा, स्नात्कोतर आर्यविज्ञान संस्थान, रोहतक द्वारा किया गया था जिसमें निम्नलिखित त्रुटियां पाई गई:–

(क) मानवश्रम :–

(1) 20 विभागाध्यक्ष पदों में से 14 पद, 50 अध्यापकों के पदों में से 36, 50 रजिस्ट्रार के पदों में से 41 तथा 40 हाऊस सर्जनों में से 40 पद खाली पाये गये।

(2) पैरा मैडीकल स्टाफ (नर्सिंग तथा औशधकारकों) की नियुक्ति नहीं की गई।

(ख) चिकित्सालय में सुविधायें :–

(1) भारतीय चिकित्सा परिशद के नियमों के अनुसार चिकित्सा महाविद्यालय में प्रति वर्श 50 विद्यार्थियों के प्रवे ा पर

500 बिस्तर का चिकित्सालय होना चाहिये। इस संस्था के पास अपना हस्पताल नहीं है।

(2) प्रयोग ाालायें:–

भाशण कक्ष तथा लैक्चर थियेटर, पैथालोजी, सूक्ष्मजीव विज्ञान, औशधी विज्ञान तथा फोरन्सिक मैडीसन विभाग के लिये उपलब्ध नहीं है।

(ग) क्लीनिकल विभाग:–

(1) कुछ कर्मचारियों की भर्ती के अतिरिक्त विभागों का सर्जन नहीं किया गया।

(2) स्वच्छ आवास तथा छात्रावास थोडी मात्रा में उपलब्ध है। पुस्तकालय में बहुत ही कम पुस्तकें उपलब्ध हैं तथा काफी मात्रा में उपकरण खरीदने की आव यकता है।

(ग) जी, नहीं।

Laying of Sewarage in Sonepat City

***22. Sh. Dev Raj Dewan:** Will the Minister for Public Health be pleased to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Govt. to lay the sewerage in the remaining area of the Sonepat City; and

(b) if so, the time by which the aforesaid proposal is likely to be materialized ?

जन स्वास्थ्य मंत्री (श्री जगन्नाथ):

(क) जी हां।

(ख) अभी कोई समय सीमा निर्धारित नहीं की जा सकती क्योंकि यह धन राि ा की उपलब्धता पर निर्भर करीता है।

Cases of spurious registered in the State

***23. Sh. Krishan Lal:** Will the Minister for Home be pleased to state-

(a) the number of cases of seized liquor registered during the years 1995-96 & 1996-97 in the State togetherwith the number of persons arrested in the abvove said cases; and

(b) the total quantity of spurious liquor seized in the cases as referred to in part (a) above togetherwith the district-wise number of persons who died on account of consuming spurious liquor during the period as referred to in part (a) above ?

गृह मंत्री (श्री मनीराम गोदारा):

(क) राज्य में पकडी गई भाराब के वर्श 1995–96 में 9888 मुकदमें और 1996–97 में 24855 मुकदमें दर्ज किए गए और उपरोक्त मुकदमों में वर्श 1995–96 में 26954 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया।

(ख) वर्श 1995–96 और 1996–97 में मिलावटी भाराब नहीं पकडी गई। वर्श 1995–96 में मिलावटी भाराब पीने में किसी भी व्यक्ति की मृत्यु नहीं हुई। फिर भी वर्श 1996–97 में 4 मुकदमों (करनाल–1, हिसार–1 ओर फरीदाबाद–2) मैं मिलावटी भाराब पीने से 17 व्यक्तियों (करनाल–7, हिसार–6 और फरीदाबाद–4) की मृत्यु हुई।

Water Logging

***24. Sh. Balbir Singh:** Will the Chief Minister be pleased to state-the steps taken by the Govt. to overcome the Water logging in the land adjacent to the canals in district Rohtak ?

मुख्य मंत्री (श्री बंसी लाल): जिला रोहतक में जे0एल0एन0 फीडर और दुलहेड़ा डिस्ट्रीब्यूटरी के साथ पानी के सेम की समस्या है। इस समस्या पर नियन्त्रण हेतु हरियाणा सिंचाई विभाग का नहरों के साथ डिच ड्रेन के निर्माण का प्रस्ताव है।

Opening ofn Govt. College at Kalayat

***25. Sh. Ram Bhaj:** Will the Minister for Education be pleased to state-whether there is any proposal under consideration of the Govt. to open a Govt. College at Kalayat ?

ि ाक्षा मंत्री (श्री राम बिलास भार्मा): जी नहीं।

Repair/Reconstruction of the Building of High School, Lodhar

***26. Sh. Ram Bhaj:** Will the Minister for Education be pleased to state-

(a) whether it is a fact that the building of Govt. High School, Lodhar District Jind has been declared unsafe; and

(b) if so, the time by which the aforesaid building is likely to be repaired/reconstructed ?

ि ाक्षा मंत्री (श्री राम बिलास भार्मा):

(क) जी हां, राजकीय उच्च विद्यालय, लोधर का भवन लोक निर्माण विभाग द्वारा असुरक्षित घोशित कर दिया गया है।

(ख) राजकीय उच्च विद्यालय, लोधर के भवन की मुरम्मत/पुनर्निमाण भीघ्र ही करवा लिया जायेगा। चार कक्षा कक्ष पहले ही बनवाये जा चुके हैं।

Construction of Tourist Complex

***27. Sh. Ram Bhaj:** Will the Minister for Tourism be pleased to state-whether there is any proposal under consideration of the Govt. to set up a Tourist Complex near Kalayat on Kalayat Kaithal High way ?

पर्यटन राज्य मंत्री (श्री अतर सिंह सैनी): जी, हां।

Kalayat Bus Stand

***28. Sh. Ram Bhaj:** Will the Minister for Transport be pleased to state-the present stage of the construction work of the Bus Stand, Kalayat ?

परिवहन मंत्री (श्री कृश्णपाल गुर्जर): बस स्टैण्ड बनाने के लिए नगरपालिका कलायत से हाल ही में 20 कनाल जमीन खरीदी गई है।

ध्यानाकर्शण प्रस्ताव–

पीलिया बीमारी से हुई मौतों तथा जिला सिरसा में इस बीमारी के फैलने संबंधी

Mr. Speaker: Hon'ble Members, I

श्री ओम प्रका ा चौटाला: इसे भागी राम जी पढेंगे।

सर्वश्री ओम प्रका ा, धीरपाल सिंह, वीरेन्द्र पाल, भागी राम, रामफल कुंडु, नफे सिंह, नफे सिंह, बन्ता राम, राम पाल माजरा, कृश्ण लाल, बलवंत सिंह, सूरजमल, रमे ा खटक, अ ाोक कुमार, श्रीमती विद्या बेनीवाल तथा मनीराम एम0एल0एज0 इस महान सदन का ध्यान एक अत्याव यक लोक महत्व के विशय की ओर दिलाना चाहते हैं कि हरियाणा राज्य के सिरसा जिले के गांव में पीलिया रोग तेजी से फैल गया है। अब तक गांव धोतर में 13 व्यक्ति इस बीमारी से मर चुके हैं। इसके अतिरिक्त गांव सुलतानपुरिया, बेरवाल, करीवाला तथा ऐलनाबाद कस्बे में भी एक एक आदमी इस बीमारी से मर चुके हैं। अब भी गांव धोतर में

14–15 और गांव सुलतानपुरिया में 5–7 व्यक्ति इस बीमारी से जिन्दगी के लिए मौत से जूझ रहे हैं। सरकार की ओर से इस बीमारी की रोकथाम के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए हैं। लोगों में भय का वातावरण बना हुआ है। चारों ओर त्राहि–त्राहि मची हुई है। यह एक अत्याव यक लोक महत्व का विशय है। अतः वे सरकार से निवेदन करते हैं कि वह इस संबंध में सदन में एक वक्तव्य दें।

वक्तव्य–

उपरोक्त ध्यानाकर्शण प्रस्ताव संबंधी

Mr. Speaker: Now the Health Minister will make a Statement.

स्वास्थ्य मंत्री (श्री ओम प्रका ा महाजन): पीलिया अपने आप में कोई रोग नहीं है। यह रोग का एक लक्षण है। सामान्यतः यह जिगर विकार से संबंद्ध है। पीलिया हैपाटाईटिस "ए" और हैपाटाईटिस "बी" के परिणाम स्वरूप होता है। हैपाटाईटिस "ए" अधिक सामान्य है और वह कम खतरनाक है, इसके कारण मृत्यु भी कम होती है और यह संक्रामित पानी तथा भोजन का कारण होता है। हैपाटाईटिस "बी" होने के कारण होने वाली मृत्यु दर अपेक्षाकृत अधिक है। हैपाटाईटिस "बी" सीरम संक्रामित रक्त देने, संक्रामित सुई तथा सिरिंज के प्रयोग यौन सम्बन्धों या थूक व लार के सम्पर्क से होता है। हैपाटाईटिस "बी" अधिक गम्भीर है क्योंकि कुछेक मामलों में इसके कारण मस्तिश्क व जिगर को भारी क्षति

पहुंचती है। हैपाटाईटिस "बी" के जिन कुछेक मामले में पीलिया विकसित नहीं होता है, उनमें बाद के वर्शों में जिगर का कैंसर हो सकता है।

हैपाटाईटिस "बी" के मामलों में, यह बहुत जरूरी है कि रोगी आराम करे। कुछ मामलों में रोगी आराम नहीं करते और दवाई लेते हैं जिसके परिणाम स्वरूप भारीर पर प्रतिकूल प्रभाव पडता है। हालांकि इस रोग को कोई उपचार नहीं है, जब रोगी की हालत गम्भीर होती है और उसे अस्पताल में दाखिल किया जाता है तब उसे विटामिन "के" के इंजैक ान दिए जाते हैं और ग्लूकोज अधिक मात्रा में बढाया जाता है (25 प्रति ात और 10 प्रति ात) उसकी आंतों को धोया जाता है और एंटी बायोटिक जैसे कि एम्पीसिलिन दिया जाता है जिससे उसको सैकेंडरी इंफैक ान न हों और लगभग 75 प्रति ात रोगी ठीक हो जाते हैं।

दिसम्बर 1996 के दौरान गांव धोतर में दो रोगियों की मृत्यु हुई। उनमें से एक की मृत्यु दया नन्द मैडिकल कालेज अस्पताल, लुधियाना में और दूसरे की गांव धोतर मैं ही हुई। ऐसी आ ांका है कि इन दोनों व्यक्तियों की मृत्यु हैपाटाईटिस सीरम से हुई है। बाद में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, रानियां जिसके अन्तर्गत वह गांव आता है, से मैडिकल और पैरा मैडिकल टीमें इस गांव का नियमित रूप से दौरा करती रहीं हैं।

फरवरी, 1997 में इसी गांव में तीन और लोगों की मृत्यु हो गई। इन तीनों रोगियों की मृत्यु 3–4 दिन बीमार रहने के बाद ही हो गई। 5 मार्च 1977 तक हैपाटाईटिस "बी" से पीडित व्यक्तियों की संख्या 31 है और मरने वालों की संख्या बढ कर 10 हो गई है। इनमें से 7 व्यक्ति गांव धोतर के हैं और एक एक व्यक्ति गांव बैरवाला, गिदडावाली और रानियां के हैं। मृत लोगों के नाम अनुलग्नक "ए" में अंकित हैं।

स्वास्थ्य दलों ने पीलिया के केसों की पहचान की है, जिनके स्वास्थ्य में सुधार हो रहा है। पीलिया के जिन केसों की पहचान की गई है और जिनमें सुधार हुआ है, उनका गांव वार विरण इस प्रकार है :–

क्रमांक	गांव का नाम	पीलिया केसों की संख्या (हैपाटाईटिस ए व बी)
1	धोतर	12
2	सुलतानपुरिया	3
3	रानियां	2
4	नतार	1

5	ओढां	2
6	सिरसा भाहर	8
7	अबूतगढ़	1
8	गिदड़ांवाली	1
9	बेरांवाली	1
	कुल	31

सरकार इस समस्या के प्रति अत्याधिक गम्भीर है। दिसम्बर 1996 के बाद से चिकित्सकों का एक दल गांव धोतर में ही है। मैंने स्वास्थ्य सेवाओं के महानिदे ाक को सिरसा जाने के लिए कहा 23 फरवरी 1997 को उन्होंने जिला के मुख्य चिकित्सा अधिकारी, चिकित्सा अधिकारियों और उपायुक्त से विचार विम र्ा किया। उन्होंने प्रभावित गांवों का दौरा किया। मैंने स्वयं भी 7 मार्च 1997 को क्षेत्र का दौरा किया। मौके पर स्थिति का अध्ययन करने के लिए पी0जी0आई0एम0एस0 रोहतक से चिकित्सकों का एक दल भेजा गया। इस दल का नेतृत्व डॉ0 एच0के0 अग्रवाल ने किया। घर घर सर्वेक्षण किया गया और पाया गया कि धोतर तथा इसके आसपास के गांवों में छोटी छोटी बीमारियों के लिए लोग इंजैक ान लेते हैं और कुछ ग्रामीणों ने बताया कि उन्हें एक आर0एम0पी0 द्वारा एक ही सिरिंज से और दवाई की एक ही भाी ाी से दो से तीन रोगियों के इंजैक ान दिये जाते थे।

219 व्यक्तियों के रक्त के नमूनों की जांच की गई है, जिसमें 22 मामले हैपाटाईटिस "बी" के लिए पोजिटिव पाये गये। जिले में 136 पैरा मैडिकल दल भेजे गये हैं। मुख्य चिकित्सा अधिकारियों के नेतृत्व में 5 सचल मैडिकल टीमें तथा कार्यक्रम अधिकारियों के नेतृत्व में 5 मैडिकल निरीक्षक दल गांवों का दौरा कर रहे हैं। मैंने मुख्यालय से डॉ0 मंगला को स्थिति का जायजा लेने के लिए सिरसा भेजा। उपायुक्त, अतिरिक्त उपायुक्त और एस0डी0एम0 गांवों का दौरा कर रहे हैं और स्थिति पर नजर रखे हुए हैं।

26 जनवरी 1997 को मंत्रिमण्डल की हुई बैठक में जिला सिरसा वि ोशकर, गांव धोतर और इसके आस पास के गांवों में हैपाटाईटिस "बी" के टीके उपलब्ध हैं, लेकिन यह महंगे हैं और एक व्यक्ति के लिए एक टीके की लागत एक हजार रूपये है। लोगौं को एक बडे पैमाने पर सरकारी कार्यक्रम के तौर पर टीकाकरण किया जाना संभव नहीं है। सरकार के ध्यान में लाया गया है कि दे ा में कहीं भी राश्ट्रीय कार्यक्रम के भाग के रूप में सरकार द्वारा इस प्रकार का टीकाकरण नहीं किया जाता। इसके बावजूद मंत्रिमण्डल ने यह विचार किया कि गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले ऐसे दम्पतियों को जो हैपाटाईटिस "बी" से ग्रस्त हैं और जिनका रक्त परीक्षण नैगेटिव है, को विभाग द्वारा निः ाुल्क टीके दिये जायेंगे। सरकार ने किसी विपदा का सामना करने के लिए टीकों के पर्याप्त भण्डार की व्यवस्था की है।

आमतौर पर एक मोटे अनुमान के अनुसार लगभग 5 प्रति ात जनसंख्या के रक्त में इसका संक्रमण है। स्वास्य कार्मिक, वि ोशकर डॉक्टर, नर्स, प्रयोग ााला तकनीि ायन, फार्मासिस्ट, दन्त चिकित्सक जो हस्पतालों में मरीजों का ईलाज करते हैं और मरीजों के रक्त के सम्पर्क में आते हैं, उन्हें इस संक्रमण के होने के ज्यादा आसार रहते हैं। सर्वेक्षण से पता चला है कि 20 प्रति ात से भी अधिक स्वास्थ्य कार्मिक इस संक्रमण से ग्रस्त हैं। स्वास्थ्य कार्मिकों में संक्रमण की रोकथाम के लिए सरकार ने 2500 स्वास्थ्य कार्मिकों के लिए 25 लाख रूपये स्वीकृत किये हैं। पंडित भगवत दयाल भार्मा आयुर्विज्ञान संस्थान, रोहतक के स्टाफ के 461 सदस्यों, जिनमें डॉक्टर, नर्स और चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारी, जो बोतलें आदि धोने का काम करते हैं, का भी 13.1.96 सो टीकाकरण किया गया है।

सम्पूर्ण जिला सिरसा में हैंडबिल्ज बांट कर और निजी सम्पर्क संचार के माध्यम से लोगों को स्वास्थ्य ि ाक्षा देने का कार्य भाुरू किया गया है। मैडिकल स्टाफ को जब तक अति जरूरी न हो टीका न देने और जनता को टीका न लगवाने के लिये ि ाक्षित किया जा रहा है। लोगों को उनकी हाईजैनिक आदतों के बारे में सलाह दी जा रही है और जिस प्रकार एडस के मामले में स्वच्छ जीवन व्यतीत करके बचावात्मक उपाए किए जा सकते हैं। उसी प्रकार के उपाय इसमें भी किए जायें। रक्त लेते समय वि ोश सावधानी बरती जाये और यह लाईसैंस भाुदा बैंक से ही

लिया जाये और किसी किस्म का टीका लगवाने से पहले भी यह सुनिि चत कर लिया जाये कि सुई को अच्छी तरह से विसंभ्रामित कर लिया है। हालांकि सरकार कार्यक्रम के तहत हैपाटाईटिस का टीकाकरण नहीं किया जाता फिर भी जो अधिक सावधानी बरतना चाहते हैं उनको सलाह दी जाती है कि वे हैपाटाईटिस "बी" का टीकाकरण करवा लें।

इसके साथ ही जो लोग अतिरिक्त सावधानी रखना चाहते हैं, उन्हैं हैपाटाईटिस "बी" वेक्सीन के तीन इंजैक ान लगवाने की सलाह दी जाती है। पहले टीके के बाद दूसरा टीका एक महीने के बाद और तीसरा टीका छः महीने के बाद लगवाया जाये।

हरियाणा के सभी रक्त बैंकों में रक्त की हैपाटाईटिस "बी" के लिए जांच की जाती है। यह आ ाा की जाती है कि इस बीमारी की रोकथाम के लिए सरकार द्वारा उठाए गए बचावात्मक पगों से बीमारी पर पूर्णतयः काबू पा लिया जायेगा। और तीसरा टीका छः महीने के बाद लगवाया जाये।

हरियाणा के सभी रक्त बैंको में रक्त की हैपाटाईटिस "बी" के लिए जांच की जाती है। यह आ ाा की जाती है इस बीमारी की रोकथाम के लिए सरकार द्वारा उठाये गए पगों से बीमारी पर पूर्णतयः काबू पा लिया जायेगा।

अनुलग्नक "ए"

क्रमांक	मृतक का नाम	गांव का नाम	मृत्यु की तिथि
1	श्री रोहतास सुपुत्र श्री जस्सा राम	धोतर	18.12.1996
2	श्री प्रेम अलाईज प्रभु सुपुत्र श्री बहेन राम	धोतर	19.12.1996
3	श्रीमति कमले ा पत्नी श्री सुभाश	धोतर	4.1.1997
4	श्री हरी सिंह (लम्बरदार)	बरवाला	7.2.1997
5	श्री जीत राम सुपुत्र हगारी राम	धोतर	19.2.1997
6	श्री संतरी राम सुपुत्र देवी लाल	धोतर	25.2.1997
7	श्री हेम राज सुपुत्र श्री बदरी राम	धोतर	25.2.1997
8	श्री साधु राम सुपुत्र श्री गोपाल	धोतर	20.2.1997
9	श्रीमति बलजीत सुपुत्री बलजिन्द्र	गिदड़ावाली	27.2.1997
10	श्री नरे ा कुमार	रानियां	7.2.1997

श्री भागी रामः अध्यक्ष महोदय, मंत्री महोदय ने अपने जवाब में कुछ मरने वालों की सूची पे ा की है, लेकिन सही मायने में अब तक मरने वालों की संख्या 20 से भी ज्यादा है। अगर आप ठीक समझें तो मैं उनके नाम, गांव का नाम, उम्र, पिता का नाम वगैरह विवरण सूची पे ा कर सकता हूं। मेरे पास लिस्ट है। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, मंत्री महोदय ने अपने जवाब में कहा है कि जिस आदमी को यह बीमारी है, उसको तीन टीके लगाए जाने

जरूरी है जो बहुत महंगे हैं तथा ये 3 टीके एक एक हजार रूपये के करीब कीमत के हैं। मैं मंत्री महोदय से पूछना चाहता हूं कि धोतर या आसपास के जिन गांवों में यह बीमारी फैली है, क्या वहां पर ये टीके लगवाएं गए हैं तथा किन किन लोगों को लगवाए गए हैं ? मंत्री जी या डायरैक्टर के जाने से यह बीमारी खत्म नहीं हो जाती या अगर कोई वहां पर डॉक्टर बिठा दिया जाए, उससे यह बीमारी खत्म नहीं हो जाती है। इनकी यह बात सही है कि ये वहां पर गए, लेकिन सिर्फ भाशण झाड़ कर आ गए।

श्री अध्यक्षः कृपया आप अपना प्र न पूछिए।

श्री भागी रामः अध्यक्ष महोदय, मैं प्र न ही पूछ रहा हूं। मंत्री महोदय जी की यह लिस्ट गलत है तथा मेरे हिसाब से मरने वालों की संख्या 20–21 है। दूसरी बात मैं यह पूछना चाहात हूं जैसे कि मंत्री जी ने भी माना है की इस बीमारी के मरीज 20–30 हो चुके हैं। इसलिए मैं मंत्री जी से यह पूछना चाहता हूं कि अब तक इस बीमारी के कितने टीके लगवाए गए ?

श्री ओम प्रका ा महाजनः अध्यक्ष महोदय, 5.3.97 तक हमने खून के 258 परीक्षण किए, जिनमें 20 लोगों का परीक्षण पोजीटिव पाया गया। इसके बाद फिर हमने दूसरा सर्वेक्षण कराया गया तथा बाकायदा एक टीम भेजी गई। 7 तारीख को मैं भी वहां पर गया था। अध्यक्ष महोदय, मैं भगवान से डरता हूं। माननीय सदस्य खुद मेरे साथ वहां चलें तथा अगर ये मरने वालों की

संख्या 7–8 से ज्यादा दिखा दें तो मैं इस्तीफा दे दूंगा। (थम्पिंग) स्पीकर सर, सच्ची बात ही बोलनी चाहिए, मेरे पास पूरा रिकार्ड है। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः श्री मनी राज जी, कृपया आप बैठिए। (विघ्न)

श्री ओम प्रका ा महाजनः अध्यक्ष महोदय, मैं बताना चाहता हूं कि कुल दस मौंतें हुई हैं। सात मौंतें धोतर गांव में हुई हैं। एक रानियां में, एक बरांवाली में और एक गिदड़ावाली में हुई हैं। 14 टीके हम लगा चुके हैं तथा जिन लोगों का परीक्षण पोजीटिव आया है, उसको टीका लगाओ या न लगाओ इससे कोई फर्क नहीं पडता है। लेकिन अध्यक्ष महोदय, अगर पति का पोजिटिव आया है तो उसकी पत्नी को टीका लगवाने जा रहे हैं। हम एक दो दिन में ही ऐसा करने जा रहे हैं।

इसी तरह से अगर किसी की पत्नी का पोजिटिव आया है तो उसके पति को लगाने जा रहे हैं। हमने फिलहाल 14 टीके लगाए हैं।

श्री धीरपाल सिंहः स्पीकर साहब, मेरा व्यवस्था का प्र न है। अभी हाउस में माननीय मंत्री जी सप्लीमैंटरी की रिप्लाई दे रहे थे तो उस दौरान हमारे माननीय सदस्य मलेरिया से मरने वाले व्यक्तियों की संख्या 10 से ज्यादा बता रहे थे। उस समय ट्रेजरी बैंचिज पर बैठे हुए माननीय सदस्यों ने अपनी मेंजें

थप–थपाकर यह जाहिर किया कि उन गरीब लोगों के मरने वालों की संख्या थोडी है। यह बहुत ही भार्मनाक बात है।

Mr. Speaker: This is no point of order. Please take your seat.

श्री ओम प्रका ा चौटाला: अध्यक्ष महोदय, स्वास्थ्य मंत्री जी ने इस बीमारी के उपचार का बडा विवरण किया और विवरण इस ढंग से किया जैसे वे एक क्वालिफाईड डॉक्टर हैं। प्र न इस बात का नहीं है कि वहां पर डैथस कितनी हुई हैं। लेकिन साईन यह है कि वहां पर डैथस बढती जा रही हैं। हमने एक एडजर्नमैंट मो ान आपकी सेवा में दायर की थी उसके बाद वहां पर करने वालों की संख्या बढी है। सवाल यह है कि सरकार की तरफ से वहां पर उस बीमारी को रोकने हेतु कोई प्रबंध किए गए या नहीं। अगर वहां पर वह बीमारी बढती चली गई और उसने एक महामारी का रूप धारण कर लिया तो उसके बहुत गम्भीर परिणाम निकल सकते हैं। यह जनहित का मुददा है। सवाल यह नहीं है कि वहां पर कितने आदमी मरे हैं और उस बात पर मेजें थपथपाई जाएं और मंत्री महोदय गर्व और फख्र से यह कहें कि मैं रिजाईन कर दूंगा। इन्हें खुद इस बात की जानकारी करनी चाहिए कि वहां पर कितने आदमी मर चुके हैं। सवाल यह नहीं कि इनकी बात सच्ची मानी जाए बल्कि प्र न यह है कि बीमारी को रोकने के लिए सरकार की तरफ से क्या प्रबन्ध किए गए हैं ताकि वह बीमारी और न बढ़े ?

श्री ओम प्रका ा महाजनः अध्यक्ष महोदय, मैं विपक्ष के माननीय नेता का एहतराम करता हूं। उनहोंने प्र न किया कि वहां पर उस बीमारी के कारण मौतें अब भी बढती जा रही हैं। माननीय अध्यक्ष महोदय, इनकी तरफ से 5 तारीख को काल अटैं ान मो ान आई और 27 तारीख तक वहां पर भगवान की कृपा से कोई मौत नहीं हुई। मैं माननीय विपक्ष के नेता को बताना चाहूंगा कि जो वैकसीन का टीका है वह एक टीका एक हजार रूपये का है। अगर कैलकुले ान करके सारे हरियाणा प्रदे ा की जनता को यह टीका लगाया जाये तो कम से कम हमें अढाई हजार करोड रूपए का प्रबन्ध करना पडेगा। इतने पैसे का सरकार के पास प्रावधान नहीं है। सरकार के पास क्या किसी के पास भी इतने पैसे का प्रावधान नहीं है। इसका एक ही तरीका है कि जब खून टैस्ट किया जाता है तो उस समय जिस आदमी का खून पोजिटिव होता है उसके परिवार वालों का यह टीका लगता है। सबसे जरूरी बात यह है कि यह रोग किस तरीके से फैलता है यह तीन कारणों से होता है। यह रोग ऐडस की तरह होता है। यौन संबंध से, सुई दोबारा प्रयोग करने से और गंदा भोजन और गंदा पानी पीने से। हमने इस बारे में लाखों की संख्या में इ तहार छपवाए हैं। और काफी गांवों में बंटवाए हैं। हमने उस पूरे जिले के अन्दर डॉक्टर्ज की 136 टीमें भेजी हैं। इसके अलावा वहां पर हमने वेकसीन के टीके फ्री रखे हैं।

श्री मनी रामः स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से बताना चाहूंगा कि मडिया साहब वहां पर जा कर आए हैं इसलिए इनको भी वैकसीन का टीका लगवाओं ताकि इनके अन्दर उस बीमारी के जो जीवाणु हैं वे मर जाएं। (हंसी)

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, स्वास्थ्य मंत्री ने इसके उपचार का तो बहुत अच्छा वि लेशण किया है लेकिन यह नहीं बतायाकि इस बीमारी के फैलने के मुख्य कारण क्या क्या रहे हैं। ये यह नहीं बता पाए कि यह गन्दा पानी कहां से आया। गन्दे पानी से यह रोग होता है तो क्या सरकार को अपने नागरिकों को स्वच्छ पानी देने का प्रबंध नहीं करना चाहिए। यदि यह रोग गन्दे पानी से हुआ तो गन्दा पानी कहां से आया, इसका स्पश्टीकरण नहीं दे पाये। मंत्री महोदय ने कहा कि इसकी रोकथाम के लिए एक इंजैक ान जो आता है वह 1000 रूपये का एक व्यक्ति को लगता है। मैं जानना चाहता हूं कि क्या सरकार एक इंसान की कीमत एक हजार रूपये ही आंकती है। क्या सरकार का फर्ज नहीं कि वह लोगों की जानमाल की हिफाजत करे। चाहे इनको पैसे का प्रबंध कहीं से करना पडे। सरकार की गलत नीतियों के कारण सरकार का राजस्व गलत जगह पर जा रहा है। इसकी तरफ ये ध्यान दें। (विघ्न)

श्री ओम प्रका ा महाजनः स्पीकर साहब, भारत सरकार की सर्वेक्षण रिपोर्ट के अनुसार 100 में से 5 व्यक्तियों को यानी 5 प्रति ात लोगों में ये जीवाणु हैं। जो लोग यहां पर बैठे हैं इनमें

भी 5 प्रति ात लोगों के अन्दर ये जीवाणु हैं। मैं बताना चाहूंगा कि ये जीवाणु हरेक को नुकसान नहीं करते। हजारों में से किसी एक व्यक्ति को यह बीमारी लगती है। मैंने पहले ही बताया है कि यौन संबंधों के कारण, गन्दा भोजन, गन्दा पानी पीने से या इस बीमारी के किसी व्यक्ति का खून चढने या उसकी यूज की हुई सुई को यूज करने से यह रोग होता है।

श्री बलवंत सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री महोदय से जानना चाहूंगा कि क्या हरियाणा प्रदे ा के अन्दर इस रोग की रोकथाम और जांच करने के लिए सरकार द्वारा कोई कदम उठाये गये हैं ताकि और लोगों में यह रोग न फैले। क्या सरकार की तरफ से पूरे प्रदे ा में इसकी जांच के लिए और उपचार के लिए कोई धनरा ि ा या माप दण्ड निर्धारित किए गए हैं ?

श्री ओम प्रका ा महाजनः अध्यक्ष महोदय, मैंने पहले भी अर्ज किया है कि पूरे हरियाणा के अन्दर इस रोग की जांच के लिए आदे ा दिए हुए हैं। इसके अलावा हम लौगों को कह रहे हैं कि वे इसकी जांच के लिए अपना खून टैस्ट करवायें। हमारे हर जिला हस्पताल के अन्दर रोग को चैक करने के लिए पूरा प्रबंध है और लोग चैक भी करवा रहे हैं।

वर्श 1996–97 के अनुपूरक अनुमान प्रस्तुत करना

Mr. Speaker: Now the Finance Minister will present the Supplementary Estimates for the year 1996-97.

Finance Minister (Sh. Charan Dass): Sir, I beg to present the Supplementary Estimates, 1996-97.

प्राक्कलन समिति को रिपोर्ट प्रस्तुत करना

Mr. Speaker: Now Sh. Narpender Singh, Chairman Committee on Estimates will present the Supplementary Estimates for Report of the Committee on Estimates on the Supplementary Estimates, 1996-97.

Chairman, Committee on Estimates (Sh. Narpender Singh): Sir, I beg to present Report of the Committee on Estimates on the Supplementary Estimates, 1996-97.

राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा

Mr. Speaker: Hon'ble Members, now the discussion on Governor's Address will take place. Sh. Kapoor Chand Vaid, M.L.A. will move the motion.

श्री कपूर चन्द भार्मा (ाहबाद): अध्यक्ष महोदय, आपकी अनुमति से मैं प्रस्ताव पे ा करता हूं– कि राज्यपाल महोदय को एक समावेदन निम्नलिखत भाब्दों में पे ा किया जाए:–

"कि इस सत्र में इकटठे हुए हरियाणा विधान सभा के सदस्य उस अभिभाशण के लिये राज्यपाल महोदय के अत्यन्त कृतज्ञ हैं जो उन्होंने 5 मार्च 1997 को सदन में देने की कृपा की है"

अध्यक्ष महोदय, 5 मार्च 1997 को महामहिम राज्यपाल महोदय ने अभिभाशण को इसी सदन में बडे ही प्रभाव ाली ढंग से पढा। हरियाणा सरकार ने अनेक पीढियों से चल रही अनेक बीमारियों की जड भाराब को बन्द करने का ऐतिहासिक एवं साहसिक निर्णय लिया। भारतीय जनता पार्टी के चुनाव घोशणा पत्र में और हरियाणा विकास पार्टी के चुनाव घोशणा पत्र में हमने और हमारी आदरणीय मुख्य मंत्री जी ने चुनावों के दिनों में जनता से यह वायदा किया था और घोशणा की थी कि सत्ता में आते ही हम भाराब बन्द करेंगे। चौधरी बंसी लाल जी जब 11 मई को मुख्य मंत्री बने तो सबसे पहला स्टैप यही लिया कि भाराब बन्दी का काम किया। जनता से जो वायदा किया गया था इस सरकार ने सत्ता में आते ही सबसे पहले उसको पूरा किया। हमारे पूर्वजों ने, ऋशि मुनियों ने भाुरू से ही इस बुराई को पहचाना और वे इसे बन्द करने में लगे हुए थे। महात्मा गांधी, महात्मा बुद्ध, स्वामी दयानन्द और सुभाश चन्द्र बोस जैसी महान विभूतियां भी इस बुराई को समाप्त करने के लिए अपने अपने वक्त पर क्रिया ील रहीं। इसी प्रकार गुरू नानक जी भी अपने प्रयासों में लगे रहे और भाराब जैसी बुराई को समाप्त करने के लिए अपने अपने ढंग से कार्य करते रहे। गुरू नानक देव जी ने तो यहां तक कहा थाः—

न ाा भंग भाराब का उतर जाए प्रभात,

नाम खुमारी नानका चढ़ी रहे दिन रात।

अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार का यह स्वपन था और हमारे पूर्वजों का भी यही स्वप्न था जिसे हमारी सरकार ने सत्ता में आते ही साकार किया है और जनता को इस सरकार से जो आ ाा थी सरकार ने उसको पूरा किया। भाराब पीने के कारण अनेकों प्रकार के संकट उत्पन्न होते रहे हैं। आए दिन लोग भाराब पीकर सडकों पर और गलियों में पडे रहते थे या वहां पर हुडदंग करते रहते थे और हमारी माताओं–बहनों के साथ आए दिन अत्याचार होते रहते थे। भाराब बंदी के बाद इस पर काफी हद तक रोक लगी है। इसी प्रकार से भाराब पीकर ड्राईवर अपनी गाडियों को चलाते थे जिसके कारण अनेकों एक्सीडैंटस आए दिन होते रहते थे। इस भाराब बंदी के लागू होने से एक्सीडैंटस की रे ाों में काफी कमी हुई है। भाराब पीकर लोग पहले सडकों पर मिला करते थे लेकिन अब वह स्थिति नहीं है। भाराब के कारण प्रदे ा में अ ाांति का जो माहौल बना हुआ था वह समाप्त हो गया है। भाराब पीकर लडाई झगडे आदि के जो केस थानों में आया करते थे उसमें भी काफी कमी हुई है। अध्यक्ष महोदय, भाराब बन्दी जैसा कार्य कर के हमारी सरकार ने बहुत ही प्र ांसनीय और सराहनीय कार्य किया है जिससे प्रदे ा में विकास और प्रगति की गति तेज हुई है। भाराब बन्दी से पहले भाराब पीकर लोग मार पीट किया करते थे। हुल्लडबाजी किया करते थे स्कूल और कॉलेज जाने वाली लडकियों को तंग और परे ाान किया जाता था। उन्हें छेडने की जो घटनाएं होती थीं, वह अब नहीं होती है। भाराब पीकर ड्राईवर्ज वाहन चालते रहे हैं जिसकी

वजह से एक्सीडैंटस होते रहते थे। **श्री भागीरामः** अध्यक्ष महोदय, 3–4 दिन से हमें ऐसी घटना देखने को मिली कि हमारे ओपोजी ान पार्टी के चौधरी ओमप्रका ा चौटाला, चौधरी धीरपाल सिंह, खटक साहब और कांग्रेस के चौधरी भजन लाल जी को इस सदन की भोश अवधि तक इस हाउस से सस्पैंड कर दिया और अध्यक्ष महोदय, कल आपने हमारी पार्टी के श्री कृश्ण लाल पंवार को भी नेम कर दिया। अध्यक्ष महोदय, हम चेयर की बडी कद्र करते हैं। (विघ्न) हम यह मान सकते हैं कि ऐसी परम्परा रहती है। परन्तु जब दलाल साहब रैजोल्यू ान पढ रहे थे तो उस रैजोल्यू ान की फोटोस्टेट कापी आपके हाथ में भी थी। दलाल साहब उस रैजोल्यू ान को पढ कर बैठे भी नहीं थे कि आपने झट से उन मैम्बर्ज को नेम कर दिया। अध्यक्ष महोदय, 1977 से आज तक कभी किसी सदस्य को हमने ऐसे नेम और सस्पैंड होते नहीं देखा। मैम्बर एक बार बाहर जाते हैं और 10 मिनट या आधा घंटा में दोबारा हाउस में बुला लिये जाते हैं। लेकिन बडे दु:ख के साथ कहना पडता है कि कृश्ण पाल को आपने नेम ही किया। आपने नेम करते ही मा र्ल की तरफ इ ाारा किया। अध्यक्ष महोदय, हम कुर्सी की बडी कदर करते हैं। लाखों लोगों ने हमें चुनकर भेजा है। (विघ्न)

अध्यक्ष महोदय, ये बार बार चेयर पर ऐसप र्न कास्ट करते हैं। इन्होंने कोई बात नहीं करनी वही रवैया रखना है जो पिछले सै ान में और इस सै ान में रखा है। अब ये वाक आउट

करने का बहाना ढूंढ रहे हैं। मेरा आपसे प्रार्थना है कि सदन की कार्यवाही चालू की जाये (विघ्न)

अध्यक्ष महोदय, आपके मुंह से जब "नेम" भाब्द निकला तो उसी समय आपने मा र्ल की तरफ इ ाारा किया कि इनको बाहर निकालो। इस बारे में क्या पता है कि पहले से कोई प्लानिंग बना रखी हो। आपके मुंह से "नेम" भाब्द निकलने की देर थी, पुलिस को आदमी हाउस के अंदर कूद कूद कर आ गए थे। (ाोर)

अध्यक्ष महोदय, पुलिस के आदमी कूद कूदकर अंदर आ गये थे (ाोर) स्पीकर साहब, पंजाब और हरियाणा के मुख्य मंत्रियों को भारत के प्रधान मंत्री ने बुलाय है। आज पंजाब और हरियाणा का किसान 415 रूपये प्रति क्विंटल के हिसाब से भारत सरकार की किसी भी ऐजेंसी को अपना गेहूं नहीं बेचेगा। अध्यक्ष महोदय, मैं इनको इसका जवाब दे देता हूं। मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी को बताना चाहूंगा कि मैंने प्रधान मंत्री जी को इस बारे में एक लैटर लिखा है। इसके साथ मैं यह भी बतान चाहूंगा कि परसों कैबिनेट सैक्रेटरी ने पंजाब और हरियाणा के चीफ सैक्रेट्रीज को बुलाया था। मैंने प्रधान मंत्री जी को जो पत्र लिखा है उसमें हमने यह मांग की है कि अगर आपने गेहूं का भाव 550 रूपये प्रति क्विंटल के हिसाब से नहीं किया तो किसान मंडियों में अपनी गेहूं नहीं लाएंगे क्योंकि जो व्यापारी लोग हैं वे उनके खेतों में खडी गेहूं को खरीदेंगे और महंगे भाव

में बेचेंगे। मंडियों में किसान 415 रूपये प्रति क्विंटल के हिसाब से किसान अपनी गेहूं नहीं बेचना चाहेंगे इसलिए आप गेहूं का भाव 550 रूपये प्रति क्विंटल का करें। अध्यक्ष महोदय, अखबारों में यह छपा है कि पंजाब और हरियाणा के चीफ मिनिस्टर्ज से प्रधान मंत्री जी बात करेंगे लेकिन अभी तक हमारे पास इस बारे में उनकी तरफ से कोई इनवीटे ान नहीं आया है। उनकी तरफ से इनवीटे ान आते ही हम वहां जाएंगे। आज फाइनैंस मिनिस्टर चिदम्बरम जी ने जो स्टेटमैंट दी है कि हम इसी भाव को कायम रखने के लिए गेहूं इम्पोर्ट करेंगे। मैं समझता हूं कि उनकी यह स्टेटमैंट बडी अनफार्चूनेट है। अगर वे दूसरी कंट्रीज से गेहूं लाते हैं तो वह रूपया समुद्र में जाएगा और हमारी फारने एक्सचेंज जाएगी। यदि वह पैसा हमारे किसानों को देंगे तो वह पैसा हमारे दे ा में ही रहेगा इसलिए हमारे किसानों को यह पैसा मिलना चाहिए तो हम इस चीज पर फर्म है। हम इस चीज से पीछ नहीं हटेंगे।

इसीलिए स्पीकर साहब, मैंने काम रोको प्रस्ताव दिया है। इस दे ा का अरबों रूपया दूसरी कंट्रीज में चला जाएगा। केन्द्र के वित्त मंत्री ने यह थ्रैट किया है कि इसी भाव को मेनटेन करने के लिए हम गेहूं आयात करेंगे। स्पीकर सहब, मैं यह कहना चाहूंगा कि मुख्यमंत्री जी जब वहां पर बात करने के लिए जाएंगे, उससे पहले सारे हाउस को कांफीडैंस में लेकर जाएं। ये वहां पर

गेहूं के भाव के बारे में किसानों के हितों पर विस्तार से चर्चा करें।

श्री अनिल विज (अम्बाला छावनी): अध्यक्ष महोदय, राज्यपाल महोदय का धन्यवाद प्रस्ताव पारित करने के लिए जो विधायक कपूर चन्द जी ने प्रस्ताव सदन के सामने रखा है, मैं उसका समर्थन करने के लिए खडा हुआ हूं। अध्यक्ष महोदय, राज्यपाल महोदय का अभिभाशण एक संवैधानिक प्रक्रिया के तहत हर साल बजट सत्र के आरंभ में दिया जाता है। राज्यपाल महोदय का जो अभिभाशण होता है वह उस सरकार की पिछले वर्श की कार गुजारी दिखाने वाला होता है। मैं अपोजी ान के लीडर्ज से भी इस बारे में बात कर लूंगा और जो ये कहेंगे वही बात मैं मान लूंगा क्योंकि किसानों के भले में ये भी हैं और हम भी हैं। (थम्पिंग) अध्यक्ष महोदय, भारत सरकार गेहूं इम्पोर्ट करने के लिए बाहर की कंट्रीज को जो पैसा देगी वह पैसा हमारे किसानों को मिलना चाहिए ताकि वह पैसा हमारे काम आए। यदि बाहर की कंट्रीज को वह पैसा जाएगा तो वह समुद्र में जाएगा। जहां से भारत सरकार गेहूं मांग रही है उस दे ा से वह गेहूं सस्ता नहीं पडेगा। भारत सरकार जो फारेन एक्सचेंज खर्च करना चाहती है वह हमारे किसानों को सबसिडी दे दे।

स्पीकर साहब, भारत सरकार ऑस्ट्रेलिया से सवा पांच सौ रूपये क्विंटल के हिसाब से गेहूं मांग रही है जबकि यहां के

किसान से 415 रूपये प्रति क्विंटल के हिसाब से लेना चाहती है। इससे बडी ज्यादती किसानों के साथ और क्या हो सकती है ?

अध्यक्ष महोदय, मैं इनको बताना चाहता हूं कि यह ऐडजर्नमैंट मो ान बनता नहीं क्योंकि यह भारत सरकार और पंजाब सरकार के बीच की बात है। मैं सदन को यह आ वासन देता हूं कि इस बारे में मैं अपोजी ान से बात करूंगा और बादल साहब से भी बात करूंगा। हम किसानों के हकों की पूरी रक्षा करेंगे। हम हरियाणा और पंजाब के किसानों को लुटवाना नहीं चाहते। (विघ्न)

अध्यक्ष महोदय, जैसे अभी पिछले दिनों एस0वाई0एल0 के मामले में, पानी के मामले में और चण्डीगढ के मामले में एक प्रस्ताव सरकार की तरफ से आया और जिसका हम सभी ने समर्थनप किया उसी तरह से हम चाहते हैं कि हमारे इस एडजर्नमैंट मो ान पर बहस हो ताकि मुख्यमंत्री जी को ऐम्पावर्ड करके, इनको भाक्ति देकर के हम भेजें इसलिए हम चाहते हैं कि इस पर चर्चा भाुरू की जाये। वैसे हमने सारी बात क्लीयर कर दी। हम बहस के लिए तैयार हैं, इसमैं ऐतराज की कोई बात नहीं है। लेकिन मैंने आपके सामने सारी स्थिति स्पश्ट कर दी है। (विघ्न)

अध्यक्ष महोदय, आपसे हमारा अनुरोध है कि आप विपक्ष के नेता चौधरी ओम प्रका ा चौटाला, भजन लाल, धीरपाल जी व रमे ा खटक को बुला लें क्यौंकि आज बहुत महत्वपूर्ण बिल पर

बहस होनी है। (विघ्न) गेहूं के मूल्य पर बातचीत के लिए सी0एम0 साहब ने कह दिया है कि वह इस पर अपोजी ान के नेताओं से बातचीत करेंगे। इसके लिए उनको हाउस में बुलाने की बात नहीं है। I request you to have patience.

अध्यक्ष महोदय, मैं एक बात आपके माध्यम से चौधरी वीरेन्द्र सिंह जी से कहना चाहता हूं कि हमने तो यमुना गंगा के किनारों को भाक्ति दे दी है। यू0पी0 में हमने अपनी भाक्ति दिखा दी है। जरा मेरी इनसे रिक्वैस्ट है कि ये कुछ ताकत सीताराम में भी पैदा करें। (विघ्न) देखिए, इस लोकपाल विधेयक पर सबसे पहले मैं समता पार्टी के सदस्यों से अनुरोध करता हूं कि यदि वे इस पर बोलना चाहते हैं तो बोलें। भागी राम जी आप बोलें।

अध्यक्ष महोदय, आप पहले भजन लाल, धीरपाल जी व चौटाला साहब व रमे ा खटक जी को तो वापस बुलायें क्योंकि यह बहुत महत्वपूर्ण विधेयक है। (ाोर एवं विघ्न) हमारी पार्टी के सीनियर नेता चौधरी धीरपाल सिंह जी चौथी बार विधायक बन कर आए हैं। इसी प्रकार पूर्व मुख्य मंत्री भजन लाल जी तथा हमारी पार्टी के युवा विधायक श्री रमे ा खटक जैसे महत्वपूर्ण व्यक्तियों की अपोजी ान नहीं होगी तो इस बिल पर चर्चा का कोई फायदा नहीं है। इसलिए अध्यक्ष महोदय, मैं यह निवेदन करता हूं कि चौधरी ओम प्रका ा जी चौटाला और दूसरे साथियों को हाउस में आने की इजाजत देने की कृपा करें, यह मेरी सबमि ान है। (विघ्न एवं भाोर) अगर आप इस बिल पर योजना

चाहते हैं तो आप बोलिये मैं आपको बोलने का मौका देता हूं। (विघ्न) मैं सभी को बोलने का मौका दूंगा इसलिए आप सभी लोग अपनी अपनी सीटों पर बैठें। (विघ्न एवं भाोर) अध्यक्ष महोदय, मैं आपसे यह सबमि ान करना चाहूंगा कि अगर विपक्ष के नेता और दूसरे निलम्बित साथियों को हाउस में बुलाए बिना इस पर डिस्क ान करते हैं तो यह बिल्कुल अनडैमोक्रेटिक बात होगी और इस बिल का कोई महत्व नहीं रह जाएगा। मैंने सबसे पहले समता पार्टी के माननीय सदस्यों से अनुरोध किया है लोकपाल बिल पर अगर वे बोलने के इच्छुक हैं तो बोलें। अगर वे इस पर बोलना नहीं चाहते हैं तो मैं किसी दूसरे मैम्बर को बोलने के लिए कहूंगा। (विघ्न एवं भाोर)

अध्यक्ष महोदय, लोक पाल की नियुक्ति का जो बिल लाया गया है यह बहुत ही महत्वपूर्ण बिल है और मैं इस बिल का स्वागत करता हूं। मैं यह चाहता हूं कि इस बिल पर बहस प्रारम्भ करने से पहले लीडर ऑफ दि अपोजी ान तथा हमारी पार्टी के नेता तथा श्री धीरपाल सिंह जी को हाउस में बुलाया जाता क्योंकि वे बहुत ही सीनियर और वरिश्ठ नेता हैं। (विघ्न) वे बहुत ही अनुभवी राजनीतिज्ञ हैं चौधरी भजन लाल करीब 12 साल तक मुख्यमंत्री के पद पर रहे हैं। लीडर ऑफ दि अपोजी ान अगर हाउस में न हों और इतने महत्वपूर्ण बिल पर चर्चा हो तो उसके कोई मायने नहीं रह जाते इसलिए उनकी भी मौजूदगी हाउस में होनी जरूरी है। अध्यक्ष महोदय, मैं लीडर ऑफ दि हाउस से

कहूंगा कि वे इस बारे में एक बार फिर से पुनर्विचार करने की कृपा करें। अध्यक्ष महोदय, जहां तकि इस बिल का संबंध है, आमतौर पर यह देखा गया है जो लोग पावर में होते हैं वे पावर के न ो मैं पूरे सिस्टम को स्पॉयल कर डालते हैं उन लोगों पर चैक रखने के लिए यह बिल लाया गया है। पहले जो लोग राजनीति में आया करते थे वे सो ाल सर्विस के लिए राजनीति में आते थे। मैंने अपने ही घर में अपने पिता जी को भी देखा है उनके अन्दर प्रिंसिपल्ज की बातें थीं। हमने कभी भी नहीं देखा कि उन्होंने अपने प्रिंसिपल्ज के साथ समझौता किया हो लेकिन धीरे धीरे कुछ ऐसे लाग राजनीति में आने लगे जिनकी बैकग्राउंड क्रिमिनल रही है जिसकी वजह से समाज सेवा के रूप में इल्लीगल और क्रिमिनल माफिया राजनीति में आ गया है। यह आपने यू0पी0 के अन्दर भी देखा कि फूलन देवी जीत कर आई और दूसरे भी ऐसे सदस्य हैं जो सेडिड बैकग्राउंड के हैं। वे भी यहां पर आ जाते हैं। मेरे कहने का मतलब यह है कि पिछली बार जब हाउस में ये लोक पाल बिल आया था तो इसे सिलैक्ट कमेटी को भेज दिया गया था। उस वक्त लीडर ऑफ दि हाउस ने आ वासन दिया था कि इसका जो पीरियड होगा वह तब से होगा, जब से हरियाणा बना है लेकिन अब इसमें 20 साल का पीरियड रखा है। अध्यक्ष महोदय, इसमें तो सब पार्टियों के मैम्बर्ज थे और जो उन्होंने हमें लिखकर भेजा है हमने उसे मान लिया है। अध्यक्ष महोदय, मैं इनसे यह कहना चाहूंगा कि इन्होंने ये कहा था कि जब से हरियाणा बना था उस वक्त से आज तक के सभी लोगों

को इसके दायरे में लिया जाएगा। लेकिन अब इसमें पिछले 20 वर्श के पीरियड को ही दायरे में लिया गया है। इस कमेटी में आपकी पार्टी के धर्मबीर गाबा भी थे, खु ीद अहमद भी आपकी पार्टी में ही हैं वे भी सिलैक्ट कमेटी में मैम्बर थे। यह तो यूनानिमस रिपोर्ट आई है।

अध्यक्ष महोदय, मैं हाउस के रिकार्ड की बात कर रहा हूं जो लीडर ऑफ दि हाउस ने कहा था उस बारे में बता रहा हूं। इस बारे में चाहें तो लीडर ऑफ दि हाउस ही बता दें। आज जिस तरह से डिफैक ान करवाया जाता है। आप रोज समाचार पत्रों में पढते हैं। आज ये हालात हो गए हैं कि चाहे म्यूनिसिपल कौंसिल हो, एम0पी0 हो या एम0एल0ए0 हो उनकी खरीद फरोख्त होती है।

अध्यक्ष महोदय, कैप्टन साहब जो बात कह रहे हैं ऐसी बात कहने से पहले इनको अपनी अन्तरात्मा में झांकना चाहिए, उसको झखझोरना चाहिए इनके जो सुझाव हैं वह बहुत ही अच्छे हैं और हम सुझावों से सहमत भी हैं लेकिन जो यह भ्रश्टाचार भाुरू हुआ वह इनकी पार्टी के नेता चौधरी भजन लाल ने किया। क्या इस बारे में बोलने से पहले इन्होंने अपनी अन्तरात्मा को झखझोरा था।

श्री ओम प्रका ा चौटाला (रोड़ी): अध्यक्ष महोदय, हरियाणा विधानसभा के बजट अधिवे ान में गवर्नर साहब के अभिभाशण पर चर्चा करने के लिए आपने मुझे बोलने का समय

दिया इसके लिए मैं आपका आभारी हूं। अध्यक्ष महोदय, डैमोक्रेटिस सिस्टम में प्रजातांत्रिक प्रणाली में राजनैतिक दलों के लोग जनता जनार्दन से कुछ चुनावी वायदे करते हैं अगर प्रदे ा और दे ा के लोगों से किसी पार्टी को सहयोग मिले और सरकार बनाने का अवसर प्राप्त हो तो उस सरकार की जिम्मेवारी होती है कि जनता से किए गए चुनावी वायदों को निभाएं। राजनैतिक लोग अपने लिखित चुनावी घोशण पत्र जनता में बांटते हैं। हरियाणा प्रदे ा में हविपा भाजपा गठबन्धन की सरकार आई। इस सरकार ने चुनावी वायदों को क्रियान्वित करने के लिए राज्यपाल महोदय, के अभिभाशण के माध्यम से जनता के समक्ष यह बात रखी कि हम यह करन जा रहे हैं। राज्यपाल महोदय ने अपने अभिभाशण में सर्व प्रथम कहा कि प्रदे ा में कानून व्यवस्था में सुधार हुआ है। इस सरकार ने गलत तथ्य उनके सामने रखे हैं। अध्यक्ष महोदय, यह जग जाहिर है कि और आप भी इस बात से सहमत होंगे कि मौजूदा सरकार के सत्ता संभालने के बाद कानून व्यवस्था की स्थिति पहले से ज्यादा खराब हुई है। आज लूट पाट, चोरी, डाके, कत्ल जैसी घटनाएं और भी ज्यादा बढ रही है। अध्यक्ष महोदय, मौजूदा हरियाणा सरकार महिलाओं की इज्जत बचाने एवं सुरक्षित रखने में पूर्ण रूप से विफल रही है। आपराधिक लोग महिलाओं की इज्जत पर हाथ डालने से संकोच नहीं करते। यह बहुत ही दुर्भाग्य की बात है कि मुख्य मंत्री के अपने जिला भिवानी के गांव अटेला में पिछडे वर्ग की एक 13 वर्शीय लडकी के साथ कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा बलात्कार किया गया। लडकी के पिता ने

इस बारे में पुलिस अधीक्षक से ि ाकायत की है कि बलात्कारी लोग बहुत प्रभाव ाली हैं और उनको राजनैतिक संरक्षण प्राप्त है इसलिए इस मामले की जांच दादरी या लोहारू के उप पुलिस अधीक्षक के बजाए किसी दूर के पुलिस अधीक्षक से करवायी जाए। बलात्कार की ि ाकार लडकी के पिता के पत्र से साफ जाहिर है कि यह धिनौना कृत्य करने वाले लोगों को भिवानी के सताधारी लोगों का संरक्षण प्राप्त है। स्पीकर सर, इतना ही नहीं आज प्रदे ा में बलात्कार व हत्याओं की घटनाओं में राज्य के मंत्रियों के नजदीकी रि तेदार भी भाामिल हैं। स्पीकर सर, इससे बडा जुल्म और क्या होगा कि अभी फरीदाबाद में एक चर्चा चली थी कि कृशि मंत्री के भाई ने एवं उनके दूसरे साथियों ने मिल कर एक मुस्लिम मेव महिला का अपहरण किया और बलात्कार किया। आज तक वह महिला बेचारी रोती फिर रही है लेकिन उसको कहीं इंसाफ नहीं मिल पाया है।

वैयक्तिक स्पश्टीकरण–

कृशि मंत्री, श्री कर्ण सिंह दलाल द्वारा

कृशि मंत्री (श्री कर्ण सिंह दलाल): अध्यक्ष महोदय, जैसा इंसान खुद होता है उसे दूसरे भी वैसे ही नजर आते हैं। श्री ओम प्रका ा चौटाला जी आप इपना इतिहास भूल गए। जब आप थोडे समय के लिए हरियाणा के मुख्य मंत्री बने थे तो किस तरह से सारे हरियाणा में हत्याएं, बलात्कार एवं गुंडागर्दी का सिलसिला

आपने स्वयं चलाया था। स्पीकर सर, जो इल्जाम इन्होंनें मेरे ऊपर लगाया है, वह सरासर गल्त है और यह इनकी बौखलाहट का ही परिचायक है।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, यह बात तो आम चर्चित है। वह महिला जगह जगह इंसाफ मांगती फिर रही है। उसकी दक दरख्वास्त मेरे पास भी है और अखबारों में भी यह खबर छपी है। स्पीकर सर, अगर सत्ता में बैठे हुए लोगों के नाम के आगे इस तरह से प्र न चिन्ह लग जाएं तो यह उनकी जिम्मेदारी है कि वे उसका स्पश्टीकरण करें तथा उसे टालने का प्रयास न करें। अगर बात गलत होगी तो उसके सबूत मिलेंगे लेकिन जो घटना हुई है उसका स्पश्टीकरण तो देना पडेगा।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से हमारे जो विपक्ष के नेता हैं उनसे कहना चाहता हूं कि जिम्मेदार सदस्य की तरह यहां अपना आचरण प्रस्तुत करें। जहां तक लिखने का सवाल है, इनके पास भी लिखकर आया है। स्पीकर सर, मेरे पास यह फाईल है जिसमें इनके सगे भाई ने सिरसा के पुलिस कप्तान को लिखकर भेजा है कि ओम प्रका ा चौटाला जी के पास 500 करोड रूपये की जायदाद है। (ाोर एवं व्यवधान) कहां से इन्होंने धन इकटठा किया है, कहां से इन्होंने जायदाद बनाई है। जब ये मुख्य मंत्री थे तब इनका सगा लडका फाइव स्टार होटलों में लड़कियों के साथ बदतमीजी करता था। (ाोर एवं विघ्न)

श्री अध्यक्षः मेरी माननीय सदस्यों से प्रार्थना है कि आप आराम से सुनें जब आपके लीडर खडे हों, तो आप थोडा चुप रहें।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, कोई भी सदस्य अपना स्पश्टीकरण दे सकता है। यह उसका अधिकार है लेकिन उसे यह भी समझ कर चलना चाहिए कि अगर किसी के खिलाफ किसी प्रकार की इंक्वायरी चल रही है और अगर वह जूडि ायल मैटर है तो उसमें दखल नहीं दिया जा सकता है। इस प्रकार से ये अपनी बात से नहीं बच सकते हैं जो आम चर्चा का विशय बना हुआ है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, मामला चाहे किसी अदालत के विचाराधीन के विचाराधीन हो लेकिर हरियाणा प्रदे ा की जनता यह अच्छी तरह से देख रही है कि कौन सा सदस्य क्या काम कर रहा है, उनका परिवार क्या काम कर रहा है। अगर मेरे परिवार का कोई सदस्य गलत काम करेगा तो उसकी सजा मैं ही भुगतूंगा। जिस तरीके से इन्होंने गलत आरोप लगाया है यह सरासर निराधार है लेकिन जो मैंने इनके खिलाफ बात कही है वह तो इनके सगे भाई ने कहा है। उसने ऐफीडेविट दिया है और इनकी सम्पति की जांच सी0बी0आई0 से कराने की मांग की है। ये यह भूल गये कि हरिजन महिला के साथ इनके सगे भाई ने बलात्कार करने की कोि ा ा की। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वाइंट ऑफ आर्डर है और सुझाव भी है कि कोई भी माननीय सदस्य किसी प्वायंट पर या किसी आरोप पर, जो उसके खिलाफ लगाया जाता है, उस पर बजाय बीच बीच में टोकने के लिए उस प्वायंट को नोट कर ले और बाद में उस पर बोले। बार बार बीच में उठ कर टोकना नहीं चाहिए।

श्री कर्ण सिंह दलालः भजन लाल जी, अगर आप चाहें तो आपकी फाइल भी मेरे पास रखी है।

श्री भजन लालः जब मैं बोलूंगा तो तेरी फाइल के बारे में भी बता दूंगा। आपके भाई दारू बेचें और आप यहां बैठ कर बात करते हैं। (ाोर एवं विघ्न)

श्री अध्यक्षः धीर पाल जी, आप बैठ जाइए।

राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, बात कानून और व्यवस्था की है और कानून व्यवस्था से जुडे हुए मामले अगर इस सदन के सम्मानित सदस्यों के पास किसी तरफ से आएंगे तो उनका उल्लेख किया जाना जरूरी है। मैंने वह उल्लेख किया है जिसकी दरखास्त मेरे पास आई है। अध्यक्ष महोदय, मैंने यह बात आपके समक्ष कही है। इस प्रकार की अनेकों घटनाएं हैं इसमें कोई दोशी है या नहीं, यह अलग बात है लेकिन अगर रक्षक ही भक्षक बन जाएंगे तो प्रदे ा की जनता को इंसाफ कहां से मिल

पाएगा। अध्यक्ष महोदय, इसी प्रकार से गन्नौर के उप मण्डल राजलू गढी में एक महिला के साथ बलात्कार किया गया और अपनी इज्जत के साथ खिलवाड का सदमा वह बर्दा त न कर सकी। अगले दिन अपने ऊपर मिटटी का तेल छिडक कर उसने अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। निरंतर बिगड रही कानून व्यवस्था की क्या मिसाल दूं कि गुडगांव की दूसरी कक्षा में पढने वाली लडकी के साथ बलात्कार किया गया और इतना कृत्य करने के बाद 11 वर्शीय रिंकु की हत्या कर दी गई। दिसंबर 1996 में हथीन के समीपवर्ती गांव की हरवती का अपहरण और उसके साथ असामाजिक तत्वों ने बलात्कार किया। इसी उप मंडल के पहाडी रावत की अव्यस्क युवती का अपहरण कर लिया गया और उस हरिजन युवती के साथ बलात्कार किया गया। मां अपनी बेटी से दुश्कर्म को बर्दा त नहीं कर सकी और उसने अपनी जीवन लीला समाप्त कर दी। इसी प्रकार से हिसार जिले के आदमपुर में किसी लडकी के नग्न चित्र खींचकर उसको ब्लैकमेल किया गया। उसके यौवन का भाोशण किया जा रहा था और यह मामला आदमपुर मंडी के श्री मदन लाल महाजन की ि ाकायत पर दर्ज किया गया। जब से हविपा/भाजपा गठबन्धन की सरकार ने राज्य में सत्ता को संभाला है इस प्रदे ा में तीन माह के अन्दर चार बम विस्फोट हो चुके हैं। अभी गृह मंत्री महोदय ने बताया कि एक बम विस्फोट में एक व्यक्ति गिरफ्तार हुआ है लेकिन तीन ऐसे बम विस्फोट हुए हैं, एक पानीपत, एक सोनीपत और एक रोहतक में उनका अभी कोई पता नहीं चल पाया है। अध्यक्ष महोदय, जगाधरी में रेलवे

कर्मचारियोंय की सूझबूझ से एक भाक्ति ाली बम विस्फोट होते होते टल गया क्योंकि उसको पहले ही ट्रेस आऊट कर लिया गया वरना एक भयानक दुर्घटना घट सकती थी। आज सारे प्रदे ा में एक अराजकता का माहौल बना हुआ है दिसम्बर 1996 में अम्बाला में स्टे ान पर जेहलम एक्सप्रैस में एक भाक्ति ाली बम विस्फोट हुआ। कुछ दिन पहले झज्जर तहसील में डावलागर गांव में दो लडकों का अपहरण हो गया उनके मां बाप रोते बिलखते फिर रहे हैं लेकिन उन बच्चों का कोई पता नहीं है। (विघ्न)

मुख्यमंत्री (श्री बंसी लाल): यह कौन से पुलिस स्टे ान में पडता है।

श्री ओम प्रका ा चौटाला: यह झज्जर कांस्टीच्युएंसी में पडता है और कांता जी को सब पता है। यकीनन प्रदे ा में कानून व्यवस्था की स्थिति खराब हो गई है। मेरे से पूर्व श्री विज ने बताया कि प्रदे ा में कानून व्यवस्था की स्थिति में इसलिए सुधार हुआ है क्योंकि इस प्रदे ा में भाराब का सेवन मुकम्मल तौर पर बन्द कर दिया है। हमने पिछले अधिवे ान में भी कहा था और इस बात को फिर दोहराते हैं कि हम भाराबबंदी के पक्षधर हैं। लेकिर सरकार भाराब बंदी करने में मुकम्मल तौर पर विफल रही है। हरियाणा प्रदे ा के गृह मंत्री श्री मनीराम गोदारा जी ने पिछले अधिवे ान में एक बात कही थी कि भाराबबंदी करके हमने हरियाणा के लोगौं को तीन हजार करोड रूपया बचाया है क्योंकि यह पैसा लोग भाराब पर खर्च करते थे और अब उनको

भाराब नहीं मिलेगी। लेकिन भाराब की तस्करी में 15 हजार करोड रूपया लोगों की जेब से निकलता है। आज हर गली में भाराब की तस्करी हो रही है और यह तस्करी सत्ता में बने हुए लोगों की वजह से हो रही है। आज पुलिस बेबस है। एक पुलिस कप्तान ने लिखित रूप में ि ाकायत चीफ सैक्रेटरी महोदय को की थी कि आज भाराब बंदी में पुलिस बेबस है क्योंकि आज भाराब के तस्करों के पास सौफिसिटकेटिड हथियार हैं सेलुलर फोन हैं और उन तस्करों की संख्या पुलिस से कहीं अधिक होती है। जब पुलिस उनको पकडने की कोि ा ा करती है तो वे पुलिस पर जानलेवा हमला करते हैं। जब चीफ सैक्रेटरी ने समन्वय समिति में इस बात को उठाया और डायरैक्टर जनरल ने इस मामले को लेकर बात की तो उन्हौंने भी इस बात की पुश्टि की कि वाकई ऐसा काम हो रहा है। आज सरकार ने पुलिस अधिकारियों को यह इंस्ट्रक ांज जारी कर रखी है कि पुलिस किसी भाराब के तस्कर को नहीं पकडेंगी बल्कि डी0सी0, एस0डी0एम0 या ई0टी0ओ0 ही उनको पकड सकते हैं या छापा मार सकते हैं। जब लोहारू के डी0ई0टी0ओ0 श्री भीश्म ने एक वैन को पकडा जिसमें पुलिस के कुछ सिपाही भी थे तो उसके बाद सरकार ने और हिदायतें जारी कर दी कि अब डी0सी0 और ई0टी0सी0 उस आदमी पर छापा मारेंगे जिसके बारे में वजीर कहेंगे क्योंकि एक वजीर को दो दो जिलों का कार्यभार सौंप दिया है। अब उन वजीरों से उन आफिसरों को हिदायतें मिलती रहती है। वह सामने जो मंत्री जी बैठे हैं, वे एक अच्छे आदमी हैं, बहुत नेक इंसान हैं लेकिन इनके

घर में भी भाराब बिकती है। अध्यक्ष महोदय, मैं कोई अनर्गल प्रचार नहीं कर रहा हूं। (विघ्न) मैं हाऊस में जो कुछ भी कहूंगा, तथ्यों पर आधिरित बात ही कहूंगा। अध्यक्ष महोदय, इसी 15 तारीख को एक वकील के घर पार्टी थी और दूसरे वकील भाईयों ने उस अवसर पर कहा कि भाराब भी होनी चाहिए। उनको यह कहा गया कि भाराब की तो बंदी है। इस पर एक भाई ने कहा कि भाराब तो जरूर बंद है लेकिन मंत्री महोदय के घर से भाराब जरूर मिल सकती है। लोगों ने कहा कि ठीक है ले आओ। (विघ्न) पहले मेरी बात सुन लीजिए उसके बाद आप कह लीजिए। इस पर एक लडका मोटर गाडी में बैठ कर जाने को तैयार हो गया लेकिन उसने यह कहा कि मेरे साथ एक और लडका साथ में बैठ जाये, जिससे किसी को भाक न हो। पिछले महीने की 15 तारीख को उस लडके ने श्री गणे ी लाल जी के घर से पीटर स्कॉच की दो बोतल भाराब लाकर दी है। इसी प्रकार से आज ये हालात हैं।

वैयक्तिक स्पश्टीकरण–

खाद्य मंत्री, श्री गणे ी लाल द्वारा

खाद्य एवं पूर्ति मंत्री (श्री गणे ी लाल): सम्मानीय अध्यक्ष महोदय, विपक्ष के नेता ने बडे ही लच्छेदार भाब्दों में कहा है कि गणे ी लाल बहुत नेक आदमी हैं, जिम्मेदार विधायक हैं लेकिन इसके साथ ही साथ बाद में यह कह दिया कि उनके बच्चे

भाराब में संलिप्त हैं या उनके घर से भाराब की बोतलें उपलब्ध हुई हैं। इस सदन को अपमानित करने के अलावा ये और कुछ नहीं कर रहे हैं। हाऊस में उपस्थित हम सभी यहां पर बैठे हुए हैं। ये हरियाणा के मुख्यमंत्री भी रह चुके हैं तथा दे ा में विपक्ष के महान नेता के रूप में माने जाते हैं। अगर ये किसी भी व्यक्ति को, चाहे वह पुलिस विभाग से हो या कोई एम0एल0ए0 हो या कोई और इनका चाहने वाला हो तथा जो इनके कहने पर 100 प्रति ात झूठ भी बोल सकता हो, उसको मेरे घर भेजकर पता कर सकते हैं। लेकिन इनको भाराबबंदी की विफलता के लिए इस प्रकार से ऐसे भाब्दों का प्रयोग नहीं करना चाहिए। मैं विपक्ष के नेता से प्रार्थना करना चाहूंगा कि वे इस प्रकार से सदन को गुमराह न करें।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, मैं आपसे यह प्रार्थना करना चाहता हूं कि आज सारा सदन यहां पर बैठा हुआ है और वह दिन भी आपको याद होगा जब हम और आप विपक्ष में एक साथ बैठा करते थे। उस समय आदरणीय ओम प्रका ा चौटाला भी सदन में सदस्य थे। इनकी गुमराह करने की कोई नई आदत नहीं है। पिछले विधान सभा सत्र के दौरान जब इनके ऊपर घडियों की तस्करी की बात दोहराई गई थी तो वे श्री ओम प्रका ा चौटाला जी ने सदन को गुमराह करने की कोि ा ा की थी। उन दिनों श्री जगदी ा नेहरा पार्लियामैंटरी अफेयर्ज मिनिस्टर हुआ करते थे। उन्होंने सदन में जब तथ्य पे ा किए तो इन्होंने

सदन को गुमराह किया था। ऐसी बात नहीं है, यह बात सारा प्रदे ा जानता है तथा सारा सदन जानता है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से प्रार्थना करना चाहता हूं कि आपकी अध्यक्षता में पिछले दिनों से सदन कार्यवाही बहुत अच्छी तरह से चल रही है, सभी माननीय सदस्यों को आप बोलने का मौका दे रहे हैं। इसलिए मेरी इनसे प्रार्थना है कि ये सदन को गुमराह करने की कोि ा ा न करें बल्कि सरकार की जो कमियां हैं, उनके बारे में सच्चाई पे ा करें।

श्री ओम प्रका ा चौटाला: अध्यक्ष महोदय, मैंने जो बात कही है, वह बिल्कुल तथ्यों पर आधारित बात है। अगर कर्ण सिंह दलाल जी के मुताल्लिक यह बात होती तो वे बोल सकते थे। इसलिए इनको बोलने का अधिकार नहीं है। लेकिन गणे ाी लाल जी जो एक योग्य मंत्री हैं उनके प्रति मुझे आंतरिक दु:ख है कि ऐसे व्यक्ति के बच्चे ऐसा काम करते हैं।

श्री जगबीर सिंह मलिक: अध्यक्ष महोदय, विपक्ष के नेता ने सत्ता पक्ष पर आरोप लगाया है। मेरे हलके का एक प्रमाण है कि श्री ओम प्रका ा चौटाला का फोटो भाराब के तस्करों के पास है। उनका यह फोटो उनकी पार्टी के एक पदाधिकारी व 4 अन्य व्यक्तियों जो कि पार्टी के ही कार्यकर्ता हैं, के पास है। (ाोर)

राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, हम तो इस बात के पक्षधर हैं कि सरकार इसको सख्ती से बंद करने के लिए कदम उठाए लेकिन भाराब बंद नहीं हो रही है। आजकल भाराब की तस्करी हो रही है और तस्करी भी बहुत बडे पैमाने पर हो रही है। अध्यक्ष महोदय, आज भाराब बंदी के मामले को लेकर 32000 मुकदमें दर्ज हुए हैं। सरकार ने उन मुकदमों का फैसला करेन के लिए 9 मैजिस्ट्रेट स्पे ान मुकर्रर किए। उनमें से दो मैजिस्ट्रेटस ने तो रिजाईन कर दिया। उन 32000 मुकदमों में से 9 महीने के अर्से में केवल 70 केसिज का फैसला हुआ है और वे भी ऐसे केसिज हैं जिन्होंने उनमें यह एडमिट किया है कि हां हमने ऐसा काम किया है। अध्यक्ष महोदय, किस प्रकार से यह सरकार काम चला पएगी। आज सारे प्रदे ा की हालत यह है कि आज सारे प्रान्त में भाराब बहुत ज्यादा बिक रही है और भाराब बिक ही नहीं रही बल्कि नाजायज भाराब भी काफी मात्रा में निकाली जा रही है। नकली भाराब निकालने के कारण अब से पहले हूच ट्रेजडी में 25 लोग मारे जा चुके हैं। अध्यक्ष महोदय, इस सरकार के डी0आई0जी0 (सी0आई0डी0) ने करनाल के सुपरिन्डैंट पुलिस को एक चिटठी लिखी कि फलां गांव में फलां डेरे में नकली भाराब की कसीद हुई है लेकिन वहां के एस0पी0 ने लिखकर कह दिया कि नहीं जहां भाामली गांव में हूच ट्रेजडी से 8 आदमी मरे हैं जब उस बारे में छानबीन की गई तो उस वक्त वहां पर वहां का डी0सी0 और एस0पी0 मौजूद थे। जिस डेरे का मैंने जिक्र किया है उस डेरे के मालिक को जब लोगों के समक्ष पे ा किया गया तो

उसने कहा कि हम भाराब निकालते हैं और हम करनाल के एस0पी0 को उसके लिए 60 हजार रूपए माहवार देते हैं। ऐसी हालत है और ऐसी हालत पूरे प्रदे ा में व्याप्त है।

श्री बंसी लालः वह एस0पी0 वहां से चला गया है।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः वह एस0पी0 वहां से चला गया या नहीं इस बात में मैं नहीं जाना चाहता। आज मुख्य मंत्री जी आपके अपने जिले के लोहारू बार्डर पर एक एस0पी0 इस बात के लिए तैनात किया हुआ है कि वह भाराब की तस्करी को रोके। उस एस0पी0 के पास केवल चार की गार्द है वह किस प्रकार से भाराब की तस्करी रोक पाएगा। जब लोगों का सरकारी संरक्षण प्राप्त होगा तो भाराब की तस्करी कैसे रूक पाएगी।

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, वहां पर जो एस0पी0 तैनात है उसको हम 50 पुलिस कर्मी और दे देंगे। गाडियों की अभी कमी है। पुलिस वालों ने 106 गाडियों के लिए दो महीने से आर्डर प्लेस कर रखे हैं। वह गाडियां आते ही उनको नई गाडियां मिल जाएंगी ताकि वह तस्करों का ठीक ढंग से पीछा कर सकें। वे सब हिसाब से डील करेंगे।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, अभी कुछ साथी कह रहे थे कि 85 परसैंट भाराब बंद है। मुख्य मंत्री जी की काबिना के एक वजीर हैं विनोद कुमार मढिया उनका अखबारों में बयान छपा कि हरियाणा प्रदे ा में 80 फीसदी भाराब तो बंद हो

गई और 20 फीसदी भाराब उस दिन बंद हो जाएगी जिस दिन मुख्यमंत्री जी चाहेंगे। इसका मतलब यह हुआ कि 20 फीसदी भाराब की तस्करी स्वयं मुख्य मंत्री जी करवा रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, इससे आप स्वयं अंदाजा लगा सकते हैं कि क्या हालत हैं। हम इस बात के पक्षधर हैं कि भाराब बंद हो।

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, यह बात सही है कि प्रदे ा में 85 परसैंट से ज्यादा भाराब बंद है। अगर मुख्य मंत्री के चाहने से भाराब बंद हो गई होती तो अब से पहले 100 फीसदी बंद हो गई होती। अध्यक्ष महोदय, ताजेरात हिन्द को पास हुए 150 साल से ज्यादा अर्सा हो गया, कत्ल भी औफैंस हैं, डाका भी औफैंस हैं, रेप भी औफैंस हैं और चोरी भी औफैंस हैं लेकिन फिर भी आज तक ये अपराध हो रहे हैं, 100 फीसदी तो वह भी बंद नहीं हुए हैं अमेरिका में हैराइन के औफैंस के लिए फांसी लगती है लेकिन फिर भी वहां पर कहीं ने कहीं से वह ली जाती है।

चिकित्सा ि ाक्षा राज्य मंत्री (श्री विनोद कुमार मढिया): अध्यक्ष महोदय, मैंने यह कहा था कि हरियाणा प्रदे ा में 80 फीसदी भाराब बंद है और 20 फीसदी भाराब उस दिन बंद हो जाएगी जिस दिन इस बारे में हरियाणा प्रदे ा की जनता का पूरा सहयोग हमें मिलेगा। अखबार वाले कुछ भी लिखें। मैंने यह नहीं कहा था कि 20 फीसदी भाराब उस दिन बंद हो जाएगी जिस दिन मुख्य मंत्री जी चाहेंगे।

श्री सतपाल सांगवानः अध्यक्ष महोदय, ये भाराब बिकाने वाले दूसरों पर दाग लगाने से पहले अपने घर को तो देख लें। (ाोर एवं विघ्न)

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से गवर्नर महोदय ने अपने अभिभाशण में जिन जिन विशयों को उठाया है, उन प्वायंटस को थोडा थोडा टच करूंगा। मैंने तो कानून की बिगडती हुई स्थिति की चर्चा करनी है। अनिज विज ली ने बोलते हुए कहा था कि गऊ क ाी मुकम्मल बंद होनी चाहिए लेकिन मैं विज साहब से कहना चाहूंगा कि उनको यह बात कहने से पहले अपने मुख्य मंत्री से पूछ लेना चाहिए था कि मुख्य मंत्री ने पुन्हाना में यह कहा था कि आवारा किस्म की जो गऊंए हैं उनको काटने का मैं पक्षधर हूं। (ाोर एवं विघ्न)

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, यह बिल्कुल गलत और निराधार बात है। मैंने हरियाणा में बूढी और खराब गऊंए काटे जाने के बारे में कोई बात नहीं कही। ये फिरोजपुर झिरका का जिक्र कर रहे हैं। इस बारे में नगीना में बात हुई थी और सूरजपा जी मंत्री जो बी0जे0पी0 के हैं वे भी मेरे साथ उस वक्त थे। मैंने कोई ऐसी बात नहीं कहीं कि बूएी या नकारा गउंओं को काटा जाये। यह बात बिल्कुल निराधार है। घड घड करके ये बात कोई कहीं तो फिर इनकी बातों का खुदा ही जाने क्या होगा। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः मनी राम जी कम से कम अपने लीडर का तो ध्यान रख लिया करें।

श्री धीरपाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, एक मैम्बर को अपनी बात कहने का अधिकार है। सांगवान साहब भी तो बीच में खडे होकर बिना आपकी परमि ान के बोलने लग जाते हैं। (विघ्न)

श्री राम बिलास भार्माः अध्यक्ष महोदय, इस सै ान के पहले दिन चौटाला साहब ने सदन में कहा था कि पिछली बार जो मुझे भुगतना पडा, वह घटना अब नहीं होगी तो हम सबने चैन लिया था। अध्यक्ष महोदय, चौटाला साहब अपनी बात फिर किसी न किसी रूप में कह जाते हैं जो ठीक नहीं है। चौटाला साहब, इस प्रदे ा के मुख्यमंत्री रह चुके हैं। ये अपनी पार्टी के नेता हैं। स्पीकर साहब, कई बार जो जिम्मेवार होता है उसका रूतबा बडा होता है तो उसकी जिम्मेदारी बढ जाती है। मैं बताना चाहूंगा कि मेघालय की सरकार ने अपने गवर्नर महोदय के अभिभाशण में हरियाणा की भाराब बंदी के बारे में दो पैराग्राफस रखे हैं। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, मुरारी बापू ने समुन्द्र और आसमान में भारत को उगाया है। अभी पिछले दिनों रोहतक में उनकी एक सप्ताह कथा हुई। उस समय उन्होंने कहा था कि हमारे दे ा में सुभाश और बापू गांधी का सपना पूरा होता नहीं दिख रहा था लेकिन भाराब बंदी के लिए मैं हरियाणा की सरकार का अभिनन्दन करता हूं। अध्यक्ष महोदय, एक माननीय साथी ने श्री गणे ाी लाल जी पर इल्जाम लगा दिया। मैं बताना चाहूंगा कि भाराब बंदी के लिए

महेन्द्रगढ में 54 गाडियां लगा रखी हैं। वहां पर न जाने कितने पुलिस के कर्मचारी इस काम में लगे हुए हैं। मैं तो बताना चाहूंगा कि एक अन्डर वर्ल्ड का तस्कर यानि भाराब का माफिया गिरोह सक्रिय हो तो कितनी दिक्कत आती है, आप अन्दाजा लगा सकते हैं। हमने हजारों लोगों को पकडा है और उन पर मुकदमा डाला है। ये विनोद मढिया की भी स्टेटमैंट को तोड मरोड कर पे ा कर रहे हैं। इसी प्रकार से गणे ी लाल जी को भी इन्होंने जिक्र किया। (विघ्न)

अध्यक्ष महोदय, आप जानते हैं कि चौधरी ओम प्रका ा चौटाल जी भाब्दों के कलाकार और बाजीगर हैं और मामले को टविस्ट करते हैं। विनोद मढिया इस सदन में बैठे हैं और ये उनके हवाले से कह रहे हैं कि वे मुख्य मंत्री की हवा में हैं। स्पीकर सर, यह अच्छी बात नहीं है। स्पीकर सर, मैं आपके माध्यम से चौटाला साहब से बडे अदब के साथ यह अर्ज करता हूं कि या तो वे किसी पर आरोप नहीं लगाएं और यदि वे कोई आरोप लगाते हैं तो उस पर टिकें भी। गणे ी लाल जी के बाबत जो बात उन्होंने यहां पर कही है उसके बारे में वह चाहे अपने किसी एम0एल0ए0 से ही जांच करवा लें। अगर उस आरोप में एक परसैंट भी सच्चाई हो तो आप सदन की एक कमेटी बना दैं, वह कमेटी जो भी अपना फैसला देकर सजा देगी हम वह भुगतने को तैयार हैं। इतने मन के साथ पूरे हरियाणा में हम चौधरी बंसी लाल जी के नेतृत्व में भाराब बंदी पर काम कर रहे हैं जिसकी सारे प्रदे ा की जनता में

प्र ांसा हो रही है लेकिन वे इस प्रकार की बात कह रहे हैं। (विघ्न)

श्री ओम प्रका ा चौटालाः स्पीकर साहब, आप जिस पर मेहरबान हो जाते हैं, आप उसको बहुत ज्यादा समय बोलने के लिए दे देते हैं। बात तो प्वायंट आफ आर्डर की होती है लेकिन भार्मा जी भाशण देने लग जाते हैं। इन्हें पता ही नहीं लगता कि वे प्वायंट आफ आर्डर पर बोल रहे हैं, भाशण दे रहे हैं या गवर्नर एड्रैस पर रिप्लाई दे रहे हैं। भाायद वे मुख्य मंत्री बनने का ख्वाब ले रहे हैं। रिप्लाई देने का काम चौधरी बंसी लाल का है इनको यह अवसर मिलने वाला नहीं है।

श्री बंसी लालः स्पीकर सर, यह सारी काबिना की जिम्मेदारी है। यह ज्वायंट जिम्मेदारी है।

श्री राम बिलास भार्माः स्पीकर सर, चौधरी ओम प्रका ा चौटाला ने प्रौफेसर गणे ाी लाल जी के बारे में तथा उनके घर के बारे मैं जो बात कही है, उसके बारे में हम उसकी जांच इन्हीं की पार्टी के किसी भी एम0एल0ए0 से करवाने के लिए तैयार हैं। (विघ्न) स्पीकर साहब, या तो कोई बात कही न जाए और यदि ये कोई बात कहें तो उस पर इन्हें टिकना चाहिए। इस तरह से भाब्दों की बाजीगरी से बातों को इधर उधर नहीं किया जा सकता है। (विघ्न) हम इस मामले में इनकी पार्टी के चौधरी धीरपाल सिंह जी से जांच करवाने के लिए तैयार है। अध्यक्ष महोदय, आप एक

जांच कमेटी बना दें जिसकी अध्यक्षता चौधरी धीरपाल सिंह जी करें। उस कमेटी का जो फैसला होगा हमें वह मंजूर होगा, उस कमेटी की रिपोर्ट सदन में आने दीजिए। (विघ्न)

श्री ओम प्रका ा चौटालाः स्पीकर साहब, इन्होंने पहले भी कई कमेटियां और कमी ान बनाने की बात कही है और कई कमेटियां बनाई भी हैं। (विघ्न) स्पीकर साहब, मैं अपनी बात पर ही आ रहा हूं। गवर्नर महोदय ने अपने अभिभाशण में हरियाणा प्रदे ा में सिंचाई की व्यवस्था का भी बहुत ही अच्छा उल्लेख किया है। अध्यक्ष महोदय, पानी की हालत यह है कि सिंचाई तो दरकिनार पीने का पानी भी पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध नहीं है। स्पीकर साहब, एस0वाई0एल0 का जिक्र कर दिया जाता है लेकिन उस पर काम करनेका इस सरकार ने ले ामात्र भी प्रयास नहीं किया है। यमुना जल समझौता हुआ जिसकी वजह से हरियाणा प्रदे ा का बे ातर पानी दूसरे प्रदे ाों में चला गया। अध्यक्ष महोदय, आज उस पर कहीं भी मुख्य मंत्री जी नहीं बोले। आज कहीं पर भी मुख्य मंत्री इस विशय पर बोल नहीं रहे हैं। मुख्य मंत्री जी इसी सदन में चुनाव से पहले इस तरफ बैठा करते थे और जब यमुना जल समझौता हुआ था तब कहते थे कि हरियाणा प्रदे ा के लोगों के लिए यह एक बडा घातक समझौता है लेकिन आज वे ट्रेजरी बैंचिज पर बैठे हुएहैं और आज वे इस पर कोई बात नहीं कह रहे हैं। वे इसलिए कोई बात नहीं कह रहे हैं क्योंकि राम बिलास भार्मा और कमला वर्मा से उन्हें डर लगता है।

क्योंकि उन्होंने यमुना जल समझौते पर सहमति दी है। उनके हित राजस्थान के साथ जुडे हुए हैं और इनके साथ आज भारतीय जनता पार्टी के हित जुडे हुए हैं। चाहे उसके लिए हरियाणा प्रदे ा के हित सनब हो जाएं इसकी चिन्ता इन्हें नहीं है। इनकी पार्टी के राश्ट्रीय सचिव ने खुलकर बयान दिया कि यमुना जल समझौता ठीक है।

स्थानीय भाासन मंत्री (डॉ0 कमला वर्मा): स्पीकर साहब मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। अध्यक्ष महोदय, विपक्ष के नेता की अपनी एक जिम्मेदारी होती है इसलिए उसे जिम्मेदारी से कोई बात कहनी चाहिए। हम अपनी जिम्मेदारी जानते हैं, भारतीय जनता पार्टी अपनी जिम्मेदारी जानती है इनको चिन्ता नहीं करनी चाहिए। अध्यक्ष महोदय, हम हरियाणा में हरियाणा के हितों की बात करते हैं, ये किस आधार पर कहते हैं कि हमें हरियाणा के हितों की चिन्ता नहीं है।

श्री ओम प्रका ा चौटाला: अध्यक्ष महोदय, इनसे पूछिये कि इन्होंने यमुना जल समझौते की सराहना की है या नहीं की है। भारतीय जनता पार्टी ने यमुना जल समझौते का पक्ष लिया है या नहीं लिया है। (विघ्न) यह एस0वाई0एल0 की बात नहीं है, यमुना जल समझौते जो किया गया है उसकी बात है (विघ्न एवं भाोर) अध्यक्ष महोदय, मैं यह कहने जा रहा था कि आज यमुना जल समझौते पर चर्चा नहीं हो रही है। उसका कोई जिक्र नहीं हो रहा है। जिसकी वजह से हरियाणा प्रदे ा के 14 जिले पीने के पानी

से महरूम हैं। राम बिलास भार्मा जी के जिले को भी पानी यमुना जल समझौते से मिलना है लेकिन वे बेबस हैं, लाचार हैं और मजबूर हैं इसलिए कुछ कर नहीं पा रहे हैं। (घण्टी)

17.00 बजे।

अध्यक्ष महोदय, आप घडी के हिसाब से टाईम न देखें। मुझे तो बोलने ही नहीं दिया गया है। ये बीच बीच में टोक रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, आप पहले मैम्बर्ज की संख्या के हिसाब से टाईम तय कर लें। आप बार बार घण्टी बजा बजाकर मेरा संतुलन बिगाड रहे हैं। (हंसी)

श्री अध्यक्षः बिजनैस एडवाईजरी कमेटी में यह तय हुआ था कि गवर्नर एड्रैस पर डिस्क ान के लिए 7 घंटे होंगे। इसका मतलब यह हुआ कि एक एम0एल0ए0 के लगभग साढे चार या पांच मिनट हुए। तो आपकी पार्टी का टाईम 110 मिनट है। आपने 4.20 पर बोलना भाुरू किया था। अब आप चाहें तो 110 मिनट बोल लें मुझे कोई एतराज नहीं है।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, मुझे जो बार बार इन्ट्रप्ट किया गया है। मुझे तो बोलने का अवसर ही नहीं दिया गया है। मेरी तो अभी दो ही प्वायंटस पर बात हो पाई है। हम गवर्नर एड्रैस के हर मुददे को टन नहीं करेंगे, आपके समक्ष अगर सही तथ्य नहीं लाएंगे तो आपके द्वारा हरियाणा प्रदे ा के लोगों के सामने सही तस्वीर कैसे जाएगी। यह सही तस्वीर तो

लौगों के पास जानी चाहिए। अध्यक्ष महोदय, आज बिजली एक अहम मुददा है जिसके बारे में सरकार बडे बुलंद बांग दावे कर रही है कि बिजली के निजीकरण से यह लाभ होगा। जब निजीकरण की बात को लेकर के बिजली मंत्री ने इस्तीफा दिया तो सरकार को अपनी इस भूल को सुधारने का एक अवसर मिला। अब उसका नाम निजीकरण की जगह पर सुधारीकरण दे दिया। अध्यक्ष महोदय, चुनाव से पहले चौधरी बंसी लाल की पार्टी और भाजपा के लोगों ने बडे ही बुलंद बांग दावे किये थे। चौधरी बंसी लाल जी कहते थे कि बिजली 24 घंटे देंगे, बिजली सस्ती देंगे, 24 घंटे में ट्रांसफार्मर्ज बदलेंगे और 24 घंटे में टयूब्वैल के लिए कनैक ान देंगे जो कि व्यावहारिक ही नहीं है। अध्यक्ष महोदय, टयूबवैल्ज के लिए कनैक ान कुछ समय में देना दरकिनार है। उसके लिए दरख्वास्तें दी जाती हैं, फिर उनकी जांच पडताल की जाती है, उसके बाद टैस्ट रिपोर्ट आती है, फिर सिक्योरिटी जमा होती है। उसके बाद उसका फासला नापा जाता है, खम्बे डाले जाते हैं और फिर तारें बिछाई जाती हैं, ट्रांसफार्मर लगाये जाते हैं, मीटर लगाये जाते हैं। लेकिन ये तो 24 का आंकडा पकड कर चल दिए। जब से इनकी सरकार बनी है और ये मुख्य मंत्री बने हैं तबसे लेकर आज तक इन्होंने कुछ नहीं किया है। अध्यक्ष महोदय, यह रिकार्ड की बात है कि 74 हजार टयूबवैल्ज के कनैक ांज पैंडिंग पडे हैं। नौ महीने से ज्यादा का अर्सा इस सरकार को हो गया है और आज तक एक भी टयूबवैल्ज का कनैक ान नहीं दिया गया है। बिजली सस्ती दने की बजाए महंगी हो गई है। कोई भी

ट्रांसफारमर बदलने की काम नहीं किया गया है और अब बिजली महंगी की आड को लेकर के इसका निजीकरण करने की बात की जा रही है। अध्यक्ष महोदय, मुझसे पूर्व दो साथियों ने खासकर के अनिल विज ने कहा था कि इस सुधारीकरण से बहुत लाभ होगा। हमारे पास और कोई रास्ता नहीं होगा। हम इसको निजीकरण करना चाहेंगें। अध्यक्ष महोदय, आज हरियाणा सरकार के समक्ष एक नक ाा है, एक जर्मनी की पार्टी है। उस पार्टी से ये तीन करोड रूपए में मोड्रनाईजे ान करवाना चाहते हैं। आज हरियाणा प्रदे ा का एक थर्मल प्लांट है और उसके मोड्रनाईजे ान के लिए एक जर्मन की कम्पनी को तीन सौ करोड में कांट्रैक्ट देने की योजना बनाई जा रही है और उसके मुकाबले में हमारी BHEL कम्पनी वाले कहते हैं कि 40 करोड रूपए में इस सारे सिस्टम को ठीक कर देंगे और उनसे अच्छे ढंग से बिजली मिलेगी। अध्यक्ष महोदय, यह सिस्टम बदलने का विचार पिछली सरकार के वक्त में भी था। उस वक्त बिजली बोर्ड के चेयरमैन मिस्टर ओझा थे, उनका एक प्रपोजल था। हरियाणा प्रदे ा का एक आई0ए0एस0 अधिकारी मिस्टर विनीत नैयर जो कि कि आजकल एक अमरीकन कम्पनी के अन्दर ऑफिसर लगा हुआ है। उसकी यह मं ाा थी कि बिजली का निजीकरण किया जाए और उसी हिसाब से आज प्रदे ा का सारा पैसा लूटने की योजना बनाई जा रही है। अध्यक्ष महोदय, अगर उसकी मोड्रनाईजे ान 40 करोड में हो सकती है तो इस बारे में 3 सौ करोड रूपए खर्च करने की क्या आव यकता है। अध्यक्ष महोदय, पानीपत थर्मल प्लांट के जो 110–110 मैगावाट के

चार यूनिटस हैं, अगर 3 सौ करोड रूपए खर्च करके उनकी मोड्रनाईजे ान की जाएगी तो 110 मैगावाट वाला 118 मैगावाट बिजली देगा। ऐसा करने से केवल 32 मैगावाट ज्यादा बिजली मिलेगी। सिर्फ 32 मैगावाट बिजली के लिए 3 सौ करोड रूपए खर्च किये जाएं यह ठीक नहीं है। अध्यक्ष महोदय, अब एक और टैण्डर मिला है। अनिल विज साहब कह रहे थे कि हमारे पास पैसा नहीं। एन0टी0पी0सी0 आज भी पैसा देने को तैयार है। आज भी उनके पास पैसा है, बिजली है और वे देना चाहते हैं। अगर इसका निजीकरणहो जाएगा तो किसान को जो सबसीडाईज्उ रेट पर बिजली मिलती है वह किसी भी कीमत पर नहीं मिल सकेगी। आज तो किसान को रियातन रेट पर बिजली मिलती है। लेकिन अगर बिजली व्यापारी के हाथ चली जाएगी तो वह सस्ती कैसे मिलेगी। उद्योग धंधों की भी बिजली महंगी मिलेगी। यह बिजली करीब पांच या साढे पांच रूपये यूनिट के हिसाब से मिलेगी। अध्यक्ष महोदय, हमारी यह हालत हो गई है कि सरकार ने अपने साढे नौ महीनें के भाासनकाल में एक भी एम0ओ0यू0 साईन नहीं किया है। इसके अलावा 250 से अधिक बडे कारखाने हमारे यहां से पलायन करके चले गए हैं। इस तरह से कैसे इस प्रदे ा का उद्योग बढेगा। अध्यक्ष महोदय, एक तरफ तो हमारे उद्योग धंधे ठप्प हो जाएंगे और दूसरी तरफ उपभोक्त को भी बिजली महंगे दाम पर मिलेगी और साथ ही किसान को भी बिजली पर मिलने वाली सबसिडी समाप्त हो जाएगी। इसके अलावा जो हमारी हजारों करोडों रूपये की सम्पत्ति है जो कि थर्मल प्लांट या सब स्टे ांज

एंव स्टे ांज में लगी हुई है, वह सारी की सारी प्राइवैट हाथों में चली जाएगी। आज सरकार कह रही है कि हम तो केवल डिस्ट्रीब्यू ान ही प्राईवेट हाथ में देने जा रहे हैं लेकिन डिस्ट्रीब्यू ान का ही प्राईवेटाइजे ान नहीं होगा बल्कि आहिस्ता आहिस्ता मुलाजिमों की छंटनी हो जाएगी। बिजली बोड में 54 हजार मुलाजिम काम करते हैं अगर यह प्राईवेट हाथों में चली जाएगी तो अब जो हमारे ये कर्मचारी हैं वे प्राईवेट लोगों के साथ रहेंगे या उनकी छंटनी होगी इस बारे में कुछ पता नहीं है। प्राईवेट कम्पनी वाले तो छंटनी करेंगे और अगर वे ऐसा करेंगे तब फिर हमारे मुलाजिम कहां जाएंगे ?

वैयक्तिक स्पश्टीकरण–

मुख्य मंत्री, श्री बंसी लाल द्वारा

मुख्य मंत्री (श्री बंसी लाल): अध्यक्ष महोदय, मेरी पर्सनल ऐक्सप्लेने ान है। अध्यक्ष महोदय, चौटाला साहब कह रहे हैं कि निजीकरण के बाद बिजली महंगी होगी लेकिन मैं इस सदन को इस बारे में आ वासन देता हूं कि पावर जनरे ान आज जो हमारे पास है वह हमारे पास ही रहेग्री। पावर की जो कैरिज है, ट्रांसमि ान है वह 66 के0वी0 की लाईन तक हमारे पास ही रहेगी। जो बिजली का डिस्ट्रीब्यू ान का सिस्टम है उसे ही आप प्राईवेट कह सकते हैं या आप उसको ज्वाईंट वैंचर को देने के बारे में कह सकते हैं। यह प्राईवेट डिस्ट्रीब्यू ान केवल 11 के0वी0

की लाईनों तक होगी। जो कि कंज्यूमर एंड तक जाती है। इन्होंने कह दिया कि इस नाम पर बिजली प्राईवेट कम्पनी को दे दी या कुछ और कर दिया लेकिन मैं कहता हूं कि इस नाम पर कोई पैसा नहीं बढेगा। अभी चौटाला साहब ने पानीपत थर्मल प्लांट के 110–110 मैगावाट के 4 यूनिटस अपग्रेड करने एवं ऐफि ाएन्सी बढाने के बारे में कह दिया कि बी0एच0ई0एल0 चालीस करोड रूपये में ही काम करने को तैयार है। लेकिन जो काम जर्मन की कम्पनी करना चाहती है अगर चौटाला साहब बी0एच0ई0एल0 से वही काम करवा दें तो हम दो सौ करोड रूपये दे देंगे।

राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, मैं इनसे यह पूछना चाहूंगा कि डिस्ट्रीब्यू ान का प्राईवेटाइजे ान क्यों करने जा रहे हैं और इससे क्या लाभ होने जा रहा है ?

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, डिस्ट्रीब्यू ान को हम इसलिए प्राईवेट करने जा रहे हैं क्योंकि इस समय जो हमारे लाईन लौसिज हैं वह 31 या 32 परसैंट हैं। यह लाईन लौसिज इसलिए होते हैं क्योंकि इसमें 15 परसैंट बिजली की चोरी होती है और हम उस चोरी को रोकना चाहते हैं। इस चोरी को रोकने की मुखालफत वही लोग करते हैं जो बिजली की चोरी करते हैं या जो बिजली की चोरी करवाना चाहते हैं। इनके अलावा हिन्दुस्तान में और कोई इस बात की मुखालफत नहीं करता है।

श्री ओम प्रका ा चौटाला: अध्यक्ष महोदय, हम तो सुनते थे कि इनकी ऐडमिनिस्ट्रे ोन पर बहुत अच्छी पकड है और ये कहते थे कि मैं सारे ऐडमिनिस्ट्रे ान को ठीक चलाऊंगा लेकिन अगर इनके काबू में छोटे से लाईनमैन और जे0ईज0 नहीं आ सके तो फिर क्या होगा ? आज जो मुख्य मंत्री जी के प्रिंसिपल सैक्रेटरी मि0 जैन हैं तो जब मैं प्रदे ा का चीफ मिनिस्टर था इस समय इनको बिजली बोर्ड का चेयरमैन बनाया गया था। इसलिए वे इस बात को जानते होंगे। यह रिकार्ड की बात है कि उस समय लाईन लौसिज घटा कर बीस परसैंट हो गये थे और बिजली बोर्ड को आठ करोड रूपये का मुनाफा हुआ था। आज ये बिजली की चेरी स्वयं करवा रहे हैं फिर चोरी कैसे रूकेगी ? इसलिए ही आज प्राईवेट डिस्ट्रीब्यू ान ये करवा रहे हैं क्योंकि ये पैसा वसूल नहीं कर सकते।

श्री बंसी लाल: अध्यक्ष महोदय, यह तो मैं अपना जवाब देते समय बताऊंगा कि जब ये मुख्य मंत्री थे तो उस समय बिजली बोर्ड में कितना मुनाफा था। मैं तो यह रिकार्ड देखकर ही बताऊंगा।

श्री ओम प्रका ा चौटाला: बता देना। जब आपके प्रिंसिपल सैक्रेटरी उस समय बिजली बोर्ड के चेयरमैन थे तब बीस परसैंट लाईन लौसिज थे लेकिन अब ये चालीस परसैंट कह रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, हमारे समय में आठ करोड रूपये प्रति महीने बिजली बोर्ड ने मुनाफा देना भाुरू कर दिया था। अभिभाशण में

कहा गया है कि पानीपत थर्मल प्लांट की छठी यूनिट जो 210 मैगावाट की है, सरकार उसको एक इंग्लि ा कम्पनी को देने जा रही है। उसको 100 करोड रूपये में यह ठेका देने की बात हो रही है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, आन ऐ प्वांयट आफ क्लैरिफिके ान। ये वैसे ही पब्लिसिटी करना चाहते हैं। अभी तक हमने किसी को देने की कोई बात नहीं की है। टैंडर हमने किसी को नहीं दिया। (विघ्न) ये जो कहते हैं कि इनऐफि िाएंसी से चला रहे हैं तो मैं बताना चाहता हूं कि छठा यूनिट इनके टाइम में पडा रहा और चौधरी भजन लाल के राज में भी पडा रहा। (ाोर एवं विघ्न)

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, छठे यूनिट के लिए हमारे समय में 80 करोड रूपये की म ाीनरी भी खरीद ली गई थी। भजन लाल जी की सरकार भी रही और उस समय में उस सामान पर डैमरेज लगता गया। उस पर 600 करोड रूपये की लागत आती है। आपके पास पैसा नहीं है आज इसलिए आप प्राईवेट हाथों में देने जा रहे हैं। (ाोर एवं विघ्न) अध्यक्ष महोदय, अभी गवर्नर महोदय के अभिभाशण में एक बात आई है कि 25–25 मैगावाट के 41 यूनिट सरकार भाुरू करने जा रही है जिनमें से 14 यूनिट की सैंक ान दी जा चुकी है। एक पैट्रोलियम प्रौडक्ट नैप्था से बिजली तैयार होगी। आज कोयले से तैयार होने वाली बिजली सस्ती पडती है नैपथा से तैयार होने वाली बिजली

महंगी पडेगी। साढे चार रूपये पर यूनिट के हिसाब से पडेगी। आज कॉस्ट आफ प्रौडक ान की तरफ किसी का ध्यान नहीं है। इस बिजली बोर्ड को बेचने की योजनाएं बनाई जा रही हैं और इनकी विफलता का इससे बडा सबूत और क्या होगा कि बिजली मंत्री ने निजीकरण के मुददे पर आज त्याग पत्र दे दिया। वे बधाई के पात्र हैं जिन्होंने हरियाणा के हित को ध्यान में रखते हुए एक बोल्ड कदम उठाया है। आज बिजली बोर्ड के कर्मचारी उनका ऑनर करते हैं इंजीनियर किस्म के लोगों ने कहा कि हमारे प्रदे ा के लोगों का हित इनके हाथों में सुरक्षित है। इसी प्रकार से आज ये डिस्ट्रीब्यू ान की बात करते हैं और इसको चार जोनों मे ंबांटने की बात है इन्हौंने उसके लिए रोहतक, सोनीपत, पानीपत और करनाल का ही क्यों चयन किया। जिस दक्षिण हरियाणा के लोगों ने 26 सीटें इनकी झोली में डाल दीं उस भिवानी, महेन्द्रगढ, गुडगांव और फरीदाबाद का चयन इन्होंने इस निजीकरण के लिए क्यों नहीं किया ? जो स्लैब रेट चौधरी देवी लाल जी के भाासन काल मैं था वह आप क्यों नहीं कर रहे हैं। रोहतक, सोनीपत, पानीपत और करनाल के लोगों को ही यह तोहफा क्यों देने जा रहे हैं ? सरकार की विफलता का इससे बडा सबूत और क्या होगा कि जो बिजली का पैसा वसूल नहीं कर सकती, जो डिस्ट्रीब्यू ान का सिस्टम ठीक नहीं कर सकती। छोटे से लाइनमैन और जे0ई0 पर पकड नहीं कर सकती। (ाोर एवं व्यवधान) विदे ाी कम्पनियों के इस क्षेत्र में आने से किसान

सबसिडी से महरूम हो जाएगा। उद्योग धंधे पलायन कर जाएंगे। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री बंसी लालः हम किसी विदे ाी कम्पनी को बिजली का ठेका नहीं देने जा रहे हैं। पता नहीं ये कहां से घड कर लाए हैं। क्या इनके पास खबरें घडने का कारखाना लगा हुआ है, खडे खडे खबरे घड देते हैं।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मुख्यमंत्री जी से आन दि फलोर आफ दी हाउस यह आ वासन चाहूंगा कि वे निजीकरण नहीं करने जा रहे हैं।

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, प्राइवेटाइजे ान जो नये प्लांट आएंगे उन्हीं में होगा। डिस्ट्रीब्यू ान का जहां तक ताल्लुक है वह चाहे जवायंट वैन्चर में हो या प्राईवेट में लेकिन हमको बिजली के लाईन लौसिज घटाने हैं।

श्री बलवंत सिंहः यह चार जिलों में ही क्यों करने जा रहे हैं। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री बंसी लालः बलवन्त सिंह जी आप वाले जिले छोड दें। हमारे जिलों में ले जाएं। मंजूर हैं आपको, बता मान ली। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री ओम प्रका ा चौटालाः हम तो निजीकरण के खिलाफ हैं। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री जय सिंह राणाः चार जिलों में ही क्यों करने जा रहे हैं, भिवानी, महेन्द्रगढ, गुडगांव में क्यों नहीं कर रहे हैं। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री राम बिलास भार्माः अध्यक्ष महोदय, चौटाला साहब और बाकी सब चौधरी जसवंत सिंह की बात कर रहे हैं। Sh. Jaswant Singh is very much in favour of generation of electricity. He is an Hon'ble Member of this August House. ये इस बात को तोड मरोड कर कह रहे हैं कि बाकायदा इन्होंने इस बात को कहा है। (विघ्न)

जन स्वास्थ्य मंत्री (श्री जगन नाथ): अध्यक्ष महोदय, एक बात चौटाला साहब ने कही है कि 17 जिलों में से 14 जिलों को ही पीने का पानी मिलता है। मैं इनसे पूछना चाहता हूं कि वे तीन कौन से जिले रह गये हैं।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, मैंने कहा था कि यमुना का जल 14 जिलों को प्रभावित करता है। यमुना का पानी 14 जिलों में जाता है। अध्यक्ष महोदय, मैं बताने जा रहा था कि बिजली के निजीकरण से किसानों की सबसिडी समाप्त हो जायेगी। हमारे कर्मचारियों की छंटनी हो जायेगी क्योंकि प्राईवेट लोग हमारे कर्मचारियों को कैसे रखेंगे ? (विघ्न)

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, मैं यह क्लीयर कर देना चाहता हूं कि किसानों की सबसिडी बदस्तूर जारी रहेगी और

किसी भी कर्मचारी की छंटनी नहीं होगी। जो कर्मचारी अब सर्विस कर रहे हैं वे जारी रहैंगे और उनकी सर्विस कंडी ान में किसी प्रकार की तबदीली नहीं आयेगी।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री जी अभी भी हाऊस को गुमराह कर रहे हैं। ये सबसिडी का पैसा जुटाने की स्थिति में नहीं हैं इसलिए बिजली का निजीकरण कर रहे हैं। अगर इनके पास पैसा है तो फिर निजीकरण क्यों करने जा रहे हैं।

श्री बंसी लालः सबसिडी के बारे में रयमूर फैलाने से हमारी सेहत पर कोई असर नहीं पडता।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः तथ्य तो तथ्य हैं। ये कहते हैं कि निजीकरण से 7–8 प्रति ात लाईन लौसिज बचा लेंगें लेकिन अध्यक्ष महोदय, इससे बिजली कितनी महंगी हो जायेगी। (विघ्न)

श्री बंसी लालः 7–8 प्रति ात से ज्यादा बल्कि 18–20 प्रति ात लाईन लौसिज को बचा लेंगे।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः लेकिन प्राईवेट हाथों में जब बिजली चली जायेगी तो किसानों को फायदा कैसे पहुंचा पायेंगे। किसानों को लाभ पहुंचाना तो सरकार की जिम्मेदारी बनती है। बिजली के माध्यम से ही किसानों को फायदा पहुंचाया जा सकता है। जब बिजली का निजीकरण हो जायेगा तो किसानों को

टयूबवैल के कनैक ान कैसे मिल पायेंगे। एक बिजली के टयूबवैल कनैक ान की कीमत 40 हजार रूपये होती है लेकिन निजीकरण हो जाने के बाद प्राईवेट कम्पनी वाले 40 हजार रूपये खर्च क्यों करेंगे। जब बिजली का निजीकरण हो जायेगा तो प्राईवेट कम्पनी वलो तो उन्हीं अधिकातिरयों को मुफ्त बिजली देंगे जिनसे उनका वास्ता पडेगा। उनको वे बिना पैसे बिजली सप्लाई करेंगे। इसलिए अध्यक्ष महोदय, बिजली के निजीकरण के लिए हम इसका विरोध करते हैं कि बिजली का निजीकरण किसी भी कीमत पर नहीं होना चाहिये। अध्यक्ष महोदय, इसी प्रकार से आज भाराबबंदी का जिक्र आया। (विघ्न)

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, आप देख रहे हैं कि किस तरह से विपक्ष के नेता सदन को गुमराह कर रहे हैं। हमने जो प्रदे ा में बिजली के 18 प्रति ात लाईन लौसिज थे उनको कम करने के लिए यह निजीकरण की बात की है। विपक्ष के नेता भूल गये कि इनके समय में लाईन लौसिज 26 प्रति ात होते थे उसके बाद इनके दूसरे भाई का राज आया और उन्होंने किस गलत तरीके से बिजली का दुरूपयोग किया यह सारे प्रदे ा की जनता जानती है। ये कहते हैं कि इनके समय में बिजली की व्यवस्था ठीक थी, यह सब लोग जानते हैं। जब इनके समय में थर्मल प्लांट लगाने की बात आई तो इन्होंने कितना काम किया यह सब जानते हैं। कितने उद्योगों को बिजली मिलती थी और उपभोक्ता को कितनी बिजली मिलती थी। यमुनानगर में जब थर्मल

प्लांट लगाने की बात आई तो इन्होंने कहां लगवाया। अध्यक्ष महोदय, इस समय लोकपाल विधेयक पर जनरल डिस्क ान चल रही है। हम इसे फर्स्ट स्टेज पर कंसिड्रे ान भी कह सकते हैं। मेरा आपसे अनुरोध है कि बिल की सैकेण्ड स्टेज पर जब क्लॉज बाई क्लाज आप रीडिंग लें तो आप इस बात का वि ोश ध्यान रखने की कृपा करें। हमने कोि ा ा की है कि इस बिल को एकमत से पारित किया जाए लेकिन बहुत से मुददों पर समता पार्टी के लोगों की रिजर्वे ान और हमारी भी पार्टी की रिजर्वे ान है। मैं यह भी चाहूंगा कि जब आप क्लॉज बाई क्लॉज इस बिल को लें उस वक्त भी अगर कोई सुझाव हो तो उस पर विचार करें। हमें यह कोि ा ा करनी चाहिए कि हम किस प्रकार से बेहतरीन तरीके से इसे लागू कर सकते हैं। दूसरी बात मैं लोकपाल विधेयक के बारे में यह कहना चाहूंगा कि पिछले सै ान में यह बिल सदन के अन्दर प्रस्तुत किया गया था। इस बिल पर उस वक्त यह सहमति हुई थी कि इस विधेयक पर ज्यादा गहराई से अध्ययन करने के लिए और दूसरे प्रान्तों में जिनमें लोकपाल है उनमें किस किस्म के विधेयक लोक पाल के बारे में हैं, उनका अध्ययन करने के लिए यह जरूरी है कि कुछ समय मिले। इसी बात के तहत इस सदन के आदरणीय सदस्यों की एक सिलैक्ट कमेटी का गठन किया गया था। सिलैक्ट कमेटी की रिपोर्ट मैंने देखी है। पिछले दो अढाई महीने के अर्से में इस सिलैक्ट कमेटी की चार मीटिंग हुईं। इन चार मीटिंगों में से दो मीटिंगों में ही इस विधेयक के बारे में फैसला किया गया है। अध्यक्ष महोदय,

सिलैक्ट कमेटी का एक तरीका होता है और कमेटी को यह अख्तियार दिया जाता है, बाकायदा उसको एडवर्टाईज किया जाता है। अखबारों और समाचार पत्रों के माध्यम से तथा टैलीविजन और रेडियो के माध्यम से जनरल पब्लिक की भी इसमें ओपीनियन ली जाती है। अध्यक्ष महोदय, जो स्वैच्छिक संस्थाएं हैं, वॉलैन्टरी संस्थाएं हैं, डिस्ट्रिक्ट बार ऐसासिए ान, हाई कोर्ट बार ऐसोसिए ान, हाई कोर्ट बार कौंसिल है और जो रिटायर्ड जजिज हैं तथा हिन्दुस्तान के ज्यूरिस्ट हैं उनसे इस बारे में विचार लिए जाते लेकिन जिस तरह से सिलैक्ट कमेटी ने अपनी रिपोर्ट पे ा की है मुझे नहीं लगता है कि इस बारे में ठीक तरह से ध्यान दिया गया है। अध्यक्ष महोदय, प्रान्त के अंदर पिछले दिनों जिस तरह से भ्रश्टाचार ने अपने हाथ पैर फैलाये, आज जो राजनैतिक प्रणाली चल रही है, प्रजातान्त्रिक प्रणाली चल रही है उसको देख कर लोगों में विचार आने लगा है उनको भाक होने लगा है कि उन्होंने कैसे लोगों को वोट देकर भेजा है ? वे अपनी तरफ से एक अच्छे आदमी को एम0एल0ए0 बना कर भेजें और वह 6 महीने में ही अपना रंग दिखाने लग जाता है। वे सोचते हैं कि हमने कैसे आदमी को बिठाया है सबके सब एक ही थैली के चटटे बटटे हैं। जिसको भी चुनकर भेजते हैं उसकी कारगुजारियां 6 महीने में ही सामने आने लग जाती हैं। ऐसी बात सुनकर हमें भार्म आती है। हम विधायक लोग प्रजातन्त्र को अपना रोजगार का माध्यम बना लें, हम मुख्य मंत्री या मंत्री बन जाएं तो हम सबसे पहले अपने रि तेदारों का अपने घर वालों का पेट भरने की सोचते हैं

लेकिन जिन एक लाख लोगों की वोट लेकर आते हैं उस बारे में भूल जाते हैं। ऐसी प्रथा से हम जनता का वि वास खोते जा रहे हैं, हरियाणा का नाम बदनाम कर रहे हैं। आज इस प्रथा के कारण लोगों के मन में यह बात आ रही है कि अब यहां पर राजनीतिज्ञों की खरीद फरोख्त की जाती है। कितने ही यहां पर आया राम गया राम हैं हर मुख्य मंत्री की कोि ा ा रहती है कि वह किसी तरह से अपनी सरकार बनाए। मैं यह कहना चाहता हूं कि आज आया राम गया राम की प्रवृति बढती जा रही है। इसको जन्म किसने दिया। इसको जन्म उन भाासन कर्ताओं ने दिया जो अपने भाासन काल में अपने काम करवा गए और उसके बाद जब दोबारा चुनाव हुए तो कुछ कम सीटें मिलीं। उन्होंने दोबारा से अपनी सरकार बनाने के लिए खरीद फरोख्त की। मैं इस बारे में किसी व्यक्ति वि ोा का नाम नहीं लेना चाहता लेकन उन्होंने प्रजातान्त्रिक ढांचे के साथ बडा भारी अन्याय किया है। लोगों के मन में तो अब यहां तक बात आई हुई है कि एक ऐसा समय भी आ सकता है जब लोग वोटिंग से एक दिन पहले अपने गांव के बाहर जत्था बना करके खडे हो जाएंगे और वे उन वोटिंग करवाने आए गवर्नमैंट ऑफिि ायल्ज से यह कहेंगे कि भाई माफ करो हम तो किसी को भी वोट डालना नहीं चाहते। इसका मतलब यह होगा कि उस दिन हरियाणा के लोगों के सब्र का प्याला लबरेज हो चुका होगा और लोगों को जो आज वि वास प्रजातंत्र के अंदर है, वह हिल जाएगा। स्पीकर सर, अगर ऐसा हो गया तो उन नेताओं के साथ हम सबसे बडा धोखा करैंगे, गुनाह करेंगे

जिन्होंने 90 साल के संघर्श के बाद 1857 से लेकर 1947 तक दे ा को आजाद करवाने के लिए लडाई लडी तथा उस दे ा के अंदर प्रजातंत्र को बहाल करने के लिए अपने जीवन का बलिदान दे दिया और अंग्रेजों की काल कोटरी में अपनी सारी जवानी बिता दी। मैं पूछना चाहूंगा कि अगर ऐसा हो गया तो इसका जिम्मेदार कौन होगा ? हरियाणा की पौने दो करोड जनता तो इस बात के लिए जिम्मेदार नहीं होगी बल्कि इसके लिए हरियाणा का वह नेतृत्व जिम्मेदार होगा जिन्होंने हरियाणा में प्रजांतत्र के नाम पर भ्रश्टाचार को जन्म दिया है। भ्रश्टाचार यही तक सीमित नहीं है। मैं नहीं मानता कि अगर नौकरी बिक गयी तो भ्रश्टाचार हो गया। किसी छोट मोटे गरीब आदमी से पैसे लेने से कर्ब करने के लिए इस लोक पाल बिल का लाना निहायत ही जरूरी है। लेकिन यह बिल भी अगर भाराबबंदी की नीति के अनुसार हरियाणा में ऐक्सपैरीमैंट ही बना रहा तो रामबिलास जी यही आपकी पार्टी और हविपा के लिए बहुत ही अनफोरचुनेट रहेगा। हरियाणा में आज लोग और हरियाणा हर एक राजनैतिक दल इस बात का समर्थक है कि पूर्णतः भाराबबंदी हो।

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, इनकी पार्टी के नेता श्री भजन लाल जी ने तो यह कहा था कि अगर हमारी सरकार आयी तो हम प्रोहिबि ान को हटा देंगे।

श्री बीरेन्द्र सिंहः वह नेता ही हट गया।

श्री बंसी लालः कहां हट गया। भजन लाल जी ने एक पब्लिक मीटिंग में यह बयान दिया था कि अगर हमारा राज आ गया तो हम प्रोहिबि ान को हटा देंगे। अब आप क्या उसकी भी चर्चा करेंगे।

श्री अध्यक्षः उस समय भाायद बीरेन्द्र सिंह जी कांग्रेस में नहीं होंगे जब यह बयान दिया गया होगा।

श्री राम बिलास भार्माः अध्यक्ष महोदय, वैसे भी जो बीरेन्द्र सिंह जी कह रहे हैं कि भाराबबंदी पूरी तरह से नहीं हुई। हमने झज्जर का उप चुनाव भाराबबंदी के बाद ही जीता है और कान्ता भाराबबंदी की सबसे बडी सफलता है।

श्री बीरेन्द्र सिंहः स्पीकर सर, मैं अपने भाई राम बिलास भार्मा जी से कहूंगा कि कई चीजों के बारे में आप भ्रम पैदा न करैं। भजन लाल जी भी जब मुख्य मंत्री थी तो किसी एम0एल0ए0 ने उस समय कहा था कि कांग्रेस जीते या न जीते लेकिन मैं जरूर जीतूंगा। मैंने कहा जब कांग्रेस हारेगी तो आप कैसे जीतोगे। आज 60 एम0एल0एज0 में से केवल 9 ही आये हैं इसलिए मैं कहता हूं कि उस उपचुनाव को अब 6 महीने हो गए हैं और अब सारी दुनिया बदल गयी है। अब आप किसी और उप चुनाव करवाने की गलती मत कर लेना वरना नतीजे उल्टे ही निकलेंगे।

श्री कर्ण सिंह दलालः स्पीकर सर, अगर चौधरी बीरेन्द्र सिंह का यह मानना है कि अब झज्जर उपचुनाव हुए 6 महीने हो गए हैं और अब दुनिया बदल गयी है तो मैं इनसे कहूंगा कि ये अपनी पार्टी के नेता और पूर्व मुख्य मंत्री भजन लाल जी से इस्तीफा दिलवाकर दोबारा चुनाव लडने को कहें तो पहता चल जाएगा कि दुनिया बदल गयी है या नहीं ? (विघ्न)

श्री अध्यक्षः मनीराम जी, जब आपको बोलने के लिए समय दिया जाता है तब आप बोलते नहीं, अब आप बीच बीच में बोलते रहते हो। (विघ्न)

श्री बीरेन्द्र सिंहः स्पीकर सर, मैं कह रहा था कि इस बिल को लाने की बहुत आव यकता है और इसका पास होना भी बडा जरूरी है, लेकिन यह भाराब बंदी की तरह आपकी बदनामी का बायस न बन जाए इसलिए मैं आपको वार्निंग दे रहा हूं क्योंकि अगर राजनीतिक व्यवस्था जो प्रजातंत्र की है। प्रजातंत्र की व्यवस्था में अगर लोगों का वि वास पुनः बहाल करना है और जनता में यह वि वास पैंदा करना है कि एम0एल0ए0 केवल हमारे लिए है वह अपने बेटे बेटियों या अपने परिवार के लिए नहीं है यह वि वास बहाल करना है तो लोकपाल बिल अहम भूमिका अदा कर सकता है। उस वि वास की प्राप्ति अगर हरियाणा के लोगों को नहीं होगी तो हरियाणा प्रदे ा के लोगों को बडा भारी धोखा फिर मिलेगा। आज हरियाणा के लोगों को भ्रश्टाचार से मुक्ति दिलवानी है इसके साथ ही मैं यह कहना चाहता हूं कि कोई गरीब

आदमी भ्रश्टाचार को जन्म नहीं देता। कोई दफ्तर में बैठा चपरासी या क्लर्क भ्रश्टाचार को जन्म नहीं देता। जो सबसे ऊपर बैठता है चाहे वह नौकर ाा हो, चाहे प्रजातांत्रिक व्यवस्था से पौलिटीकल पार्टी हो, चाहे मुख्यमंत्री हो, चाहे वह सबसे बडा उच्चाधिकारी हो, चाहे पुलिस का अधिकारी हो। अगर हम सिपाही पर यह इल्जाम लगाते हैं कि वह ट्रक को रोककर 20 रूपये लेता है तो वह सिपाही भ्रश्ट नहीं है। भ्रश्ट व्यवस्था है उस व्यवस्था के खिलाफ हमें डंडा उठाना है। मैंने इस सदन में एक बात कही थी कि इस दुनियां में ऐसे भी दे ा हैं जिन्होंने भ्रश्टाचार को लीगलाइज कर दिया है। एक दे ा है जिसने 1962 के बाद अपने कर्मचारियों को ग्रेड रिवाइज नहीं किए हैं आज 35 साल हो गए हैं आप पूछेंगे कि ऐसा कैसे चल रहा है ? सरकार ने खुली छूट दी हुई है कि किसी को बगैर तंग करे कुछ देता है तो ले लो। आज होता यह है कि राजनेताओं के पास कोई गरीब आदमी चलकर आता है और कहता है कि साहब पटवारी इस काम के 300 रूपये मांगता है या यह कहता है कि उसने 300 रूपये ले लिए तो वह राजनेता कहता है कि यहां आने में तेरे भाडें में 300 रूपये खर्च हो गए होंगे वहीं से काम चला लेना था। (विघ्न)

श्री कर्ण सिंह दलालः ऑन ए प्वायंट ऑफ आर्डर, स्पीकर सर, मैं आपके माध्यम से चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी से प्रार्थना करता हूं कि बात उन्होंने बिल्कुल सही कही लेकिन कृपा

करके उस नेता का नाम बताएं कि वह नेता कौन था जिसने यह बात कही ?

श्री बीरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैंने किसी नेता का नाम लेने की नीयत से यह बात नहीं कही। आप सोचने और समझने की कृपा करें कि आपको इस व्यवस्था से लडना है। हरियाणा का हर वह व्यक्ति जो अपने को लोगों का प्रतिनिधि कहता है, उसको लडना है। यह एक आदमी की बात नहीं है यह बात उन सभी लोगों की है जो वोट लेकर उनको भूल जाते हैं और उनको ऊपर वाले की मेहरबानी पर छोड देते हैं कि चाहे मरते रहो, चाहे जिंदा रहो। इस व्यवस्था को बदलने की बात है। भ्रश्टाचार हमारी जडों में घुस गया है। हमें हरियाणा की जनता को इंसाफ देना है और अगर जनता इंसाफ से दूर रही तो उनका वि वास प्रजातंत्र से खत्म हो जाएगा और उनको वि वास खत्म हुआ तो उसकी जिम्मेदारी हम उन बडे बडे नेताओं की होगी और सबसे बडी जिम्मेदारी अध्यक्ष महोदय, आपकी होगी। प्रजातंत्र में वि वास तब बढता है जब चौटाला जी जैसे व्यक्ति बार बार बोलने पर भी सदन में रहें। मैं पार्लियामैंट्री अफेयर्ज मिनिस्टर से भी कहूंगा कि वे सुनने का धैर्य रखें। इसी प्रकार भजन लाल जी ने भी कुछ नहीं किया वे बोले और तुरंत उनके खिलाफ रैजोल्यू ान आया। प्रजातंत्र में जो मान्यताएं हैं, जो परम्पराएं हैं, उनको ज्यादा मजबूती से लागू किया जाना चाहिए। (विघ्न)

श्री कर्ण सिंह दलालः स्पीपर सर, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। आदरणीय चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी की हम सभी इज्जत करते हैं। उनका सदन में बैठने का बडा अनुभव है लेकिन मेरी समझ में यह बात नहीं आती कि उन्होंने अभी अपनी बात दोहराते हुए बार बार भ्रश्टाचार को खत्म करने की बात कही है (विघ्न) स्पीकर सर, एक बात मेरी समझ में नहीं आती कि जब हरियाणा प्रदे ा में भ्रश्टाचार चरम सीमा पर पहुंचा तो चौधरी बीरेन्द्र सिंह कौन सी पार्टी में थे और इनके नेता कौन थे। मुझे आज भी दुख है कि आज भी चौधरी बीरेन्द्र सिंह, भजन लाल जी को डिफैंड कर रहे हैं कि चौधरी भजन लाल जी क्या गलत कह रहे थे। चौधरी बीरेन्द्र सिंह ने अपनी आंखों से देखा कि चौधरी भजन लाल जी इस माननीय सदन मैं हमारे दो माननीय सदस्यों को खरीदने की बात कह रहे थे और अपनी कुर्सी पर बैठे हुए हमारे सदस्यों को धमका रहे थे। He always casts aspertion on the Chair, Sir. चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी बताईये कि इन सदस्यों का क्या कसूर था। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी तो एक व्यवस्था की बात कह रहे थे उनका किसी से मोह नहीं है।

श्री बीरेन्द्र सिंहः मेरी व्याख्या मेरी तकलीफ यह है कि मेरे ये साथी कहते हैं कि you are soft towards Sh. Bansi Lal and on the other hand, I am defending Ch. Bhajan Lal and Sh. Om Parkash Chautala both. कोई सही बात कहे तो ठीक है। ये

पार्टी के हिसाब से सोचते हैं कि लेकिन मैं कहता हूं कि किस तरीके से चौधरी ओम प्रका ा चौटाला को और चौधरी भजन लाल जी को निकालने का रेजोल्यू ान दिया गया। अध्यक्ष महोदय, व्यवस्था की बात तो यह हो गई है कि पिछले 5–6 साल से इस दे ा के अन्दर घोटालों का जो बाजार लगा है उस बाजार ने तो दुनिया के इतिहास में हिन्दुस्तान की छवि को धूमिल किया है उसमें चाहे कांग्रेस पार्टी के दिग्गज नेता का हाथ हो चाहे..... ..... जी का हो जो आज भी हवाला कांड में फंसे हुए हैं। (विघ्न)

श्री राम बिलास भार्माः स्पीकर सर, चौधरी बीरेन्द्र सिंह एक पार्लियामैंटरियन है। पार्लियामैंटेरियन के हिसाब से ये लोकसभा और विधान सभा की कई कमेटियों में रह चुके हैं। ये कांग्रेस पार्टी के एक वरिश्ठ नेता है। श्री ..... हवाल कांड में नहीं हैं उनको तो श्री नरसिम्हा राव जी ने जान बूझ कर फंसाया था। सी0बी0आई0 की रिपोर्ट है जिसमें श्री ..... जी का नाम नहीं है। (विघ्न) आप सुनिये तो सही। स्पीकर सर, श्री ..... जी उस समय लोकसभा के सदस्य थे और श्री मदन लाल खुराना उस समय दिल्ली के मुख्यमंत्री थे जब यह बात आई There and then they regisned from their posts. (Interruptions.) उन्होंने यह एलान किया था कि जब तक इस जांच की रिपोर्ट नहीं आयेगी, हम निर्दोश साबित नहीं होंगे तब तक चुनाव नहीं लडेंगें। श्री .... जी ने पार्टी के आग्रह करने के बाद भी चुनाव नहीं लडा और

सी0बी0आई0 की जो रिपोर्ट आई है, उसमें यह पाया गया है कि श्री ..... और वी0सी0 भ्ाुक्ल के खिलाफ चार्ज भ्ाीट देने के लिए या चालान करने के लिए उनके पास कोई सबूत नहीं है। (विघ्न)

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, मैं इसमें और एड करता हूं कि इनके सारे नेता हवाला कांड में फंसे हुए हैं। इनके एक नेता श्री कमलनाथ ने जो हवाला कांड में फंसे हुए हैं, अपनी घर वाली से लोकसभा की सीट से त्याग पत्र दिला कर खुद चुनाव लडा था, खुद टिकट लेकर चुनाव लडा और हार गया।

श्री राम बिलास भार्माः अध्यक्ष महोदय, चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी किसी की व्यक्तिगत रूप से चर्चा न करें। इनका जीवन पाक साफ है, यह हम भी कहते हैं। लेकिन जिस पार्टी की ये बात कर रहे हैं, वह पार्टी राजनीतिक भ्रश्टाचार का पर्याय बन गई है। पिछले दिनों दिल्ली में 'एच0के0एल0 भगत की चारपाई कल्पनाथ के साथ' एक रूपए में, यह बात कहते हुए अखबार बिक रहे थे। अध्यक्ष महोदय वहां तो अखबार इसी नाम से बिकते हैं यानि कि कांग्रेस का चुनाव नि ाान तिहाड जेल का दरवाजा बनने जा रहा था। अध्यक्ष महोदय, प्रधान मंत्री रहा हुआ आदमी, अखिल भारतीय पार्टी का अध्यक्ष रहा हुआ आदमी, सुप्रीम कोर्ट में दरख्वास्त दे कि मेरी सुनवाई सुप्रीम कोर्ट के बंद कमरे में नहीं बल्कि पटियाला हाउस में की जाए। तथा विज्ञान भवन में वे पैरवी मांगे, अच्छी बात नहीं है। उस पार्टी की बीरेन्द्र सिंह जी पैरवी कर रहे हैं।

लेकिन ये बेचारे तो ऊपर ऊपर से ही बोल रहे हैं, परन्तु फिर भी बात जम नहीं रही है। (हंसी)

श्री बंसी लालः भीतरले में इनके भी नहीं जम रही है। (हंसी)

श्री जगन नाथः स्पीकर सर, हम तो बोलत हैं 'जय ि ाया राम' लेकिन ये बोलते हैं 'जय सुख राम' (हंसी)

डॉ0 कमला वर्माः अध्यक्ष महोदय, कांग्रेस भी 'सी' से भाुरू होती है और 'क्र ान' भी 'सी' से भाुरू होती है। कांग्रेस और क्र ान एक दूसरे के पर्याय बन गए हैं। (हंसी)

श्री बीरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, मुझे बहुत खु ाी है कि दोनों पार्टियों की गठबंधन की सरकार एक दूसरी पार्टी की मदद करती है। लेकिन अध्यक्ष महोदय, ये सिर्फ बी0जे0पी0 और हरियाणा विकास पार्टी के ही मुख्य मंत्री नहीं हैं, बल्कि हमारे इस सदन के तथा हरियाणा प्रदे ाके मुख्य मंत्री भी हैं। खुराना जी पता नहीं इनके बारे में क्या बोल गए, हम तो बर्दा त नहीं करेंगे। (हंसी)

श्री राम बिलास भार्माः अध्यक्ष महोदय, ऐसा बोलने की तो बीरेन्द्र सिंह जी की कला है। खुराना जी हमारे मुख्य मंत्री जी के बारे में कुछ नहीं बोल गए। वे तो इनकी बहुत प्र ांसा करते हैं। अध्यक्ष महोदय, आप जानते हैं कि पीछे मिलिटरी के जितने भी जनरल रिटायर हुए हैं, वे सभी बी0जे0पी0 ज्वाईन कर चुके

हैं। कुछ दिन पहले अभी जब श्री खुराना जी यहां आए तो मिलिटरी के जनरल्ज का नाम लेकर वे कहते थे कि चौधरी बंसी लाल जी का डिफैंस मिनिस्टर के रूप में एक बहुत ही अच्छा नजरिया था तथा उनके काम से डिफैंस पर बहुत अच्छा प्रभाव पडा। इस प्रकार से वे इनकी प्र ांसा ही कर रहे थे।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, मैं फिर अपनी बात दोहराता हूं कि जब जब दे ा में बी0जे0पी0 कांग्रेस पर करारी मार मारती है, तब तब चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी इसका बदला निकालने की कोि ा ा करते हैं। कल रात ही यह फैसला हुआ कि यू0पी0 में बी0जे0पी0 और बी0एस0पी0 की सरकार बनने जा रही है और मायावती जी मुख्य मंत्री बनेंगी तथा 6 महीने के बाद कल्याण सिंह जी मुख्य मंत्री बनेंगे। इसलिए कांग्रेसियों की नींद हराम हो रही है। (हंसी)

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, मैं एक बात और बताना चाहता हूं कि चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी कल मायावती की ओथ के अवसर पर लखनऊ जाने वाले हैं। (हंसी)

श्री राम बिलास भार्माः स्पीकर सर, चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी लोकपाल विधेयक के परिप्रेक्ष्य में प्रजातंत्री पर, बहुत ही मौलिक मुद्दे पर बोल रहे हैं। लेकिन कांग्रेस के मित्र प्रजातंत्र की बात करें तो बात जमती नहीं है। क्योंकि पिछले 50 सालों के राजनीतिक इतिहास में प्रजातंत्र को जिस तरह से फाडकर चीर

चीर किया गया है, उसके लिए कोई जज 4 भाब्द भी नहीं लिख सकता। एक अयोध्या की बात को लेकर 4 प्रांतों की चुनी हुई सरकारैं जिनका किसी का 4 साल, किसी का 5 साल तथा किसी का 3–1/2साल पीरयड बाकी था, को किस तरह से तहस नहस करन दिया गया। लोगों के जजबात को किस तरह से बेरहमी से कुचला गया और किस तरह से गंगा यमुना के किनारे ब्रहम दत्त द्विवेदी की हत्या की गई, आपकी पार्टी के नेता जोगिन्द्र सिंह की हत्या की गई ? किस प्रकार का गदर मचा हुआ था ? वहां पर क्यौंकि हमारा सबसे बडा दल है, इसलिए हमने एक प्रजातांत्रिक रास्ता निकाला है। अब इनको तकलीफ यह हो रही है कि हमने मायावती के पौंची कैसे बांधी। ये मेरे भाई दलितों के नाम पर राज करते रहे हैं। हरिजनों के नाम पर राज करते हैं। (विघ्न) करतार देवी जी ये आपको तरकारी बनाकर खा जाएंगे आप इनके पक्ष मैं मत बोलें। हरिजनों का कल्याण तो हमने किया है। दलितों को तो हमने गले से लगाया है। जिस पार्टी के 60 एम0एल0एज0 हों और हमारी पार्टी के 200 एम0एल0एज0 हों उसको नेतृत्व स्वीकार करना एक बहुत बडी बात है। यह कलेजे की बात है। जिस तरह से दलितों को हमने गले से लगाया, उसी तरह से हमने उनकी बात मानी है। (ाोर)

डॉ0 कमला वर्मा: अध्यक्ष महोदय, मैं अपने विरोधी पक्ष के माननीय सदस्यों को बताना चाहूंगी कि हविपा और भाजपा की सरकार में हम सारे चीफ मिनिस्टर हैं उसमें ट्रांसपेरैंसी है। बीरेन्द्र

सिंह जी आपको यह बात कहने की जरूरत नहीं है वहां भाजपा के किसी सदस्य को भी 6 महीने के बाद चीफ मिनिस्टर बनाना पडेगा हमारी सांझा सरकार में सारे चीफ मिनिस्टर हैं।

श्री बीरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैं लोकपाल विधेयक पर बोल रहा हूं। लोकपाल विधेयक इसलिए लाने की जरूरत पडी क्योंकि सारी व्यवस्था खराब होती जा रही है। आज ये मायावती को राखी बांधने की बात करते हैं। जब ये उनको चार महीने राखी बांध कर फिर तोड कर चले गए थे, तब कहां गई थी बी0जे0पी0।

श्री राम बिलास भार्माः भाण्डे कई बार खडकते हैं, परन्तु आपकी तरह टूटते नहीं हैं वह तो हमारी आपस की बात है।

श्री कर्ण सिंह दलालः पहले आप कांग्रेस पार्टी छोड कर कांग्रेस तिवाड़ी में चले गए और फिर कांग्रेस पार्टी में आ गए।

श्री बीरेन्द्र सिंहः हमने राखी वाखी किसी को नहीं बांधी।

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, इन्होंने राखी नहीं बांधी ये तो सूत का गठड़ उठा कर ले गए थे। (हंसी)

श्री जगन नाथः स्पीकर साहब, बीरेन्द्र सिंह जी ने कहा कि राखी तोड कर ले गए, इस बात पर मुझे पंडित लख्मीचन्द की

दो लाईनें कहनी हैं कि देवर भाभी लड़े यह ओसी लड़ाई ना सै। (हंसी)

Mr. Speaker: Mr. Birender Singh Ji, please conclude.

श्री बीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, लोकपाल विधेयक से प्रजातंत्र के अंदर एक स्वस्थ वातावरण बनेगा। जो व्यक्ति भ्रश्टाचार को ही राजनीति मानते हैं उनसे लडने का मौका मिलेगा। जिस गरीब आदमी से दो लाख रूपए रि वत के लिए गए, उस गरीब आदमी को रि वत लेने वाले के खिलाफ ि ाकायत करने का मौका मिलेगा। मैं यह बात इसलिए कहना चाहता हूं कि प्रजातांत्रिक ढांचे में जो व्यवस्था है, उस व्यवस्था के अंदर जगह नहीं है, इस नोटंकीबाजी से इस दे ा में एक सबसे अच्छे नेता को सरकार बनाने का मौका मिला,ख श्री अटल बिहारी वाजपेई जी को लेकिन गलती से उनकी पार्टी गलत थी। राश्ट्रपति महोदय ने अटल बिहारी वाजपेई जी को सरकार बनाने का मौका दिया और कहा कि आप बडे भले आदमी हैं। दे ा के दूसरे राजनीतिक दल भी आपको भला मानते हैं, आप सरकार बनाएं।

डॉ0 कमला वर्माः अध्यक्ष महोदय, मैं इनको बताना चाहूंगी कि श्री वाजपेई जी ने राजनीति का व्यापारीकरण नहीं किया। वे नहीं चाहते थे कि लोकसभा में सांसदों को खरीद कर प्रधान मंत्री बने, उन्होंने व्यापारीकरण नहीं किया। उन्होंने कहा कि अगली बार आएंगे तो पूरे बहुमत के साथ आएंगे। यह काम तो

आपके नेता चौधरी भजन लाल ही कर सकते हैं जो 1980 मैं 36 विधायकों को लेकर कांग्रेस में भाामिल हो गए और अभी झारखंड मुक्ति मोर्चा के सांसदों की खरीदो फरोख्त कर सी0बी0आई0 का मुकदमा झेल रहे हैं। क्या बाजपेई जी भी इसी तरह से करते ?

श्री बीरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैं पार्लियामैंट की बात करूंगा। वह सदन प्र ांसा का पात्र है क्योंकि साम्प्रदायिक ताकतों का साथ देने के लिए सिर्फ 3 एम0पीज0 चौधरी बंसी लाल जी की पार्टी के छोड कर, हरियाणा प्रान्त का कोई एम0पी0 उनके साथ नहीं गया। और इस बात का सबूत है कि इस दे ा की जनता जात पात और साम्प्रदायिकता से दूर रहना चाहती है। इसलिए बे ाक आज का प्रधान मंत्री 46 आदमियों की पार्टी का प्रधान मंत्री हो लेकिन एक सबसे बडी पार्टी जो है, वह उस राज को चलाये हुए है क्योंकि इस दे ा के लोगों ने प्रजातंत्र में इस दे ा की साम्प्रदायिक ताकतों और जातिवाद से लडना है। (विघ्न) उसी लड़ाई का कारण है (विघ्न) आप क्यों ऐसा सोच रहे हैं। (विघ्न)

डॉ0 कमला वर्माः अध्यक्ष महोदय, इनकी पीडा सच्ची है। यह इतने धर्म निरपेक्ष हैं कि लोगों ने स्वीकार नहीं किा। ये दिल्ली में हारे, महाराश्ट्र में हारे और पंजाब में हारे। इसके अलावा जितने भी बाई इलैक ान हुए, वहां पर हारे। आपकी पार्टी की क्या हालत हो रही है, स्वयं सोचो।

श्री अध्यक्षः ये कब कह रहे हैं कि ये जीते हैं। ये खुद मानते हैं। आपको वैसे ही बहम हो गया है। बीरेन्द्र जी, आप जल्दी करिये।

श्री बीरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैं जल्दी ही खत्म कर देता हूं। मैं यह कहना चाहता हूं कि इस दे ा के लोगों को जब भी मौका मिला, राजनीतिक फैसले करने का उन्होंने सही फैसले दिये। लोगों के फैसले कभी गडबडाया नहीं करते। फैसले तब गडबडाया करते हैं जब लोगों द्वारा राजनेताओं को सत्ता सौंपने के बाद उन राजनीतिज्ञों द्वारा गलत फैसले होते हैं। लोगों के फैसले कभी गलत नहीं होते। अबकी बार हरियाणा में भी लोग कोई फैसला नहीं कर सके कि किस पार्टी को बहुमत दें। (विघ्न) वह किसी एक दल के पक्ष में फैसला नहीं दे सके। उसकी वजह यह है कि लोग नए सिरे से वि वास पैदा करना चाहते हैं। लोग जिसको चुनकर भेजेंगे स्वार्थ से ऊपर उठकर भेजेंगे। (विघ्न) मेरी मुख्य मंत्री जी से प्रार्थना है कि मुख्य मंत्री जी लोकपाल बिल तो ले आये हैं। मैं मुख्यमंत्री को कहना चाहूंगा कि आपने जो 28 मंत्री बनाए हुए हैं, इनकी जायदाद की सूची आप सभी से ले लें। (विघ्न)

श्री बंसी लालः सब ने दे रखी है।

श्री बीरेन्द्र सिंहः यदि दे रखी है तो वह सब की सब अखबारों में प्रकाि ात करवा दें ताकि हरियाणा के लोगों को पता

चल सके कि किसी मंत्री के पास मंत्री बनने से पहले कितनी संपत्ति है, कितने हाथी घोडे हैं। उसके बाद जब दो तीन साल बीत जायें तो लोगों की पैनी निगाह देख सके कि किसी मंत्री के पास अब मंत्री बनने के बाद कितनी सम्पत्ति है और वे यह देख सकें कि किसी का वि वास डगमगा तो नहीं गया। (विघ्न) ठीक है, सभी सदस्यों की सम्पत्ति की सूची ले ली जाये और उनकी भी प्रकाि ात की जाये, ऐसी व्यवस्था भी आप करें। अध्यक्ष महोदय, इसके साथ साथ मैं यह भी चाहता हूं कि नौकर ााही के ऊपर भी अंकु ा लगना चाहिए। नौकर ााह, आई0ए0एस0, आई0पी0एस0 व एच0सी0एस0 को समाज में बडा मान मिलता है। उसकी दौलत यही है कि वह दे ा के 3, 4, 5 हजार आदमियों में से आता है। उसको सबसे बडा सम्मान यही है कि उसने दे ा की 25, 30, 35 सालों तक सेवा करनी होती है। अगर किसी आई0ए0एस0 आफिसर ने या किसी बडे अधिकारी ने पैसा कमाना है तो बिजनैस मैनेजमैंट की ट्रेनिंग करके वे किसी बडी कम्पनी मैं नौकरी कर सकते हैं। यदि किसी अधिकारी को अपनी आर्थिक अवस्था ठीक करनी है, तो वह भी किसी बडी कम्पनी में जो सकता है लेकिन जो बडे बडे अधिकारी हैं और बडे ऊंचे पदों पर बैठे हैं जिनके फैसले से ट्रैजरीज से पैसे निकलते हैं उनके काम की ट्रांसपेरैंसी होनी चाहिए और उनसे सम्पत्ति का ब्यौरा लिया जाना चाहिए।

श्री बंसी लालः ऐसे लोग हर साल अपनी सम्पत्ति का ब्यौरा देते हैं।

श्री भजन लालः मुख्य मंत्री जी यह बात मैं जानता हूं कि ये ब्यौरे किस प्रकार के होते हैं जो कि सरकारी दफ्तरों में दिए जाते हैं। अध्यक्ष महोदय, ऐसे अधिकारियों की हरियाणा की जनता के प्रति सबसे बडी सेवा यही है कि वे ईमानदारी से और सेवा भाव से अपने कार्य को करें और निजी स्वार्थ से ऊपर उठ कर उनको काम करना चाहिए। अगर कोई क्र ान होती है तो उसको रोकने के लिए प्रिंवैटिव मेयर लेने जरूरी हैं, वह बतौर लोक पाल की नियुक्ति भी हो सकता है। जो भी लोक पाल लगाया जाए वह हाई कोर्ट का जज हो सकता है। अगर किसी के खिलाफ चार्जिज लगते हैं तो उनको फैसला करने में ज्यादा देरी न हो, इसके लिए एक सब कमी ान की जरूरत पडेगी या मल्टी मैम्बर कमी ान के बारे में विचार करना पडेगा क्योंकि केवल एक व्यक्ति सभी केसों का निपटारा नहीं कर सकता है। अध्यक्ष महोदय, मैं अनुरोध करना चाहता हूं कि एक मैम्बरी लोक पाल की नियुक्ति की स्थापना के लिए यह विधेयक लाया गया है। हरियाणा के राजनीतिक सिस्टम का जिस प्रकार का प्र ाासनिक ढांचा है उसमें एक मैम्बरी लोक पाल सफि ैंट नहीं होगा क्योंकि जो भी कार्यवाही हो उसमें ट्रांसपेरैंसी की जरूरत है इसलिए मल्टी मैम्बर लोक पाल की स्थापना करनी चाहिए। अगर तीन मैम्बरी लोक पाल की स्थापना की जाएगी तो उससे सही, जल्दी और ठीक न्याय

कम्पलेनैंट को मिल सकेगा। दूसरी बात मैं यह कहना चाहता हूं जो कि सोचने और विचारने की बात है कि लोक पाल क्या करेंगे। कोई आदमी उनको ि ाकायत करेगा तो उस ि ाकायत की जांच कौन करेगा, लोक पाल का दायरा क्या होगा ? एक तो एक्ट के तहत वह कांफिडैंि ायल ि ाकायत की जांच खुद करे या फिर किसी दूसरी या तीसरी एजैंसी से उसकी जांच करवाए। यह सारा टाईम कन्जयूमिंग वर्क होगा, उसके बाद वह अपनी रिकमैंडे ान्ज करेगा। उन रिकमैंडे ान्ज को सरकार के पास भेजा जाएगा और फिर सरकार उस पर केस दर्ज करेगी। यह बडा लम्बा प्रोसैस है। साल, दो साल या अढाई तीन साल तो चार्जिज एस्टेब्लि ा होने में ही लग जाएंगे फिर उसके बाद विस्तार से जांच भुरू होगी। अध्यक्ष महोदय, मैं चाहता हूं कि हमें इस बारे में विचार करना चाहिए कि यह जो इतनी लम्बी डिले है इसको हम किस प्रकार से नैरो डाउन कर सकते हैं। फर्ज करो एक रिकमैंडिंग अधिकारी या डिफरैंट सर्वैंट के खिलाफ लोकपाल ने इन्कवायरी की है, उसका प्रोविजन क्या है क्या उसे प्रिलिमिनरी इंक्वायरी मानेंगें या कि प्राईमाफेसिया मानेंगे। प्रिलिमिनरी इन्क्वायरी उसके बाद होगी। If there is sufficient evidence against the person concerned then a regular enquiry would take place and after completing the regular enquiry, the recommendation would be sent to the Government and the Government would direct the Police Station or the authorities concerned to register a case against the person. यह कैसे एक्सपिडाईट कर सकते हैं या करवा सकते हैं यह बात भी बैठ कर सोचने की बात होगी। अध्यक्ष महोदय,

तीसरी बात मैं यह कहना चाहता हूं कि इसके अन्दर प्रोविजन किया गया है कि मुख्य मंत्री, स्पीकर ऑफ दि हाउस और कंसंर्ड चीफ जस्टिस से कंसलटे ान करेंगे और गवर्नमैंट उसे अप्वायंटमैंट करेगी। हमें यह खद ाा है कि जिस वक्त भी यह अप्वायंटमैंट होगी तो उस वक्त के मुख्य मंत्री द्वारा ही होगी। हम यह चाहते हैं कि इसमें लीडर ऑफ दि अपोजी ान को भी भाामिल किया जाए। इसके अलावा हम यह भी चाहते हैं कि हाउस में जिनकी पार्टी की मैजोरिटी 1/10 हो, उनको भी इसमें भाामिल किया जाए ताकि सिलेक ान के वक्त ठीक आदमी का चयन हो सके और लोगों का वि वास उसमें बना रहे। अध्यक्ष महोदय, कल मैं एक सक्मेलन में बोल रहा था तो किसी ने कहा कि फलां फलां आदमी भ्रश्ट है और वह लूट कर खा गया। हमें ऐसा नहीं बोलना चाहिए, हमारे अन्दर इतनी मौरेलटी होनी चाहिए कि उस आदमी का नाम लेकर कहें कि फलां आदमी पैसा खा गया है। अगर हम इस तरह की बात करेंगे तो लोक पाल बिल से इस प्रदे ा को भ्रश्टाचार मुक्त इन्वायरमैंट मिलेगा।

श्री अध्यक्षः भजन लाल जी आप कंट्रोवर्ि यल बात न कहें।

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, भाराब के बारे में प्रदे ा के अन्दर इतने बुरे हालात हैं कि इस बारे में इनका कोई कंट्रोल नहीं है, भिवानी जिले में चौधरी बंसी लाल जी, भाराब

बेचने के लिए गेंग बन गए हैं। स्पीकर साहब, यह आपका भी जिला है। उन गैंगज ने अपना अपना एरिया बांट रखा है। जैसे सुबेदारों के एरिये होते हैं। वहां पर 10–12 आदमी उन गैंगज के मारे गए। वे इसलिए मरे कि "तू मेरे एरिये में क्यों आया और कैसे आया।" अध्यक्ष महोदय, जिन गांवों में यह हुआ है और कौन कौन आदमी मारे गए हैं मैं उनके नाम लिख कर भेज दूंगा।

श्री अध्यक्षः आप अभी बता दें।

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मैं इस बारे में लिख कर भेज दूंगा।

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, भजन लाल जी अभी उन गांवों के नाम बताएं।

श्री भजन लालः मैंने पहले भी कहा कि मैं लिख कर भेज दूंगा।

Mr. Speaker: Bhajan Lal Ji, do not try to mislead the House. Either tell the names or withdraw the words. आप जिम्मेवार आदमी हैं।

श्री भजन लालः मैं उन आदमियों के तथा गांवों के नाम कल सुबह सदन भाुरू होने से पहले लिख कर आपको दे दूंगा। जिस कागज पर मैंने यह सब लिखा हुआ था वह घर पर रह गया है। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः अगर आपके पास उनके नाम हैं तो आप अभी देख कर बता दें। मैं आपको पांच मिनट और दे दूंगा।

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मैं आपको यह कल बता दूंगा।

बैठक का समय बढ़ाना

Mr. Speaker: Is it the sense of the House to extend the sitting by half-an-hour ?

Voices: yes.

Mr. Speaker: The time is extended by half-an-hour.

राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, बहुत बुरे हालात हैं। दूसरी किसानों की बात है। आज किसानों के बुरे हाल हो गए हैं। हमारे समय में किसानों को गन्ने का भाव 75 रूपए क्विंटल दिया जाता था। जब बंसी लाल जी यहां होते थे इन्होंने कहा था कि मैं पांच रूपये फालतू दूंगा। लेकिन इन्होंने अब गन्ने का रेट 62 रूपये तय किया है और इसके साथ ही किसान के 10 रूपए और काटे जाते हैं। इस हिसाब से आज किसान को 52 रूप्ये गन्ने का भाव मिल रहा है। उनकी गलत बात है।

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, He is misleading the house. जैसे चौटाला साहब कर रहे थे। (विघ्न)

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, 10 रूपए किसान के काटे जा रहे हैं। (विघ्न) इस बारे में आपको कर्ण सिंह दलाल बता देंगे। अध्यक्ष महोदय, यह जो पैसे काटे जा रहे हैं यह ठीक बात नहीं है। कहां 75 रूपए थे और कहां 52 रूपए हो गये हैं। आज किसान को बिजली नहीं, पानी नहीं, बहुत बुरे हालात आज प्रदे ा के हो गए हैं। अध्यक्ष महोदय, हरियाणा का कुछ एरिया ऐसा भी है जहां कपास होती है। इस बार कपास के ऐसे हालात हुए हैं जो कि आज तक नहीं हुए हैं।

खास कर सिरसा जिला, हिसार जिला, जींद जिला एवं भिवानी जिले में आप जाकर देखें। वहां पर किसान त्राहि त्राहि करके रो रहे हैं। क्योंकि उनको कॉटन का भाव ठीक नहीं मिल रहा है। यह इस बारे में कह सकते हें कि हम क्या करें। हमारा इनसे यही कहना है कि आपके पास हैफेड या दूसरी एजेंसीज हैं जो कि पहले भी यह खरीदती थीं ताकि भाव टिका रहे लेकिन इस बारे उन्होंने बिल्कुल भी परचेज नहीं की और इसलिए ही इनके भाव डाउन चले गए।

प ुपालन मंत्री (श्री हरमिन्द्र सिंह): अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। सर, पिछले तीन चार सालों से इसका रेट अब से कम ही था। हिसार और सिरसा जिलों में कॉटन का रेट कम ही था।

श्री बंसी लालः पहले इसका भाव अब से कम ही था। मैं तो कहता हूं कि ये तो काणे और बहरे दोनों ही हैं, जबकि मुझे तो बहरा ही कहते हैं।

श्री भजन लालः आप पिछले दो सालों का कॉटन का रेट पता तो करना।

श्री हरमिन्द्र सिंहः पिछले पांच सालों में कॉटन के कम रेट की वजह से किसान मर रहे थे।

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मैं कहता हूं कि पहले इसका रेट आज से डेढ गुना था। इसी तरह से इन्होंने कहा कि फरीदाबाद में 400 मेगावाट का एक बिजली प्लांट ये भाुरू करवा रहे हैं। इस प्रौजेक्ट पर एन0टी0पी0सी0 के साथ भजन लाल के साईन हैं और हमने ही यह भाुरू करवाया था।

श्री बंसी लालः इसलिए ही यह लेट हो गया।

श्री भजन लालः लेट कैसे हो गया। हमारे इस पर दस्तखत हैं और हमने इसका काम भाुरू करवाया, इसलिए इसका श्रेय आप कैसे ले सकते हैं। अगर आप ऐसा करते हैं तो यह मुनासिब बात नहीं है क्योंकि इस पर काम हमने भाुरू करवाया है। आपने तो अभी तक एक भी थर्मल प्लांट चलाने के लिए काम भाुरू नहीं करवाया है। इसलिए आज सारे प्रदे ा में बहुत बुरी हालत बिजली की हो गयी है। अध्यक्ष महोदय, लॉ एंड आर्डर के बारे में, भाराब बंदी के बारे में, पानी के बारे मैं, टैक्सिज के बारे में यानी

सारी बातें चौटाला साहब ने कही ही हैं जिसके लिए मैं उनकी ताईद करता हूं। मेरा आपसे इतना ही कहना है कि जब हाउस में कोई भी मैम्बर बोल रहा हो तो किसी दूसरे को बीच में नहीं बोलना चाहिए। अगर किसी को कोई बात कहनी भी हो तो बाद में वह अपनी बात कह सकता है। मैं आपका ज्यादा समय नहीं लूंगा क्योंकि अभी हमारे दूसरे साथी भी बोलेंगे। अगर मैं ज्यादा बोलूंगा तो आप कहेंगे कि भजन लाल ज्यादा टाईम ले गया। अगर मैं आपसे कुछ कहता हूं तो आप मुझसे नाराज हो जाते हैं और हम प्वायंट आफ आर्डर भी नहीं उठा सकते। इसलिए यह कोई मुनासिब बात नहीं है। अध्यक्ष महोदय, आप जिनकी वकालत करते हैं मैं उनके बारे में ज्यादा क्या कहूं। उन्हौंने तो आपकी माता जी तक का नाम भाोक प्रस्ताव में नहीं जोडा फिर भी आप उनकी वकालत करते हैं। स्पीकर साहब ये तो आपका पूरा नाम भी नहीं लेते केवल छतर कह कर बतियाते हैं।

श्री अध्यक्षः भजन लाल जी, मैं सारे हाउस की वकालत करता हूं न कि गवर्नमैंट की।

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, आपको सबको एक ही आंख से देखना चाहिये।

श्री बंसी लालः कौन सी आंख से देखना है, यह भी इनसे पूछ लें।

श्री अध्यक्षः चौधरी भजन लाल जी, आपने 39 मिनट बोलने के लिए ले लिए हैं। अब धीरपाल जी बोलेंगे।

श्री धीरपाल सिंह (बादली): अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया इसके लिए मैं आपका आभार व्यक्त करता हूं। 5 मार्च को राज्यपाल महोदय ने सरकार के द्वारा लिखा हुआ अपना अभिभाशण सदन में पढा और हमारी पार्टी ने इस बात का विरोध किया था कि उसमें जो बातें लिखी हुई हैं वे सच्चाई से काफी दूर हैं। किन्हीं बातों पर महामहिम साहब महसूस भी कर रहे थे। उनकी भावनाओं को समझते हुए और प्रदे ा के हितों की अभिभाशण में जो अनदेखी की गई थी, उस वजह से हमने वाकाउट किया। आज उस पर चर्चा हो रही है। इसमें अहम मुददा कानून और व्यवस्था का रखा गया है। मैं आपके द्वारा सरकार से कहना चाहता हूं कि जो लोग ट्रैजरी बैंचिज पर बैठते हैं वे पिछली सरकार पर आरोप प्रत्यारोप लगानै के सिवाय कानून व्यवस्था के सुधार में कोई प्रगति नहीं दिखाते। क्या इस बात से प्रदे ा के लोगों को राहत मिलेगी कि पीछे कौन था, आगे कौन आएगा ? हालात दिन प्रतिदिन कानून के व्यवस्था के खराब हो रहे हैं और उसके लिए जिम्मेदार वर्तमान है। अगर वर्तमान में कानून और व्यवस्था की हालत दयनीय हो जाएगी तो पूरे प्रदे ा के लोगों की जान और माल महफूज नहीं रह पाएगा। तो उसमें जहां वर्तमान दोशी है तो अगर उस पर भी चर्चा न हो तो विरोधी पक्ष भी उतना ही दोशी बनता है। लोग कहेंगे कि प्रदे ा लुट रहा

था, बर्बाद हो रहा था कानून व्यवस्था के हालात खराब हो रहे थे और विरोधी पक्ष अपनी भूमिका को ठीक ढंग से नहीं निभा रहा था। सरकार गुमराह हो रही हो तो सरकार को नकेल डालने का काम विरोधी पक्ष करता है। जहां प्रदे ा में अन्याय हो उस अन्याय को उजागर करने के दो रास्ते हं या तो उसको हाउस में उजागर किया जाए या पब्लिक में उजागर किया जाए। अब मैं हमारे इलाके में रहने वाली बहन कान्ता देवी के हल्के झज्जर के डॉक्टर विजय कुमार जी की हत्या के बारे में जिक्र करना चाहूंगा। उस आदमी को यदि गऊ कहा जाए तो धर्म के नाम पर कोई बात न हो जाए। वे इतने भारीफ आदमी थे कि रात को उनके पास कोई बीमार आता था तो उसे दवाई देते थे। बीमार के पास यदि पैसे नहीं भी होते थे तो भी दवा देते थे। रात के 12 बजे हों या डियूटी पर जाने को समय हो, उन्हौंने गरीबों और मजदूरों की सेवा के लिए समय नहीं देखा। उनकी उस सेवा के बदले में उस देवता रूवरूप आदमी को यह इनाम मिला। सारी जिन्दगी की कमाई करने के बाद उन्होंने एक मारूति कार परचेज की। झज्जर से खेडी जडगांव बारह किलोमीटर दूर है। वहां पर नौकरी कर रहे थे। झज्जर से चलने के बाद तीन किलोमीटर पर झज्जर हल्का समाप्त होता है और बादली हल्का भ्रारू होता है। उस देवता स्वरूप आदमी की दिन के साढे नौ बजे के आसपास सडके के ऊपर हत्या कर दी गई। बहन कान्ता देवी के हल्के के सिकंदरपुर के सरपंच ने टैलीफोन से झज्जर के एस0एच0ओ0 को सूचित किया कि यहां ऐसा हादसा हो गया है।

श्री अध्यक्षः यदि आप पांच पांच मिनट बोलें तो कोई ज्यादा दिक्कत नहीं होगी।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः स्पीकर साहब, आपकी यह घंटी हमारे कलेजे में लगती है। चलने दो खुला टाईम है।

श्री धीरपाल सिंहः टैलीफोन पर सूचना मिली लेकिन टेलीफोन की सूचनार से कोई पर्चा दर्ज नहीं होता। डॉ0 की सुबह साढे नौ बजे हत्या की गई, उसकी गाडी छीन ली गई और चार बजे के करीब वहां पर पुलिस पहुंची। इस बात पर पूरा इलाका और पूरा भाहर नाराज हो गया क्योंकि एक देवता स्वरूप आदमी की हत्या की गई तो आम आदमी का क्या जीना है। उस अपराधी को पकडने में हरियाणा पुलिस का कोई योगदान नहीं रहा क्योंकि उसको दिल्ली की पुलिस ने नरेला के पास नाकाबंदी पर पकडा। उस समय 26 जनवरी के कारण पूरा इलाका सील किया हुआ था। उस अपराधी के पास नई गाडी थी जो कि रजिस्टर भी नहीं हुई थी। उसके दो साथी भाग गये जिनको आज तक गिरफ्तार नहीं किया गया है। उसके बाद झज्जर के पास सिलाणी गांव के पास एक टाटा की गाडी को लूट लिया गया और ड्राइवर और क्लीनर को दरख्त के साथ बांध दिया गया। उस गाडी का ईंजन, टायर और बैटरी आदि सामान निकाल लिया गया जिसको निकालने में कम से कम एक डेढ घण्टा तो लगा ही होगा लेकिन उस पर कोई कार्यवाही नहीं हुई। इसके बारे में कहन कांता को सब पता है। मेरे हल्के में भोखुपूर गांव के एक व्यक्ति ने झज्जर भाहर में दिन

दिहाड़े डकैती डाली और वहां पर मौजूद बेलदार जो मौके का गवाह था उसको गोली से मार दिया गया। जब लोगों ने इस गरीब आदमी की हत्या के बारे में सुना तो सब गवाही देने के लिए तैयार हो गये। स्पीकर सर, उस अपराधी को पे ाी बहादुरगढ में लगनी थी लेकिन हरियाणा पुलिस उसको झज्जर भाहर में ले आई और उसकी खुल आम हथकडी खोल दी गई। जो लोग गवाह बने हुये थे उनको धमकाया गया। मैंने इस बारे में डी0सी0 और एस0पी0 रोहतक को आगाह किया था। झज्जर में लगातार इस तरह की तीन घटनायें हो चुकी हैं और गवाहों को तोड दिया जाता है। तो इस प्रकार कौन गवाही देगा। इसी प्रकार डावला गांव जो कि झज्जर में ही है, उस गांव के नत्थू राम के दो बेटे 18 और 20 साल के थे। उनका नाम रामफल और जसवीर है, उनका अपहरण हो गया। नत्थू राम एक गरीब किसान है। (विघ्न)

गृह मंत्री (श्री मनीराम गोदारा): अगर आप यह सब पहले लिख कर भेज देते तो यहां पर इन सब बातों का कहने की जरूरत नहीं होती।

श्री धीरपाल सिंहः गृह मंत्री जी वह किसान रोता बिलखता रहा उसकी कोई गुहार नहीं सुनी गई। उस समय आप कहां थे। मैं और चौटाला साहब एक भाादी में गये हुये थे तो वह किसान अपने रि तेदारों को लेकर जिस ढंग से हमारे पास फरियाद कर रहा था वह देखने लायक थी।

श्री मनीराम गोदाराः लेकिन मेरे नोटिस में तो यह बात लाई जानी चाहिए थी।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः स्पीकर सर, हमारे नोटिस में भी यह बात कल ही आई है।

श्री धीरपाल सिंहः स्पीकर साहब, मैं तो गोदारा साहब की भाान में कोई गुस्ताखी नहीं कर सकता हूं। अगर ये चौटाला साहब के अंकल हैं तो मेरे भी अंकल हैं। इसलिए मैं इनका सम्मान करता हूं। स्पीकर सर, उस गरीब किसान की फरियाद थी जो कि चौटाला साहब के सामने अपना रोना रो रहा था। (घंटी)

श्री अध्यक्षः आप 10 मिनट ले चु के हैं।

श्री धीरपाल सिंहः ठीक है स्पीकर सर, मैं अपनी बात जल्दी ही पूरी कर लेता हूं। इसके बाद न ाा बंदी पर चर्चा हुई। सत्ता पक्ष इसका पक्ष ले रहा है तथा विपक्ष इन बातों को उजागर कर रहा है कि क्या क्या खामियां रह गई हैं और उन खामियों की वजह से भाराब बंदी को जो अमली जामा पहनाया जाना चाहिए था, वह नहीं हो पाया है। स्पीकर सर, भाायद आपको जानकारी मिलती है या नहीं, मुख्य मंत्री जी को जानकारी मिलती है या नहीं लेकिन भाराबबंदी के मामले में आई0पी0सी0 पूर्ण रूप से प्रभावी नहीं हो रही है। आज हम एक बात कहते हैं कि यह जो भावना थी, वह बहुत अच्छी थी तथा हमारी पार्टी के नेता और सभी विधायकों ने खुले मन से भाराबबंदी का पक्ष लिया था। लेकिन

उसके बाद जो परिणाम निकले उनसे यह अहसास हुआ कि जो दारू आज बिक रही है उसके पीछे किन्हीं भाक्ति ाली लोगों को हाथ है। अभी मुख्यमंत्री जी नहीं बैठे हैं। मैं गोदारा साहब से कहता हूं कि मेरे सब डिवीजन बहादुरगढ में एक डी0एस0पी0 हैं, वे चौधरी बंसी लाल जी की किसी रि तेदारी में होंगे। मैं उनका नाम नहीं लेना चाहता हूं क्योंकि यह विधानसभा के नियम के विरूद्ध है। (विघ्न) स्पीकर सर, वहां पर खुल आम दारू बिक रही है। जहां तक मेरी जानकारी है, दिल्ली के डी0जी0पी0 ने मुख्यमंत्री महोदय को एक पत्र लिखा कि भाराबबंदी के मामले में हम सहयोग देना चाहते हैं लेकिन डी0एस0पी0 बहादुरगढ उसमें बाधा डाल रहा है, इसलिए उस अधिकारी को वहां से ट्रांसफर किया जाए। जो कुछ मेरी जानकारी में हैं, वह मैं बता रहा हूं। क्योंकि पत्र तो मुझे मिला नहीं है। स्पीकर सर, मेरे हल्के बादली के गांव खरहर में दारू उतरी और हरियाणा पुलिस के वे ईमानदार कांस्टेबल और हैड कांस्टेबल सरकार के कानून की पालना करते हुए उस दारू का विरोध करने के लिए कमरे को सील करना चाहते थे। लेकिन जो अनहोनी घटना वहां पर हुई, वह बहुत ही अपमानजनक है। स्पीकर सर, वहां पर उनकी पिटाई की गई और कच्छे में ही उनको वहां से बहादुरगढ आना पडा। उन्होंने अपना दुखडा डी0एस0पी0 के सामने रोया, उसके बावजूद भी वहां पर कुछ नहीं हुआ। डी0एस0पी0 के आ ीर्वाद से हल्का बहादुरगढ और बादली में यह सब हो रहा है। इसी तरह से मैं एक और वाकया बताता हूं। (विघ्न)

श्री सोमवीर सिंहः स्पीकर सर, वे डी0एस0पी0 डेढ महीने से ज्यादा समय तक वहां नहीं रहे हैं और ये इतनी लम्बी कहानी घड रहे हैं।

श्री रणदीप सिंह सुर्जेवालाः स्पीकर सर, इस सदन की कोई मर्यादा है। अभी थोडी देर पहले श्री रामबिलास भार्मा जी कह रहे थे कि कई पदों का उन दर्जा व्यक्तियों से बढ जाता है जो उन पर आसीन होते हैं। कोई सत्ता पक्ष का सदस्य अगर बैठे बैठे सीधे ही कटाक्ष करे तो आप कुछ नहीं कहते हैं। दूसरी तरफ, अगर कोई विपक्ष की तरफ से खडा होकर भी बोलता है तो उसको बिठा दिया जाता है। इसलिए मेरी आपसे प्रार्थना है कि सदन की मर्यादा को कायम रखिए। (ाोर)

श्री धीरपाल सिंहः उसके बाद डी0एस0पी0 का ट्रांसफर हो गया। स्पीकर साहब, अब मैं छारा गांव की एक बात बताना चाहूंगा।

श्री अध्यक्षः धीरपाल जी आपको बोलते हुए 15 मिनट हो गए हैं और 15–15 मिनट सभी माननीय सदस्य बोलना चाहेंगे। इसलिए आप वाईड अप करें।

एक आवाजः स्पीकर साहब, ये अपनी पार्टी के अध्यक्ष हैं इन्हें बोलने दें।

श्री अध्यक्षः चाहे पार्टी अध्यक्ष हों या मैम्बर हों इनको बोलते हुए 15 मिनट हो गए हैं। फिर आप यह न कहना कि आपको बोलने के लिए टाईम नहीं मिला।

श्री धीरपाल सिंहः स्पीकर साहब, मैं आपके आदे ाों की पालना करूंगा। छारा गांव में चुनावों के दौरान 80 हजार रूपए की भार्त लगी थी और वहां से चौधरी साहब के एक संबंधी चुनाव लड रहे थे।

श्री अध्यक्षः धीरपाल जी आप 3 मिनट में अपनी स्पीच सम अप करें।

श्री धीरपाल सिंहः वह उस भार्त को भी हार गए। भार्त हारने के बाद जहां दारू 85 फीसदी बंद होने की बात कह रहे हैं, एक व्यक्ति ने उनके आ ींवाद से 89 हजार रूपए की दारू बेची। भाराब जुलाई में बंद हुई, जुलाई से लेकर अब तक वहां पर काफी लोग दारू बेच रहे हैं। बादली और बहादुरगढ के इलाकों में जगह जगह दारू बिक रही है। उनके साथ लगते हुए हल्को की बात कहूंगा तो इनको एतराज होगा इसलिए उन हल्कों की बात वहां के माननीय सदस्य बता देंगे कि उनके यहां भाराब बिकती है या नहीं। स्पीकर साहब, मेरे हल्के में छोटे छोटे बच्चे भाराब बेच रहे हैं। इससे आप अन्दाजा लगा सकते हैं कि हरियाणा प्रदे ा और हिन्दुस्तान का क्या भविश्य होगा और किस तरह की प्रवृतियां होंगी। मुख्यमंत्री जी ने चुनाव से पहले बेकारी दूर करने की बात

कही थी। प्रदे ा के किसी और हल्के में बेकारी दूर हुई है या नहीं मुझे पता नहीं लेकिन मेरे हल्के में हजारों लोगों की बेकारी जरूर दूर हुई है। मुख्य मंत्री जी चुनाव से पहले एक बात कहते थे कि सहकारी समितियों के माध्यम से पढे लिखे नौजवान लडकों को काम दिया जाएगा। इस बात का इन्हौंने बहुत बार प्रयोग किया। मेरे पास रिकार्ड है। जिस आदमी को बेकारी दूर करने के लिए उसको जो पेमैंट की गई वह मैं तारीख के साथ बताना चाहूंगा। Details of payment made to Sh. Satpal from the office of the Executive Engineer, Construction Deivision :-

5 जून 1996 को चैक नम्बर 822959 के द्वारा पांच लाख की पेमैंट हुई, 5 जून 1996 को चैक नम्बर 884843 के द्वारा पांच लाख की पेमैंट हुई, 10 जून 1996 को चैक नम्बर 884844 के द्वारा 18 लाख रूपए की पेमैंट हुई, 10 जून 1996 को चैक नम्बर 822960 के द्वारा 19 लाख 30 हजार 949 रूपए की पैमेंट हुई, एक जुलाई 1996 को चैक नम्बर 822364 के द्वारा एक लाख 77 हजार रूपए की पेमैंट हुई, एक जुलाई 1996 को ही चैक नम्बर 822964 के द्वारा पांच लाख 56 हजार 434 रूपए की पेमैंट हुई, एक जुलाई 1996 को फिर चैक नम्बर 884855 के द्वारा ओम प्रका ा पार्टनर सतपाल को 19 लाख 50 हजार रूपए की पेमैंट हुई। इन फिग्गर्ज का मैंने जोड तो नहीं किया लेकिन ये लगभग दो अढाई करोड रूपए बनते हैं। मैं यह कहना चाहूंगा कि मुख्य मंत्री जी कहते थे कि सहकारी समितियों के माध्यम से बेरोजगार नौजवान लडकों को काम मिलेगा, यह उनकी बात अच्छी थी। यदि

मुख्य मंत्री जी अपनी उस बात पर रहते तो आज प्रदे ा में बेरोजगार लोगौं को कहीं न कहीं सोसाइटी के माध्यम से काम मिलता। मैं नहीं जानता कि यह आदमी कौन है। मुझे उसके बारे में यह डाकुमैंट दिया गया है इसलिए मैंने आपको बताया हे। इस तरह से एक आदमी की बेकारी जरूर दूर हुई है। (विघ्न) चौधरीसाहब, मैं यह कह रहा था कि मुख्य मंत्री जी ने एक बात कही थी, वह अच्छी थी। मैं सोसायटीज की बात कर रहा था। इसमें आम लोगों का फायदा न होकर एक आदमी को फायदा हुआ है, वह मैंने बताया है। इस दौरान इतनी पेमैंट हुई है।

श्री अध्यक्षः मैं लीडर ऑफ दि अपोजी ान को बता देना चाहता हूं कि इनके 12 मिनट बाकी हैं जो अलाटिड टाईम है इस समय में चाहे आप इनको बुला लें या किसी और को बुला लें।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः स्पीकर साहब, आप ऐसी बात करके 50 परसैंट तो हमारा समय वैसे ही मार लेते हो।

श्री धीरपाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैं बिजली के निजीकरण के बारे में कहना चाहता हूं। यहां पर बोलते हुए कुछ साथियों ने लाईन लौसिज का जिक्र किया। मैं कहना चाहता हूं कि लाईन लौसिज 31 परसैंट तक हो रहे हैं। इसके अलावा बिजली बोर्ड द्वारा हरियाणा प्रदे ा के आम उपभौक्ता को मार पड रही है, भाायद ऐसी कोई बात मुख्य मंत्री जी के नोटिस में न हो।

मैं सदन की जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि हरी राम सुपुत्र सुखचैन का 9001, धीरपाल गांव पाना चौधरी, बादली का 1120 रूपये, यह हरिजन है, राजेन्द्र सिंह गांव बादली का 1158 रूपये, प्रताप सिंह सुपुत्र हर्धन का 811 रूपये घर का बिजली का बिल आया है जो कि बहुत ज्यादा है और गलत है। जिस हरिजन जयपाल के बिल का जिक्र किया है उसका बाद में 127 रूपये बिजली का बिल कम करके 684 रूपये कर दिया। लाईन लौसिज में जो कमी है उसमें सुधार करने की आव यकता है। मंत्री महोदय, गांव गांव में जाकर कह रहे हैं कि निजीकरण के बाद बिजली सस्ती हो जायेगी। हमें आज भी यह ज्ञान नहीं है कि बिजली के निजीकरण के बाद बिजली की दर कैसे कम होगी। बार बार इनकी तरफ से यही बात आ रही है कि बिजली के निजीकरण के बाद इसमें सुधार होगा और बिजली की दरें सस्ती होंगी। दूसरा एक पक्ष यह भी लिया गया कि निजीकरण करने से चोरी रूकेगी।

चौधरी बंसी लाल जी बहुत बढिया प्र ाासक रहे हैं लेकिन अब इनके भाासन में ये चोरी रोकने में असमर्थ हैं। किन कारणों से असमर्थ हैं, वह तो यही जानते होंगे। बिजली के न होने के कारण बिजली की सप्लाई पूरी नहीं है। दरे भी इन्हौंने बढाई हैं। इसके साथ साथ बोगस बिलिंग भी हो रही है। इसके इलावा मैं कहना चाहता हूं कि जो वायदा आप करते हैं उसाके पूरा करना चाहिए। मेरे पास आपके भाशण की टेप है। उसको

हाउस में सुनाना उचित नहीं लगता। चुनाव से पहले मुख्य मंत्री जी ने बादली के अन्दर घोशण की थी कि यहां पर सरकारी कॉलेज खोला जायेगा। मई, 1995 में आपने यह बात कही थी। मैंने इस बारे में एक लिखित सवाल किया था लेकिन उसका उत्तर मुझे 'नो' में मिला है। इस बारे में लगता है कि मुख्य मंत्री भूल गए हैं हो सकता है कि अब इनको वह बात याद न रही हो लेकिन मैं इनको याद दिलाना चाहता हूं कि आपने ऐसी घोशणा की थी, जिसकी टेप भी मेरे पास है। आपने हजारों लोगों की हाजरी में यह वायदा किया था। स्पीकर साहब, इसी तरह से वर्तमान में मेरे हल्के के साथ जो नाइन्साफी हुई है उसके बारे में मैं आपके माध्यम से कहना चाहूंगा। इस वक्त श्री भार्मा जी ि ाखा मंत्री महोदय, हाउस में बैठे हुए नहीं हैं। मेरे हल्के के गांव दुल्हेड़ा में गवर्नमैंट गर्ल्ज हाई स्कूल अपग्रेड किया गया था लेकिन उसके बाद डाउन ग्रेड कर दिया गया। इसी प्रकार से झांगी पुर में कन्या स्कूल को सीनियर सैकेण्डरी स्कूल का दर्जा दिया गया था। मुण्डाखेडा में गवर्नमैंट गर्ल्ज मिडल स्कूल को हाई स्कूल का दर्जा दिया गया था। छुडानी गांव के स्कूल को मिडल स्कूल से हाई स्कूल का दर्जा दिया गया था लेकिन उनका दर्जा नहीं बढाया गया। इन सभी स्कूलों की अप्रूवल फाईनैंस डिपार्टमैंट तथा ऐजुके ान सैक्रेटरी से मिली हुई है। कलानौर में भी स्कूल का दर्जा बढाया गया था इसी तरह से हमीदपुर गांव में गवर्नमैंट गर्ल्ज प्राईमारी स्कूल को मिडल स्कूल का दर्जा दिया गया था। स्पीकर साहब, इस समय माननीय मुख्य मंत्री जी हाउस में बैठे हुए

हैं और मैं आपके माध्यम से उनके सामने अपने इलाके की समस्याओं को रखना चाहूंगा। सड़कों का यहां पर बुरा हाल है। चौधरी बंसी लाल जी के नेतृत्व में यह नारा बन गया है, "हरियाणा नाम विना ा का, क्या काम यहां विकास का"। यहां सदन में बोलते हुए श्री अनिल विज जी ने एक बहुत अच्छी बात कही कि डायरेक्टिव प्रिंसिपल्ज के साथ ही साथ राईटस भी हैं लेकिन ये प्रिंसिपल्ज और राईटस साथ साथ चलते हैं। वैसे हम यहां पर लोकतन्त्र की दुहाई देते हैं, हमें वोट का अधिकार प्राप्त है। डॉ0 भीमराव अम्बेदकर जी ने बडी सोच समझ कर हर नागरिक को यह वोट का अधिकार दिया था ताकि लोग अपने प्रतिनिधि को चुन कर भेजें जो कि उनकी समस्याओं का समाधान करवा सके। मेरे हल्के की सड़कों और गलियों का कोई विकास नहीं हुआ है, स्कूलों का दर्जा नहीं बढ़ा है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री जी से जानना चाहूंगा कि मेरे हल्के के साथ यह भेदभाव क्यों किय जा रहा है। सरकार यह भेदभाव की नीति छोड़ कर अच्छा माहौल कायम करे और अच्छे काम करने में पूरी रूचि ले। क्या मेरे हल्के के लोगों को इस बात की सजा दी जा रही है कि उन्होंने मुझे चुनकर भेजा है, क्या उनको इसी चीज की सजा दी जा रही है। स्पीकर साहब, इसी प्रकार से गन्ने की बाबत भी मैं एक बात कहना चाहूंगा। पहले यह महकमा प्रोफैसर गणे ी लाल जी के पास था जे कि एक बहुत योग्य मंत्री रहे हैं। वे को–आप्रे ान मिनिस्टर थे, वे बहुत ही अच्छे और खानदानी आदमी हैं। (विघ्न) हमें पहले ही यह

आ ांका थी और हमने यहा भांका जाहिर की थी कि आगे चल कर किसान बर्बाद हो जाएगा। इसी प्रकार से चौटाला साहब ने बोलते हुए कहा था और मैं भी आपके द्वारा दावे के साथ कहता हूं कि किसान के गन्ने का जो बाउंड भरा गया था उसको उसके तहत भाव प्राप्त नहीं हुआ है। गन्ना 10–15 रूपये प्रति क्विंटल के भाव पर मजबूर होकर उसको बेचना पड रहा है। जिला रोहतक के एक किसान बसन्त राम का गन्ना खेत में पडा था और उसने कहीं से सुना कि भूना की मिल में गन्ना लिया जा रहा है इसलिए उसने सोचा कि मैं अपने गन्ने को भूना ले जाता हूं वहां पर उसको गन्ने का भाव मिल जाएगा। उसने एक टैम्पों वाले से भाव तय किया और गन्ना उसमें लाद कर भूना ले गया लेकिन वहां पर भाायद स्ट्राईक वगैरह के कारण उसका गन्ना खरीदा नहीं गया जिसके कारण उसने सोचा कि वह गन्ने का वापिस गांव ले आए। उसने टैम्पो वाले से बात की तो उसने कहा कि वापिसी का किराया अलग से होगा। रास्ते में उसने एक क्र ार देखा उसने सोचा कि गांव में गन्ना वापिस लेकर जाऊंगा तो जग हंसाई होगी इसलिए इसको क्र ार पर बेच देता हूं। उसने वहां टैम्पो वाले को कहा कि थोडी देर रूको और वह खुद क्र ार पर चला गया। जब गन्ने का भाव पूछा तो क्र ार वाले से उसको 10 या 15 रूपये प्रति क्विंटल का भाव मिल सकता था। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष: धीरपाल जी, आप अपनी बात को एक मिनट में कन्क्लूड कीजिए।

श्री धीरपाल सिंहः आप मुझे 5 मिनट का समय दीजिए ताकि मैं अपनी बात को कन्कलूड कर सकूं। (विघ्न) उसने उस किसान को 10 या 15 रूपये क्विंटल का भाव देने को कहा। उस किसान ने गन्ना पैदा किया लेकिन उसे भाव नहीं मिला जिस कारण वह क्र ार से घूम कर बस में बैठा और अपने गांव वापिस चला गया। उस टैम्पो के किराये का फैसला बाद में टैम्पो यूनियन में जाकर हुआ। जिसने गन्ना पैदा किया उसकी इस प्रकार दुर्गति हो रही है। (विघ्न) मैं सरकार से प्रार्थना करूंगा कि वह अपने लैवल पर गन्ने को बेचे। (विघ्न)

Mr. Speaker: Now the House stands adjourned till 9.30 a.m. tomorrow.

***19.00 hrs.**

(The Sabha then *adjourned till 9.30 a.m. on Tuesday the 11th March, 1997).